आज का मौसम | 26.0° अधिकतम तापमान | 12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51 | सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 05:05 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082
रविवार, 15 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 82, पृष्ठ 14+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

पारिजात चैरिटेबिल आई हास्पिटल

डॉ. भ्रमरेश शर्मा
MBBS, M.S. (Optho.)
CONSULTANT EYE SURGEON

मोतियाबिन्द
✓ MICS फेको विधि
✓ मल्टी फोकल लैंस
✓ टोरिफ, EDOF लैंस
✓ न इंजेक्शन, न परहेज

✓ MICS सबसे पावरफुल मशीन
✓ Optical Biometer
मल्टी फोकल लैंस
✓ चश्में पर कम निर्भरता
✓ अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ

कालापानी
✓ सम्पूर्ण जाँच
✓ RFNL Analysis
✓ VF Analysis
✓ लेजर ऑपरेशन

रेटिना (पर्दा)
✓ OCT, FFA
NFL Analysis
✓ B.Scan
अल्ट्रासाउण्ड

पुतली (Cornea)
✓ Topography
✓ Keratoconus

अन्य
✓ Yag Laser
✓ भेंगापन का इलाज
✓ नाखूना ऑपरेशन
✓ पलकों का ऑपरेशन

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत
मुफ्त इलाज की सुविधा

सूद धर्मकांटा, मैकनियर रोड, बरेली।
✆ 89793-00360, 89790-69333

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल
के प्रान्तीय महामंत्री
मा. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता जी को

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड
(भारत सरकार) का
सदस्य
मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल महानगर, बरेली

A Reputed Institution of Northern India

LUCKNOW PUBLIC SCHOOLS & COLLEGES
·LUCKNOW·HARDOI·SITAPUR·LAKHIMPUR KHERI·BARABANKI·BAREILLY·NEW DELHI

Dr. S.P. Singh
Member of Parliament
Founder & Chairman

ADMISSIONS OPEN
Play Group onwards

NEW BRANCH AT SEC-3, RAMGANGA NAGAR AWASIYA YOJNA, BAREILLY FROM MARCH 2026

AI Minds Start Here

(CBSE Branch)

✆ 9125777140, 9125777141

विशेष सुविधा :
अभिभावक अपने किसी भी कक्षा के बच्चों को यदि हमारी एक शाखा से दूसरे जनपद/मोहल्ले की शाखा में स्थानांतरण कराना चाहते हैं, तो उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उसी कक्षा में तत्काल प्रवेश दिया जायेगा।

KEY FEATURES
● AI & ROBOTICS ● SMART CLASS ENABLED ● STUDENT & PARENTS COUNSELLING SESSIONS ● AIR CONDITIONED CAMPUSES ● GLOBAL GROWTH STANDARDS ● FRENCH LANGUAGE ● WORLD CLASS INFRASTRUCTURE ● BEST SPORTS & ACTIVITIES EXPOSURES

Our Esteemed Branches of Lucknow Public Schools & Colleges

LUCKNOW
- A-Block, Rajajipuram, Lucknow (ICSE-ISC) Ph.: 0522-4231052, 8188037816
- Sahara States, Jankipuram, Lucknow (ICSE-ISC) Ph.: 0522-2735441, 9044031758
- Vinamra Khand, Gomti Nagar, Lucknow (CBSE) Ph.: 9044034412, 8188034421 (with Hostel)
- Sec.-9, Vrindavan Yojna, Lucknow (CBSE) Ph.: 9044069616
- Sec.-E, Amrapali Yojna, Lucknow (CBSE) Ph.: 9044061201
- Anand Nagar, Lucknow (CBSE Stream) Ph.: 8188041772, 7275031738, 9170958882
- B-Block, Rajajipuram, Lucknow Ph.: 8090037815 (CBSE Curriculum/Pattern)
- Garden City, DLF, Raebareli Road, Lucknow (To be affiliated to CBSE) Ph.: 7068885671

HARDOI
- Madhoganj, Hardoi (CBSE) (with Hostel) Ph.: 9235311053, 7518303130

SITAPUR
- Naveen Chowk, Sitapur (CBSE). Ph.: 7392972170

LAKHIMPUR KHERI
- LRP Chauraha, Lakhimpur Kheri (ICSE-ISC) Ph.: 9235604779, 8765391191 (with Hostel)

NEW DELHI
- Asthal Mandir Marg, Sangam Vihar, New Delhi (CBSE) Ph.: 8448281775

BARABANKI
- LPS Chauraha, Barabanki (CBSE) Ph.: 7068885086

DEGREE COLLEGES
- Lucknow Public College of Professional Studies, Vinamra Khand, Gomti Nagar, Lucknow (with Hostel) Ph.: 9044059024, 9235311061. (Affiliated to University of Lucknow & AKTU)
- Lucknow Public College of Pharmacy, Madhoganj, Hardoi (D.Pharm) Ph. 9151024960

UPCOMING BRANCHES
- Lucknow Public School, Sec.-7, Gomti Greens, Gomti Nagar Extension, Lucknow
- Lucknow Public School, Muradpur, Fulwari Sharif, Patna
- Lucknow Public School, Suraksha Smart City, Vasai, Palghar, Mumbai

scan now For Admission
8188051204
Toll Free- 1800-121-2155
Visit us on: www.lps-lpc.org
Follow us on:

न्यूज ब्रीफ

महिला छात्रावासों के निर्माण को किस्त जारी

अमृत विचार, लखनऊ : शहरी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण कार्य को तेज कर दिया गया है। केंद्र सरकार की एसएएससीआई योजना के अंतर्गत संचालित इस योजना के लिए कुल 382 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 251.82 करोड़ रुपये (करीब 66 प्रतिशत) पहली किस्त के रूप में जारी कर दिए गए हैं। अप्रैल 2025 में सीएंडडीएस को इस परियोजना का कार्यदायी संस्थान नामित किया था। वर्तमान में लखनऊ में 3, गौतमबुद्धनगर में 4 और गाजियाबाद में 1 कुल आठ छात्रावासों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

16 से 28 तक भारत नेपाल मैत्री महोत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026 का आयोजन 16 से 28 फरवरी तक प्रदेश के आठ जिलों में किया जाएगा। 13 दिवसीय इस सांस्कृतिक उत्सव की शुरुआत 16-17 फरवरी को कुशीनगर से होगी, जबकि समापन 27-28 फरवरी को पीलीभीत में होगा। इसके अलावा सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर खीरी में भी क्रमवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एसएससी परीक्षा : साल्वर गैंग के सरगना समेत दो गिरफ्तार

यूपीएस रूम का कंप्यूटर सिस्टम हैक कर कराई जा रही थी ऑनलाइन नकल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गिरफ्तार भास्कर नैथानी व नीतीश कुमार।

- एसटीएफ के रडार पर साल्वर गैंग के आधा दर्जन सदस्य, जांच जारी

अमृत विचार: स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एसएससी) की मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के लिए की जा रही भर्ती में साल्वर गैंग के सरगना ने सेंध लगा दी। ऑनलाइन हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए प्राक्सी सर्वर सेटअप के माध्यम से रिमोट एक्सेस से नकल कराई जा रही थी। यूपी और उत्तराखंड की एसटीएफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए देहरादून स्थित एमकेपी इंटर कालेज परिसर स्थित महादेव डिजिटल जोन के संचालक भास्कर नैथानी और सेंटर में तैनात इलेक्ट्रिशियन नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ तफ्तीश में अभी आधा दर्जन अभियुक्तों के भी साल्वर गैंग में शामिल होने के सुराग मिले हैं। सभी के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभागों में एमटीएस के तहत सेंट्रल ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीआईसी व सीबीएन) में हवलदार के पदों के लिए पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा चल रही है। यह परीक्षाएं चार फरवरी को शुरू हुई थीं, जो कि 15 फरवरी तक जारी रहेंगी। इसके लिए यूपी के साथ ही उत्तराखंड के तमाम डिजिटल से लैस संस्थान केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर अलग-अलग तारीखों में परीक्षाएं एड्यूक्विटी कंपनी की ओर से कराई जा रही हैं।

एसटीएफ के एडीशनल एसपी ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि ऑनलाइन हो रही परीक्षा में पता चला कि कुछ स्थानों पर सिस्टम हैक करके सॉल्वर बिठाकर परीक्षा कराई जा रही हैं। इसके बाद जब टीम को उतारा गया तो पता चला कि देहरादून स्थित डिजिटल जोन परीक्षा लैब के पास बने यूपीएस रूम से कंप्यूटर सिस्टम हैक करके नकल कराई जा रही है। इसके बाद यूपी और उत्तराखंड की एसटीएफ टीम ने संयुक्त रूप से परीक्षा केंद्र पर छापा मारा। वहां पर अंडर ग्राउंड चैंबर में दो लैपटाप चालू हालत में पाए गए, जिन पर करसर लगातार मूव कर रहा था। वहां पर टर्मिनल विंडो ओपन थीं, वहीं 16 कार्ड व आईकान दिखाई दे रहे थे। एसटीएफ ने नकल कराने के आरोप में शनिवार को परीक्षा केंद्र के मालिक भास्कर नैथानी, निवासी सरस्वतीपुरम लेन नंबर-चार, देहरादून और नितीश कुमार निवासी सुरजीपुर, देवरिया को गिरफ्तार कर लिया। नितीश कुमार मौजूदा समय में परिवार के साथ दिल्ली के नांगलोई में रहता है। वह भाष्कर नैथानी के यहां संस्थान में इलेक्ट्रिशयन के पद पर तैनात है। पूछताछ में अभी आधा दर्जन अभियुक्तों के भी साल्वर गैंग में शामिल होने की आशंका है। टीमें लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हैं।

दिल्ली पुलिस भर्ती में भी हुई थी नकल

लखनऊ, अमृत विचार : एसएससी की एमटीएस परीक्षा में ऑनलाइन साल्वर गैंग का खुलासा हुआ है तो अब बीते दिनों हुई दिल्ली पुलिस की भर्ती पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। एसटीएफ के मुताबिक, नवंबर-25 में दिल्ली पुलिस के चालक पद की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा देहरादून के इसी महादेव डिजिटल जोन सेंटर पर कराई गई थी। गिरफ्तार इलेक्ट्रिशियन नितीश ने उस समय भी कथित तौर पर यूपीएस सिस्टम हैक करने के लिए अंडर ग्राउंड सिस्टम तैयार किया था। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली पुलिस की उस भर्ती में भी नकल कराई गई थी। हालांकि अभी यह महज आशंका है, लेकिन विस्तृत जांच के बाद ही सही स्थिति साफ हो पाएगी।

शिव मंदिर परिसर में होर्डिंग फाड़ी जेई से मारपीट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के प्रसिद्ध शिव मंदिर परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब देर शाम मंदिर परिसर में लगी एक होर्डिंग को कुछ लोगों ने फाड़ दिया। होर्डिंग नगर पालिका चेयरमैन की ओर से शिवरात्रि के अवसर पर लगवाई गई थी। होर्डिंग फाड़ने के दौरान ही विवाद को लेकर कार्यदायी संस्था के जेई नितिन सिंह के साथ मारपीट की गई और उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया। पुलिस जांच कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में सजावट के अलावा अन्य व्यवस्थाएं की जा रही थीं। इसी दौरान होर्डिंग को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते होर्डिंग फाड़ दी गईं। इसी दौरान कॉरिडोर कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह से मारपीट की गई। इसके बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में देर रात तक तनाव का माहौल बना रहा। इधर, निर्माणाधीन कॉरिडोर की कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह ने मामले की तहरीर कोतवाली पुलिस को दे दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि महाशिवरात्रि की तैयारी चल रही थी।

नौकरी की गारंटी होगी वानिकी विवि की डिग्री: मुख्यमंत्री

गोरखपुर के बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- योगी ने पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन किया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में प्रस्तावित प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी बनेगा। इस विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं को देश और दुनिया में व्यापक रोजगार अवसर मिलेंगे। साथ ही यह संस्थान किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लाक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय के उद्घाटन के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण है। कैम्पियरगंज में बनने वाला वानिकी विश्वविद्यालय इन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में कारगर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में स्थापित गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि माता सीता के हरण के समय रावण का प्रतिकार करने वाले गिद्धराज जटायु मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आज रसायनों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से गिद्धों की संख्या घट रही है, ऐसे में संरक्षण केंद्र बनाकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई है। इसी क्रम में वानिकी विश्वविद्यालय वनाच्छादन बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन का नया मॉडल बनेगा।

वाणी पोल खोल देती है : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य पर दिए गए कथित अपमानजनक बयान को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि "पहन ले कोई जैसे भी चोले, पर उसकी वाणी पोल खोल देती है। अहंकार व्यक्ति का सम्मान छीन लेता है और समाज सब देख रहा है। सपा प्रमुख ने शनिवार को कहा कि पूज्य शंकराचार्य के खिलाफ अपशब्द कहना शाब्दिक हिंसा और पाप है।

दो करोड़ की कर चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर स्क्रैप गाड़ियां कराते थे पास, एफआईआर दर्ज

अमृत विचार : रोजा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर करीब दो करोड़ रुपये की कर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह एंड्रॉयड फोन, एक कीपैड फोन, 10 बिल्टी बुक, दो रजिस्टर तथा एक कार बरामद की है।

जीएसटी सचलदल प्रभारी हरित कुमार की ओर से दो माह पूर्व रोजा थाने में फर्जी जीएसटी फर्म के ई-वे बिल और बिल्टी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया गया। रोजा पुलिस और एसओजी गिरोह की तलाश में जुटी थीं। शनिवार सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य कार से दिल्ली से शाहजहांपुर की ओर आ रहे हैं। पुलिस ने अटसलिया ओवरब्रिज पर घेराबंदी कर कार रोकते हुए चारों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अखिलेश निवासी गजियापुर थाना सरैनी जिला रायबरेली, विपिन निवासी नेकपुर थाना सिविल लाइन जिला बदायूं, शिवओम शर्मा निवासी लच्छैड़ा थाना मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर तथा राहुल राणा निवासी केडी थाना बाबरी जिला शामली शामिल हैं। विपिन पर पूर्व में दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने चारों का चालान कर दिया है। कार्रवाई में गैंगस्टर सेल प्रभारी वीरेंद्र सिंह, एसओजी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार, उप निरीक्षक जगत सिंह और सौरभ शुक्ला शामिल रहे।

शिक्षिका को कार ने रौंदा, पैर कटकर अलग हूआ

काशीपुर, अमृत विचार: उत्तराखंड में उद्यमसिंह नगर जिले के काशीपुर में आईटीआई थाना क्षेत्र के पैगा चौकी के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूल जा रही शिक्षिका को जोरदार टक्कर मार दी। \ादसे में शिक्षिका का एक पैर कटकर शरीर से अलग हो गया और उनकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

लालपुर बकसौरा निवासी नरेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 28 वर्षीय पुत्री दीपिका रानी, जो राजकीय कन्या इंटर कॉलेज काशीपुर में शिक्षिका हैं, शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से स्कूल जा रही थीं। पैगा चौकी से कुछ दूरी पर सामने से गलत दिशा में आ रहे कार चालक सुमित (निवासी संभल, यूपी) ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार स्कूटी को रौंदते हुए पास के खेत में जाकर पलट गई। इस दुर्घटना में दीपिका का दायां पैर शरीर से अलग हो गया और हाथ तीन जगह से फ्रैक्चर हो गया है।

बूथ स्तर तक सशक्त होगा भाजपा का संगठन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य, जिला, मंडल व बूथ स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग की बनी योजना

अमृत विचार: भाजपा ने प्रदेश में शुरू किए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रशिक्षण अभियान के राष्ट्रीय सहसंयोजक ओमप्रकाश धनकड़ ने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान से बूथ स्तर तक भाजपा संगठन सशक्त होगा। कार्यकर्ता निर्माण ही संगठन निर्माण की कुंजी है, जबकि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने वैचारिक दृढ़ता, अनुशासन और सेवा भाव पर बल दिया।

शनिवार को बीबीडी विश्वविद्यालय स्थित सभागार में हुई कार्यशाला में राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रशिक्षण तराशने की प्रक्रिया है, जो सीखता है, वही आगे बढ़ता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश-एक विधान का संदेश आज भी भाजपा के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्ता केवल चुनावी योद्धा नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक बनता है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर तक प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं। यह महाभियान कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, सेवा कार्यों और जनसंपर्क अभियानों से जोड़ते हुए उन्हें अधिक प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर तीन दिन, जिला स्तर पर दो दिन, मंडल स्तर पर 24 घंटे और बूथ स्तर पर दो सत्रों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण महाभियान के उत्तर-पूर्व क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार) के क्षेत्रीय प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने पीपीटी के माध्यम से अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की।

कुत्तों के हमले में पांच वर्षीया बच्ची की मौत

गोंडा, एजेंसी : जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह घर से बाहर खेलने निकली एक बालिका की कुत्तों के हमले में मौत हो गई। धानेपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यहां कल्याण नगर वार्ड निवासी बिशुन लाल की बेटी मुस्कान (पांच) सुबह करीब सात बजे अपनी बड़ी बहन महक तथा दो अन्य बच्चियों के साथ घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित प्राथमिक विद्यालय माधवगंज के पास गई थी। इसी दौरान कुत्तों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया। अन्य बच्चे किसी तरह भाग निकले, लेकिन मुस्कान को कुत्तों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया।

उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों के वहां पहुंचने पर कुत्ते भाग गए। परिजन घायल बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत है।

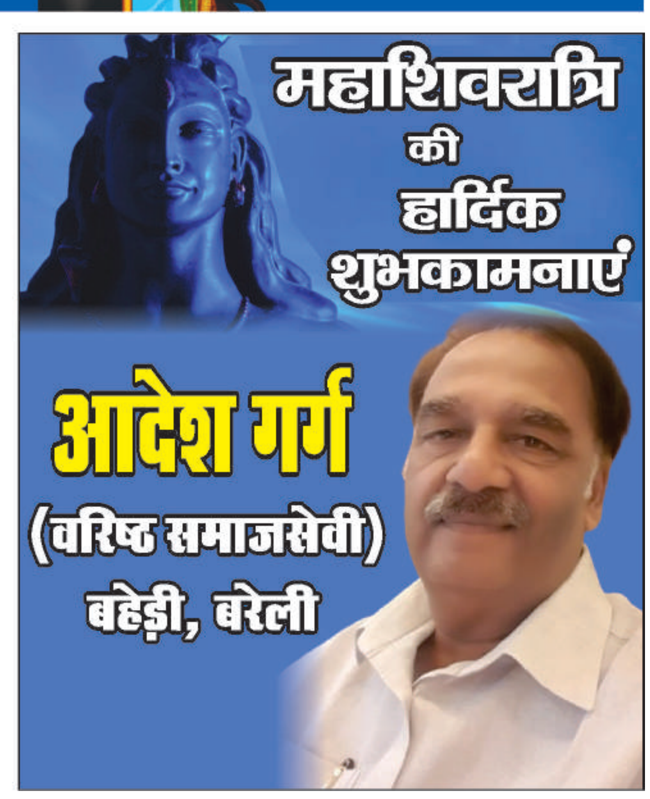

आज का मौसम
26.0⁰ अधिकतम तापमान
12.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51
सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 05:05 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 15 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 82, पृष्ठ 14+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

मोदी सरकार ने नुकसान पहुंचाने वाला व्यापार समझौता किया : राहुल गांधी - 9

अमेरिकी समझौते से भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धी दाम पर कच्चा तेल - 10

ट्रंप बोले-ईरान में सत्ता का परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी जो संभव है - 11

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौशल का नहीं, दबाव झेलने का - 12

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की, अपने शासन में उग्रवाद को छूट दी

गुवाहाटी में सार्वजनिक बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने और अपने शासनकाल के दौरान असम में उग्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरे में डाला है और असम में उसके कार्यकाल के दौरान भय और असुरक्षा का माहौल बना रहा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने ध्रुवीकरण और वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होकर ऐसे निर्णय लिए, जिनसे इन चीजों को बढ़ावा मिला। मोदी ने कहा, देश का विभाजन मुस्लिम लीग के कारण हुआ था, लेकिन

अब 'एमएमसी' - माओवादी, मुस्लिम लीग, कांग्रेस हैं और लोगों को इनके बारे में जागरूक होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, लेकिन भाजपा अवैध अप्रवासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए अगले पांच साल राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि असम में 10 वर्षों से सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस

- प्रधानमंत्री मोदी ने असम में जनसभा को किया संबोधित, कहा- कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरे में डाला
- असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने पुल के साथ आईआईएम और डेटा केंद्र का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

सत्ता में रहने के समय से भी अधिक खतरनाक हो गई है और यह बात उसके नेताओं द्वारा दिये गये जहरीले बयानों से स्पष्ट है।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने असम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें ब्रह्मपुत्र नदी पर बना एक पुल, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने वाला एक डेटा केंद्र शामिल है।

मोदी एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में स्थित पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर सी-130जे विमान से शनिवार को ऐतिहासिक लैंडिंग की। मोदी ने चाबुवा हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी और वह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 स्थित मोरान के ईएलएफ पर उतरे। उद्घाटन के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह बेहद गर्व की बात है कि पूर्वोत्तर को एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा मिल रही है। रणनीतिक दृष्टि से और प्राकृतिक आपदाओं के समय, यह सुविधा अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। अधिकारियों ने बताया कि 100 करोड़ की लागत से निर्मित ईएलएफ मोरान बाईपास पर 4.2 किलोमीटर लंबी पट्टी है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मोबाइल स्क्रीन में उलझता बचपन व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

कठुआ: अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 5 किमी के दायरे में आवागमन प्रतिबंध

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अधिकारियों ने शनिवार को सीमापार से गोलीबारी की आशंका और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को रोकने एवं ग्रामीणों की सुरक्षा की आवश्यकता का हवाला देते हुए अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ लगे पांच किलोमीटर के दायरे में 'अनावश्यक आवाजाही' पर प्रतिबंध लगा दिया है। कठुआ के जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया, जो कार्यकारी मजिस्ट्रेट को सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संभावित खतरे के तात्कालिक मामलों में निवारक उपाय करने का अधिकार देती है।

शरद पवार को पुणे के अस्पताल से छुट्टी मिली

पुणे। सीने के संक्रमण के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुए राकांपा (शप) के अध्यक्ष शरद पवार को शनिवार दोपहर छुट्टी दे दी गई। राज्यसभा सदस्य पवार (85) दोपहर करीब एक बजे अस्पताल से रवाना हुए। पवार की बेटी और राकांपा (शप) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्हें तीन से चार दिन आराम करने की सलाह दी गई है। पवार को इस सप्ताह की शुरुआत में सांस लेने में तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत के बाद पुणे जिले के बारामती में स्थित उनके आवास से यहां रूबी हॉल क्लिनिक लाया गया था।

रेलवे के 3 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं और 10,000 करोड़ के स्टार्टअप फंड को मंजूरी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने रेलवे, मेट्रो, स्टार्टअप और शहरी विकास से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। 10,000 करोड़ के स्टार्टअप फंड को स्वीकृति के अलावा शहरों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये का अर्बन चैलेंज फंड बनाया जाएगा। महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना में 11,000 करोड़ की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी मिली।

मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की 18,509 करोड़ की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इनमें कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला व बल्लारी-होसपेटे के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का निर्माण शामिल है। सरकार ने कहा, लाइन की क्षमता में वृद्धि से आवागमन में सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव से परिचालन को सुव्यवस्थित करने के साथ भीड़भाड़ को कम किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों पर मीडिया को जानकारी देते केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी।

ये तीन परियोजनाएं मौजूदा रेलवे नेटवर्क को 389 किमी तक बढ़ा देंगी। 'प्रस्तावित 'मल्टी-ट्रैकिंग' परियोजनाओं से लगभग 3,902 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 97 लाख है। देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें भावली बांध, श्री घाटंदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, कटरा में श्री माता वैष्णो देवी, श्रीनगर और हम्पी (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) जैसे प्रमुख आकर्षण शामिल हैं। वहीं, देश में उद्यम पूंजी के प्रोत्साहन और उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी-आधारित नवोन्मेषी विनिर्माण स्टार्टअप एवं शुरुआती दौर वाले उद्यमों को वित्तीय सहायता के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष को मंजूरी दी। यह 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत 'फंड ऑफ फंड्स' (एफओएफ) योजना का दूसरा चरण है।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे दौड़ेंगी ट्रेन और कारें देश की पहली अंडरवॉटर रेल-रोड टनल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग समेत गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच चार लेन वाले ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 18,662 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह भारत की पहली और विश्व की दूसरी सड़क-सह-रेल सुरंग होगी। वर्तमान में, राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर स्थित नुमालीगढ़ और एनएच-15 पर स्थित गोहपुर के बीच की दूरी एनएच-52 पर सिलघाट के निकट स्थित कालियाभम्भोरा सड़क पुल से 240 किलोमीटर है। इसमें नुमालीगढ़, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बिश्वनाथ कस्बे से होते हुए छह घंटे का समय लगता है। इसमें कहा गया है, इन चुनौतियों से निपटने के लिए, इस परियोजना को राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सड़क-सह-रेल सुरंग के साथ चार-लेन ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है।

शहरी अवसंरचना को 1 लाख करोड़ का यूसीएफ

शहरी अवसंरचना को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए शनिवार को एक लाख करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता के साथ 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) शुरू करने को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी, बशर्ते कि परियोजना के लिए 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया गया हो। इस पहल से अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। यह कदम बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसके तहत अब अनुदान-आधारित वित्तपोषण के बजाय बाजार से जुड़े, सुधार-आधारित और परिणाम-उन्मुख बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। (संबंधित समाचार कारोबार पर)

बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखनी होगी : रहमान

ढाका, एजेंसी

- भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ संबंधों पर स्पष्ट की नीति

बड़ी जीत हासिल करने के बाद बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का शनिवार को आह्वान किया और सुरक्षित व मानवता का सम्मान करने वाला देश बनाने में सहयोग देने की अपील की। कहा कि उनकी पार्टी एक ऐसी विदेश नीति का पालन करेगी जो चीन, भारत और पाकिस्तान के साथ व्यवहार में बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी। रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। वह अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस की जगह लेंगे।

रहमान ने 13वें संसदीय चुनावों में भारी जीत के एक दिन बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें सुरक्षित और मानवता का सम्मान करने वाला बांग्लादेश बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। रहमान ने कहा, किसी भी बहाने किसी के साथ अन्याय नहीं किया जा सकता। देश के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों ने बीएनपी को विजयी बनाया है। कहा, आज से सभी स्वतंत्र हैं बधाई। सभी की भागीदारी के साथ देश में फासीवाद-मुक्त सरकार की यात्रा शुरू हो गई है।

जीत के बाद विक्ट्री साइन बनाते रहमान।

बीएनपी ने कहा-भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं

ढाका। बांग्लादेश में चुनाव में भारी जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को कहा कि वह दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए भारत के साथ साझा प्रतिबद्धता एवं रचनात्मक जुड़ाव की उम्मीद करती है। बीएनपी प्रधानमंत्री मोदी की उस पोस्ट का जवाब दे रही थी जिसमें उन्होंने तारिक रहमान को निर्णायक जीत के लिए बधाई दी थी।

पंजाबी अभिनेत्री हिमांशी खुराना से 10 करोड़ की रंगदारी मांगी

मोहाली। पंजाबी अभिनेत्री हिमांशी खुराना ने मोहाली पुलिस में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में दावा किया है कि उन्हें विदेश में रहने वाले एक गैंगस्टर ने धमकी देते हुए 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मोहाली पुलिस ने कहा कि अभिनेत्री से मिली शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने बताया कि खुराना ने अपनी ईमेल आईडी पर प्राप्त जबरन

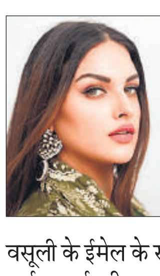

- विदेश में रहने वाले गैंगस्टर ने दी धमकी पुलिस ने दर्ज किया मामला

वसूली के ईमेल के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए शनिवार को सोहाना थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

डिजिटल होगा घरों का सर्वे, 33 सवालों पर जुटेगा डेटा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने वर्ष 2011 के बाद एक बार फिर जनगणना की तैयारियां तेज कर दी हैं। पहले चरण में हाउसहोल्ड सर्वे 20 मई से 20 जून के बीच कराया जाएगा। इस दौरान जनगणना कर्मी घर-घर जाकर 33 निर्धारित प्रश्न पूछेंगे। पूरी प्रक्रिया डिजिटल एप के माध्यम से संचालित होगी, जिससे डाटा संकलन सटीक व सुरक्षित हो सकेगा।

पहले चरण में 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को 17 से 20 फरवरी तक विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि फील्ड स्तर पर जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से

- जनगणना की तैयारी तेज, 20 मई से 20 जून तक होगा सर्वे 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को विशेष प्रशिक्षण

पूरा किया जा सके। मास्टर ट्रेनर अपने-अपने जिलों में जनगणना कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस चरण में आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, गाजियाबाद, बलिया, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, गौतम बुद्ध नगर, गाजीपुर, हापुड़, हाथरस, झांसी, ललितपुर, मथुरा, मऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल, शामली, सोनभद्र और वाराणसी शामिल हैं। सर्वे में भवन संख्या, परिवार क्रमांक, परिवार के मुखिया का नाम, पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की स्थिति, रसोई गैस, उपयोग में आने वाला प्रमुख अनाज, परिवार में उपलब्ध सुविधाएं और अर्जित परिसंपत्तियों सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज की जाएंगी। प्रशिक्षण सत्रों में सर्वे प्रक्रिया, डाटा संग्रह की विधि और तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि कार्य पारदर्शी, त्रुटिरहित और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

रामानंद सागर के बेटे आनंद सागर का निधन

मुंबई। रामायण के निर्माण से घर-घर में पहचाने जाने वाले दिग्गज फिल्म निर्माता रामानंद सागर के बेटे आनंद रामानंद सागर चोपड़ा का लंबी बीमारी के बाद यहां निधन हो गया। उनकी पत्नी निशा सागर चोपड़ा ने यह जानकारी दी। वह 84 वर्ष के थे। निशा सागर ने बताया कि उनके पति 25 वर्ष से पार्किंसन से पीड़ित थे। उस स्थिति में भी एनडीटीवी के लिए 'रामायण' बनाई, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। उन्होंने पांच फिल्मों का निर्माण किया था, जिनमें रणधीर कपूर और तनुजा अभिनीत 'हमराही', अमजद खान, विद्या सिन्हा, सारिका और राकेश रोशन अभिनीत 'राम भरोसे' तथा शम्मी कपूर की 'अरमान' शामिल हैं।

- 84 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस लंबे समय से थे बीमार

पीएम राहत योजना को मंजूरी, हादसा पीड़ितों को मिलेगा 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली प्रदान कराने के उद्देश्य से सरकार ने शनिवार को पीएम राहत योजना की शुरुआत की। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं, जिनमें से कई मौतें समय पर चिकित्सा मुहैया कराने से रोकी जा सकती हैं।

मंत्रालय ने अध्ययनों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि पीड़ितों को सड़क दुर्घटना के पहले घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती कराया जाए तो सड़क दुर्घटना में होने वाली

- पीएमओ ने सेवा तीर्थ भवन में स्थानांतरित होने के बाद लिया पहला निर्णय

लगभग 50 प्रतिशत मौतों को टाला जा सकता है। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' भवन में स्थानांतरित होने के बाद अपने पहले निर्णय में प्रधानमंत्री ने 'पीएम राहत' (सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए अस्पताल में भर्ती और सुनिश्चित इलाज) योजना शुरू करने की मंजूरी दी। यह योजना सरकार के उस दृष्टिकोण को दिखाती है, जिसमें कमजोर नागरिकों के लिए सेवा, करुणा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।

मंत्रालय के मुताबिक, इस योजना के तहत किसी भी सड़क दुर्घटना में पात्र व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये तक नकदी-रहति (कैशलेस) इलाज मिलेगा, जो दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक मान्य होगा। गंभीर मामलों में प्राथमिक उपचार 48 घंटे तक और गैर-गंभीर मामलों में 24 घंटे तक उपलब्ध रहेगा।

चेतावनी | जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी को मिली निस्तारण की गलत जांच रिपोर्ट की शिकायत

जन शिकायतों पर फर्जी रिपोर्ट पड़ेगी भारी, दर्ज होगी एफआईआर

- मुख्यमंत्री योगी ने कहा, किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी भी प्रकरण में जांच के दौरान फर्जी या गलत रिपोर्ट लगाए जाने की पुष्टि होती है तो, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर

दर्ज कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या हीलाहवाली अक्षम्य होगी।

मुख्यमंत्री ने ये निर्देश शनिवार सुबह गोरखपुर मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को तब दिए, जब कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए जिनमें पीड़ितों ने गलत जांच रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि ऐसे मामलों की जांच कर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय है। जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतों पर भी विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है और हर समस्या का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।

शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जन शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शासन को भेजी जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जनता दर्शन के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों पर मुख्यमंत्री ने विशेष स्नेह जताया, उन्हें दुलार किया, चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया। इसके बाद मंदिर की गोशाला पहुंचकर मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और गायों व गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

न्यूज ब्रीफ

सात साल बच्ची से किशोर ने किया दुष्कर्म,रिपोर्ट दर्ज

बिथरीचैनपुर, अमृत विचार : घर के बाहर खेल रही बच्ची को पड़ोस का रहने वाला नाबालिग किशोर बहला फुसला के अपने साथ ले गया। जहाँ उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले बच्ची के पिता ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया की शुक्रवार शाम उनकी बच्ची गाँव मे अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी गाँव मे ही पड़ोस मे रहने वाला एक नाबालिक किशोर उसे बहला फुसला कर सुनसान पड़े होली वाले स्थान पर ले गया। जहाँ उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया ।जिसके बाद वह भाग गया। बच्ची के पिता ने बताया जिसके बाद बच्ची रोते हुए घर आयी और पूरी बात बतायी। इंस्पेक्टर सी पी शुक्ला ने बताया बच्ची के पिता की तहरीर पर आरोपी किशोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

ग्रामीणों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

क्योलड़िया, अमृत विचार : वित्तीय जागरूकता सप्ताह में क्रिसिल फाउंडेशन के वित्तीय साक्षरता केंद्र द्वारा ब्लॉक भदपुरा क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मीणों को केवाईसी सामाजिक सुरक्षा धोखाधड़ी से बचाव और अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई इसके साथ ही ग्राम अल्हैया में एक एफएमडब्लू मेगा कैंप जागरूकता शिवर का आयोजन किया गया। पंचायत सहायक रूबी गंगवार समूहों सखी सुनीतदेवी व वीरेश कुमार ने प्रतिभा किया। शिविर में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सूरज देव उपस्थित रहे कैंप में सीबीओ अरसला मैम सी एफ एल नवाबगंज सेंटर मैनेजर आकाश वर्मा एफसी शबएनूर उपस्थित रही ।कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ने ग्रामीणों अपील की वे किसी प्रकार की बैंकिंग जानकारी अनजान लोगों से साझा ना करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत बैंक या संबंधित विभाग को दें । फोन पर बैंक कर्मी बताकर ओटीपी या अन्य जानकारी करने वाले को कोई जानकारी न देने की बात कही।

गैनी में रामगंगा पर बनेगा 200 करोड़ की लागत से पुल

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: आंवला क्षेत्र में गैनी पर रामगंगा नदी पर लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। रानी आंवतीबाई लोधी तिराहे से रेलवे स्टेशन तक सड़क निर्माण 10 करोड़ रुपये से किया जाएगा। आंवला–उसैता मार्ग के चौड़ीकरण पर 3 करोड़ तथा आंवला–बदायूं मार्ग के चौड़ीकरण पर 15 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। पशुधन मंत्री

जानकारी देते पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह।

धर्मपाल सिंह ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

अपने शिविर कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने प्रदेश सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे विकासोन्मुख बताया। इस दौरान उन्होंने आंवला क्षेत्र में प्रदेश स्तर की प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बजट आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, कृषि व पशुपालन को प्रोत्साहन देने और निवेश बढ़ाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

- प्रदेश का बजट विकास और आत्मनिर्भरता का संकल्प : धर्मपाल सिंह

उद्योगों के संदर्भ में मंत्री ने बताया कि आंवला में दुग्ध डेयरी और एथेनॉल प्लांट शुरू हो चुके हैं। डालमिया चीनी मिल का कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना है। इससे क्षेत्र के किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। गोवंश संरक्षण और निराश्रित पशुओं से फसलों को बचाने के लिए 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, गो संरक्षण केंद्रों और आश्रय स्थलों के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये तथा पशु अस्पतालों के संचालन हेतु 155 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्तमान में 7497 आश्रय स्थलों में लगभग 12.39 लाख गोवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। दुग्ध विकास के क्षेत्र में सुधार के लिए 220 नई दुग्ध समितियों का गठन किया जाएगा और 450 समितियों का पुनर्गठन होगा। यूजीसी से जुड़े विषय पर उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि इस पर न्यायालय निर्णय दे चुका है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और निवेश समर्थ राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

गड्ढे में फिसली बाइक विवाहिता की जान गई

संवाददाता, नवाबगंज

- पति के साथ मायके से ससुराल लौट रही थी
- जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत

अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। मायके से ससुराल लौट रही 25 वर्षीय विवाहिता की बाइक दुर्घटना में मौत हो गई। हादसा सड़क पर बने गड्ढे के कारण हुआ बताया जा रहा है।

मृतक अंजू

मुड़िया तेली गांव निवासी अंजू की शादी तीन वर्ष पहले त्यार जागीर गांव के प्रेमपाल से हुई थी। दंपती का एक छोटा बेटा भी है। शनिवार को अंजू अपने पति के साथ बाइक से मायके से वापस ससुराल जा रही थी। टांडा परोथी गांव के पास सड़क पर बने गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड़ गया। झटका लगने से अंजू उछलकर सड़क पर गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना के तुरंत बाद परिजन उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बरेली जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान अंजू ने दम तोड़ दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता की असमय मौत से परिवार में मातम छा गया है। पति और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मायके के लोगों को घटना संदिग्ध लग रही है।

नशे में कहासुनी पर भाई ने मारी गोली, पैर में लगी

विवाद में फुफेरे भाई ने ममेरे भाई पर किया हमला,पत्नी ने दी तहरीर

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार : शराब के नशे मे हुई कहा सुनी को लेकर दो पक्षो में झगड़ा होने पर फुफेरे भाई ने ममेरे के गोली मार दी गोली पैर में लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद आरोपी युवक के घर दबिश दी लेकिन आरोपी फरार था।

जानकारी के अनुसार बंटी पुत्र पोशाखी जोशी, निखिल पुत्र स्वर्गीय बाबूराम जोशी और अनमोल पुत्र अनिल जोशी यह सभी अनिल के घर पर शराब पी रहे थे, इसी बीच किसी बात को लेकर बंटी और

घटना स्थल पर परिजन से पूछताछ करती पुलिस। ● अमृत विचार

निखिल में झगड़ा हो गया। गुस्से में निखिल ने बंटी पर तमंचे से गोली मार दी। गोली बंटी के न लगकर निखिल के ममेरे भाई अनमोल के पैर से छूकर निकल गई जिससे अनमोल घायल गया। मामले की सूचना किसी को पुलिस को दे दी। गोली मारने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली और आरोपी निखिल के घर पर दबिश दी आरोपी घर से फरार हो गया। बंटी की पत्नी नेहा ने निखिल के विरूद्ध थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निराश्रित गोवंश को लेकर विवाद, फायरिंग

संवाददाता, आंवला

- निराश्रित गोवंश से किसान हैं परेशान, फसल बचाने को रात भर जागते हैं

अमृत विचार: भले ही प्रदेश सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, परंतु किसानों के लिए निराश्रित गोवंश मुसीबत बने हैं। बीती रात गोवंश को खेतों से भगाने को लेकर दो गांव के ग्रामीणों के बीच जमकर विवाद हो गया। जिसमें पथराव और फायरिंग करने का भी आरोप है। दोनो पक्ष भारी तादात में थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की।

मधपुरी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार की रात मुसराह गांव के लोगों ने रात करीब 10 बजे अपने गांव के गौवंश उनके गांव में भगा दिए। जोकि उनकी फसले बर्बाद करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने पथराव किया। भीड बढ़ने पर फायरिंग की। एक गोली पीपल की टहनी में फंसी हुई है। वहीं मुसराह गांव के ग्रामीणों ने बताया कि निराश्रित गौवंश किसानों की फसलें बर्वाद कर रहे हैं। किसान रातभर अपनी फसलों की रखवाली कर रहे हैं। रात में गौवंश खेतों पर आने पर उन्हें भगाया गया था। इसपर मधुपुरी गांव के लोगों ने पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। सूचना पर मौके पर डायल 112 पुलिस पहुंच गयी। दोनो पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की। थाने में पहुंचे दोनों पक्षों ने पुलिस के सामने भी विवाद किया और आरोप लगाए। काफी देर दोनों पक्षों में बहस हुई। इंस्पेक्टर कुंवरबहादुर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया है।

रात में थाने पहुंची लापता किशोरी

भमोरा, अमृत विचार : बीस दिन पहले घर से लापता हुई 15 वर्षीय किशोरी का मामला शुक्रवार रात उस समय नया मोड़ ले गया, जब वह अचानक अकेले थाने पहुंच गई। किशोरी का इस तरह सामने आना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है ।जानकारी के अनुसार 24 जनवरी की रात परिवार के सदस्य बाहर गए हुए थे और किशोरी घर पर अकेली थी। देर रात उसके अचानक लापता हो जाने पर परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। बाद में जांच के दौरान एक स्थानीय युवक सुगंध और उसके परिजनों पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया ।मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल फोन ट्रेसिंग और संभावित ठिकानों पर दबिश की कार्रवाई शुरू की। पुलिस दबाव के बीच शुक्रवार देर रात किशोरी स्वयं थाने पहुंची। पुलिस ने किशोरी को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया है। सोमवार को उसके बयान दर्ज कराए जाएंगे।

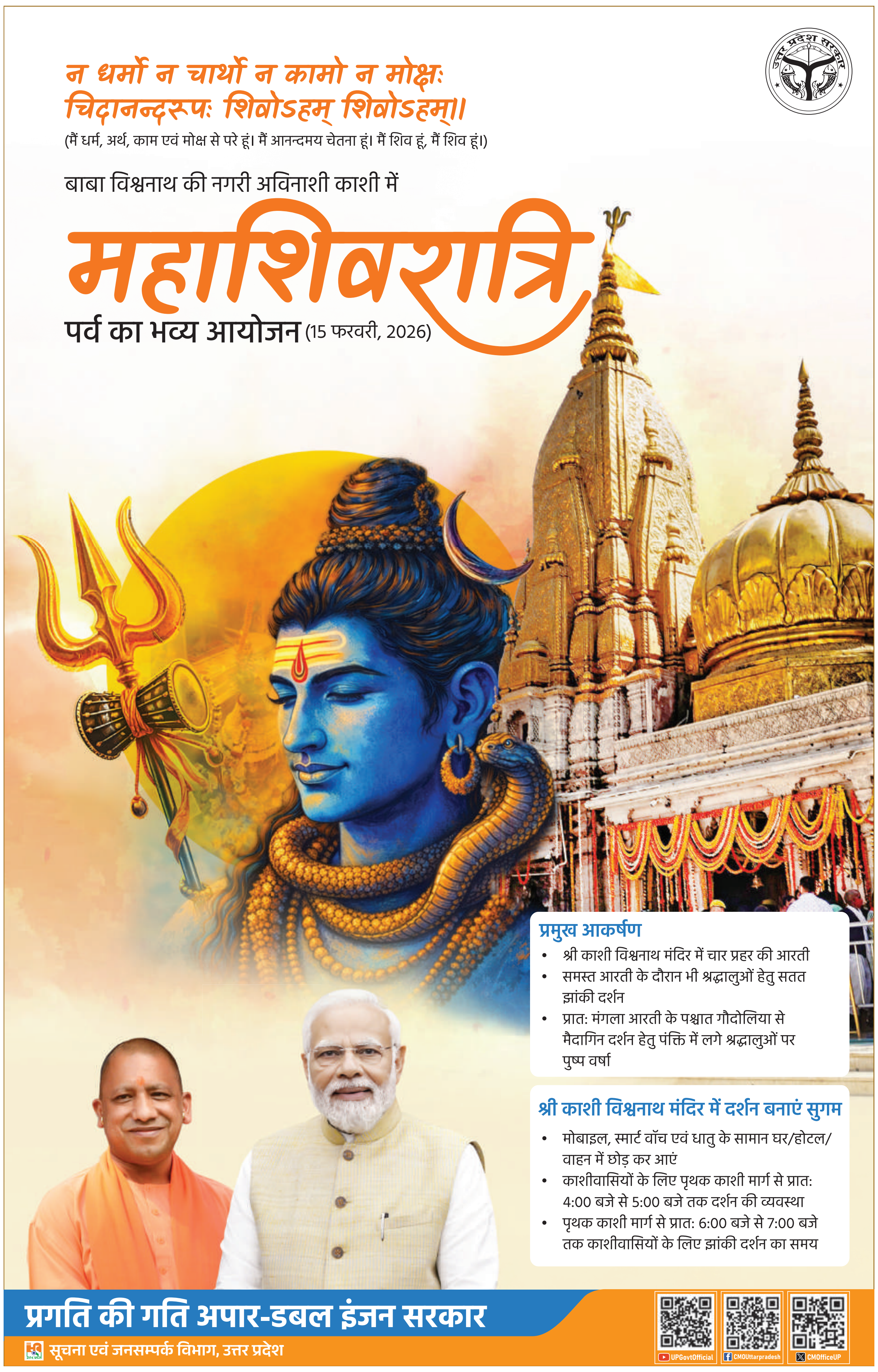

निकाह से पहले गर्भवती दुल्हन का कराया गर्भपात

संवाददाता, फरीदपुर

- अब दहेज में दो लाख की नगदी और कार की मांग निकाह से मुकरा आरोपी

अमृत विचार : एक ही गांव में रिश्ता तय होने पर मंगेतर ने दहेज में हैसियत से ज्यादा की रकम मांगकर रिश्ता तोड़ दिया। शादी से पहले बनाए सबंधों से लड़की दो माह के गर्भ से थी। इसकी जानकारी होने पर निकाह से पहले दवा खिलाकर गर्भपात कराया गया लेकिन ऐन निकाह के वक्त दहेज में बड़ी रकम की मांग कर दी गई। युवती की मां ने दूल्हे, सास और जेठ के खिलाफ तहरीर दी है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने बताया कि उसने अपनी बेटी का रिश्ता गांव में ही लगभग 6 माह पूर्व तय कर दिया था। शादी तय होने के बाद आरोपी उसके घर आने लगा जब घर आने का विरोध किया तो उसने कहा जब मेरा मन होगा तब आऊंगा और होने वाली दुल्हन से उसने जबरन शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिए। इसी बीच होने वाली दुल्हन शादी से पहले ही गर्भवती हो गई। जब उसने यह अपने होने वाले पति को बताई तो उसने जबरन दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया। कुछ दिनों बाद आरोपी ने उसे नशीली दवाई खिला कर फिर से संबंध बनाए। जिसकी जानकारी युवती की मां को हुई तो उन्होंने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो उसने निकाह करने से ही इनकार कर दिया। पुलिस में सूचना पहुंचने पर आरोपी शनिवार को निकाह को राजी हो गया लेकिन समाचार लिखे युवती का निकाह नहीं हुआ था। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि पीड़िता ने तहरीर दी तो निश्चित कार्यवाही होगी।

दो पक्ष भिड़े, प्रधान सहित तीन का चालान

संवाददाता, दुनका

अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र के गांव धनेली में मजार और कब्रिस्तान जाने के लिए खेत से रास्ता बनाने को लेकर विवाद हो गया।

बरसात जल भराव की समस्या से निजात पाने को ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान इमदाद खान से कब्रिस्तान और मजार शरीफ जाने के लिए पक्के सीसी रोड की मांग की। बीते दिनों जब इस कच्चे मार्ग पर सीसी निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ तो एक पक्ष एहसान अली, अहमद यार ने ग्राम प्रधान पर उनके खेत पर निर्माणकार्य कराने का आरोप लगाया तो कार्य रोक दिया गया। गत दिनों नायब तहसीलदार, लेखपाल और थानाध्यक्ष शाही चौकी इंचार्ज दुनका की मौजूदगी में हकीम अली के खेत की पैमाइश कराई गई तो खेत में ही सीसी रोड का निर्माण होना निकला। शनिवार को प्रधान ने जब सीसी रोड निर्माण कार्य शुरु किया तो हकीम अली के पुत्रों ने कई लोगों के साथ कार्य रोकने को कहा। इस पर प्रधान और वहां काम कर रहे लोग भिड़ गये। इस दौरान दोनों पक्षों में हाथापाई भी हुई। शाही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनो पक्षों को थाने लाकर शांति भंग में चालान कर दिया। इसके में एक पक्ष के ग्राम प्रधान इमदाद अहमद ,भूरा दूसरे पक्ष के एहसान अली अहमद यार का चालान किया गया है।

Medical Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैने अपना नाम रविन्द्र कुमार खण्डेलवाल (Ravindra Kumar Khandelwal) से बदलकर रमेश चन्द्र खण्डेलवाल (Ramesh Chandra Khandelwal) कर लिया है, भविष्य में, मुझे रमेश चन्द्र खण्डेलवाल नाम से जाना/पहचाना जाए। रमेश चन्द्र खण्डेलवाल पुत्र स्व.श्री राम निवास खण्डेलवाल निवासी- म.नं. 83, हीरो होण्डा वर्कशाप वाली गली, सिविल लाइन्स बरेली (उ.प्र.)

परिचय सम्मेलन
श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी (रजि.) बरेली द्वारा आयोजित अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन दिनांक 17-18 मार्च 2026 शीघ्र पंजीयन करायें। सम्पर्क :- 9897181723, 9412466473, 9927047430, 9412048528, 9927833351, 9927324855

आवश्यकता है
लोहे/स्टील के कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की जिसको लोहा खरीदने, बेचने, बिल बनाने, स्टाक रजिस्टर बनाने का अनुभव हो।
वेतन योग्यतानुसार
श्रीवर्धमान स्टील
निकट आदर्श धर्मकांटा, प्रेम नगर, बरेली
9411011666

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे पति रामबाबू की मृत्यु दि. 13.01.2025 को हो चुकी है। इनके नाम से आवासीय मकान खसरा नं. 196 ग्राम कांधरपुर तह. व जिला बरेली में है। इस संपत्ति पर पीरामल फाइनेंस लि. से लोन चल रहा था जो कि पूरा हो चुका है। इस सम्पत्ति के कागज श्रीमती शिमला देवी पत्नी स्व. रामबाबू को पीरामल फाइनेंस लि. से छुड़ाने हैं। श्रीमती शिमला देवी पत्नी स्व. रामबाबू नि. खसरा नं. 196 ग्राम कांधरपुर, तह. व जिला बरेली

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रंजीत पुत्र सर्वेश कुमार एक आवासीय मकान जो कि खेत नं. 111 व 112 ग्राम मौजमपुर वाहरचुंगी तह. तिलहर जिला शाहजहांपुर रकबा 83.58 वर्गमी. तथा इसका मूल बैनामा जिसके विक्रेता श्रीमती फात्मा पत्नी सरदार हुसैन के द्वारा वीरवती पत्नी खेमकरन के पक्ष में निष्पादित हुआ है जिसका पुस्तक संख्या 1 खण्ड संख्या 3454 के पृष्ठ 1-12 क्रमांक 6669 पर दिनांक 5.11.2008 का मूल बैनामा खो गया है जिसकी एफ.आई.आर. दिनांक 11.02.2026 को करा दी है। सोनू सिंह एड सेवा गृह ऋण लि. 9324585756

आवश्यकता
मनमीत नगर महाविद्यालय, जगदेवपुर भीरा-खीरी को एम.ए. (कला संकाय) सहायक आचार्य 02 पद, (गृह-विज्ञान 01 पद, हिन्दी साहित्य 01 पद एवं बी.एड. शिक्षा संकाय विभागाध्यक्ष 01 पद) (योग्यता व वेतन यू.जी.सी. के मानकानुसार) आवेदन 10 दिन के अन्दर प्रस्तुत करें।
सम्पर्क सूत्र:- 7080844848, 7080223332
ई-मेल- mnmv21@gmail.com

आवश्यकता
मनमीत नगर लॉ कॉलेज जगदेवपुर भीरा-लखीमपुर-खीरी को एल.एल.बी. (विधि संकाय) सहायक आचार्य 05 पद (योग्यता व वेतन यू.जी.सी. के मानकानुसार) आवेदन 10 दिन के अन्दर प्रस्तुत करें।
सम्पर्क सूत्र:- 7080844848, 7080223332
ई-मेल- manmeetnagar37@gmail.com

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 15 फरवरी 2026 www.amritvichar.com

मोबाइल स्क्रीन में उलझता बचपन

मोबाइल अब सुविधा या मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि बच्चों के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन चुका है। अभी हाल ही में गाजियाबाद में हुई एक घटना ने सभी को चौंका दिया। वहां रहने वाली तीन बहनों ने नवी मंजिल से कूद कर सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि उन्हें मोबाइल के लिए मना किया गया था। उन्हें ऑनलाइन गेम खेलने की आदत थी, जिसके चलते उन्हें मोबाइल उपयोग करने से रोका गया था। इसके अलावा जयपुर में भी 14 साल के लड़के ने अपने मां-बाप द्वारा फोन ले लिए जाने पर तकिए से उन पर वार किया और खुद को बाथरूम में लॉक कर लिया, जब उससे ऑनलाइन गेम खेलने के कारण मोबाइल फोन ले लिया गया। कुछ ऐसी ही घटना अहमदाबाद में भी हुई, जब 13 साल की लड़की ने मोबाइल ले लिए जाने पर अपने पेरेंट्स को चोट पहुंचाई। उसे भी सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स खेलने की आदत थी। इस प्रकार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए स्पष्ट है कि मोबाइल फोन चलाने की आदत अब गंभीर रूप लेती जा रही है, जिसका असर शारीरिक-मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इसे यदि समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह आने वाले समय में कैसे भयानक रूप ले सकती है?

डॉ. तान्या दीक्षित
सहायक प्रोफेसर, एसजेएनएम.पीजी कॉलेज, लखनऊ

बीते दिनों मैंने देखा कि एक अस्पताल के बाल मानसिक स्वास्थ्य वार्ड में बैठा 10 साल का बच्चा बार-बार मोबाइल की ओर हाथ बढ़ा रहा है। उसकी आंखों में गुस्सा आ जाता है। वह चिल्लाता है, चीजों को फेंकता है। खुद को चोट पहुंचाने की कोशिश करता है। डॉक्टर बताते हैं कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। हर महीने 15 से 20 बच्चे मोबाइल की लत के कारण हिंसक व्यवहार के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। आजकल बच्चे मोबाइल की स्क्रीन को छोड़कर हटना ही नहीं चाहते हैं। ऐसे में यदि उनसे मोबाइल ले लिया जाता है, तो उन्हें ऐसा महसूस होने लगता है कि उन्हें उनके कंफर्ट जोन से समझौता करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति उन्हें बहुत असहज महसूस कराती है। आज के समय में जहां एक तरफ तकनीकी बदलाव हमारे जीवन को आसान बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ऐसी घटनाएं रोज हमारे सामने एक नई चुनौती लाकर खड़ी कर रही हैं। मोबाइल भी एक प्रकार की डिजिटल डिवाइस है, जिसका प्रयोग किस प्रकार करना है, यह व्यक्ति की बुद्धि और विवेक पर निर्भर करता है।

बच्चों को चिड़चिड़ा बना रही मोबाइल की लत

मोबाइल फोन के कारण बच्चों में आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसका सीधा संबंध एडिक्टिव बिहेवियर से होता है। बच्चे अक्सर मोबाइल का ज्यादा उपयोग करते हुए देखे जाते हैं, क्योंकि यह व्यवहार उन्हें अंदर से बेहतर महसूस कराता है, पर वही मोबाइल यदि उन्हें कुछ सीमित समय के लिए दिया जाता है, तो वह उनमें कुंठा उत्पन्न करने लगता है। ज्यादा समय तक मोबाइल स्क्रीन को देखने के कारण उनका स्टिमुलेशन लेवल बढ़ जाता है और वह सामान्य स्थिति में भी बहुत तीव्र प्रतिक्रिया देने लगता है। इसका असर उनकी नींद की गुणवत्ता पर भी पड़ता है, जो चिंता और अवसाद जैसे लक्षणों को पैदा करता है।

इंस्टेंट ग्रिटिफिकेशन की आदत

- मोबाइल बहुत आसानी से मनोरंजन के लिए सुलभ हो जाने वाला एक माध्यम है। बच्चों को जब इस प्रकार की गतिविधियों को करने से रोका जाता है, तो वह कुंठित हो जाते हैं।

सीमाओं की कमी

- अनेक बार देखा जा सकता है कि माता-पिता के द्वारा यदि स्क्रीन टाइम को सीमित नहीं किया जाता, तो बच्चे घंटों तक मोबाइल फोन पर सक्रिय रहते हैं और वह फोन से दूरी नहीं बना पाते हैं।

मजेदार चीजों से वंचित हो जाने का भाव

- बच्चों के मन में मोबाइल ले लिए जाने पर कई बार मजेदार चीजों से वंचित रह जाने का भाव आता है। उन्हें ऐसा महसूस होता है कि यदि उनसे मोबाइल ले लिया गया, तो वे बहुत सी फनी और मनोरंजक साम्रगी को नहीं देख पाएंगे। यह भाव उनके अंदर और भी ज्यादा गुस्सा और आक्रामकता बढ़ाने का काम करता है।

इमोशनल डिटैचमेंट

- बच्चे जब मोबाइल फोन से ज्यादा जुड़ाव महसूस करते हैं। मोबाइल डिवाइस उनके लिए तनाव से निपटने की एक कॉपिंग मैकेनिज्म की तरह काम करता है, जितनी देर वह मोबाइल चलाते हैं, उतनी देर उनका दिमाग उनकी समस्याओं से हट जाता है, पर वे यह नहीं समझ पाते की मोबाइल चलाने की लत केवल कुछ क्षणों या घंटे के लिए उन्हें सुकून तो दे सकती है, पर उनकी समस्याओं का सटीक और टिकाऊ समाधान नहीं दे सकती।

फियर ऑफ मिसिंग आउट

- बच्चों की मोबाइल पर निर्भरता बढ़ने का एक कारण यह भी है कि बच्चों को ऐसा महसूस होता है कि कहीं वह कोई आवश्यक अपडेट, घटना या खबर को मिस न कर दे। खासकर अपने दोस्तों की, जिसके कारण वे अपना अधिकतर समय मोबाइल पर बिताते हैं।

वैकल्पिक गतिविधियों को बढ़ावा न देना

यह कहना गलत नहीं होगा कि बच्चों के पास करने के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियां हो सकती है, पर उन्हें उसके लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता, जिसके कारण वह मोबाइल डिवाइस से चिपके रहते हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं सृजनात्मकता पर पड़ता है।

पेरेंट-चाइल्ड पावर स्ट्रगल

अनेक बार मां-बाप से बच्चों से मोबाइल फोन वापस लेने की कोशिश करते हैं, तो पैरंट और चाइल्ड में पावर स्ट्रगल शुरू हो जाता है। बच्चे माता-पिता के खिलाफ विद्रोह करने लगते हैं और इन दोनों में परस्पर संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

बच्चों को व्यस्त रखने का आसान तरीका

आजकल पेरेंट्स को व्यस्त रखने के लिए सबसे सरल माध्यम मोबाइल फोन दिखता है। यदि अपने कार्य में व्यस्त हैं और अपने-अपने काम में बिजी हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आगे चलकर बच्चों की मोबाइल फोन चलाने की आदत को छुड़वाना लोहे के चने चबाने जैसा हो जाता है। इसे चाहे मां-बाप की मजबूरी कहें या भूल इसी कारण बच्चों की सृजनात्मक क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

बच्चों के सामने अन्य विकल्प रखना

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि यदि आप बच्चों के किसी बुरी आदत को छुड़ाना चाहते हैं, तो आप उसके आगे एक नई आदत बनाने का विकल्प रखें और अन्य विकल्पों के बारे में भी बताएं कि वह अपने खाली समय को किस प्रकार बेहतर तरीके से उपयोग में ला सकता है। बच्चों को खाली समय में व्यस्त रखने के लिए आप उसे पजल सॉल्व करने, शतरंज खेलने, सुडोकू सॉल्व करने, म्यूजिक और डांस क्लास करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिससे बच्चों की सृजनात्मकता को नए पंख मिलेंगे। वह पहले से अधिक खुश भी रहेंगे और उनके मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पेरेंट्स द्वारा पर्याप्त संवाद की कमी

पेरेंट्स आज के समय में अपने बच्चों के साथ बात करने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। हर बच्चा अपने मां-बाप का अटेंशन चाहता है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण अक्सर मां-बाप ऐसा करने में असमर्थ होते हैं, जिसके कारण बच्चा मोबाइल की दुनिया में खो जाता है।

अन्य अंतर्निहित समस्याएं

कुछ मामलों में अत्यधिक स्क्रीन टाइम या बच्चों की आक्रामक प्रतिक्रियाएं एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं के लक्षण भी हो सकते हैं।

ऐसे में क्या करना चाहिए

दवा और काउंसलिंग की जरूरत

अगर स्थिति नियंत्रण योग्य है, तो साइकोथेरेपी के माध्यम से मोबाइल एडिक्शन को छुड़वाया जा सकता है, पर अगर यह लत बहुत पुरानी है, तो काउंसलिंग के साथ दवा लेना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए मनोवैज्ञानिक के साथ ही एक अच्छे मनोचिकित्सक की सलाह ली जा सकती है।

सीमित करें स्क्रीन टाइम

पेरेंट्स अगर बच्चे के स्क्रीन टाइम को सीमित करना शुरू कर देते हैं, तो बच्चों में मोबाइल को एक निश्चित समय तक उपयोग में लाने की एक अच्छी आदत बननी शुरू हो जाती है। उन्हें पता होता है कि इतने ही समय में मोबाइल से जुड़े हुए अपने सारे काम निपटा लेने हैं। बचे हुए समय में वह अन्य रोचक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। ऐसी जीवनशैली का बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

माता-पिता, स्कूल और समाज की भूमिका

इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बनाने की जरूरत है, क्योंकि देखा जाए तो समस्या के जड़ बच्चों में पनप रहा अकेलापन है। जब पेरेंट्स द्वारा बच्चों को अटेंशन मिलना शुरू होगा, तो निश्चित रूप से उनके व्यवहार में बदलाव आने शुरू हो जाएंगे। उसके साथ ही स्कूल के टीचर्स की जिम्मेदारी भी बहुत बढ़ जाती है। समय-समय पर टीचर्स को चाहिए की बच्चों को डिजिटल डिटॉक्स और मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में कहानी, वर्कशॉप, ड्रामा या छोटे-छोटे सेमिनार के माध्यम से जानकारी दें, जो न केवल उनमें जागरूकता उत्पन्न करेगा, बल्कि उनमें आत्मनियंत्रण का बीज भी बोएगा।

सकारात्मक संवाद

याद रखें बच्चों को डांटकर आप कभी भी सही रास्ते पर नहीं ला सकते। इसके लिए उनके साथ स्वस्थ सकारात्मक संवाद स्थापित करने की जरूरत होती है। पेरेंट्स बच्चों के साथ जब रोज थोड़ा समय बिताने की आदत डालते हैं। उनके मन को टटोलना की कोशिश करते हैं। उनसे भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स की बात मनाना शुरू कर देते हैं। वह उग्र और आक्रामक व्यवहार दिखाने की बजाय उनकी बातों को समझते हैं और मोबाइल से दूरी बनाना उनके लिए आसान हो जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग विकार

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ऑनलाइन गेमिंग विकार को अंतर्राष्ट्रीय रोग की श्रेणी में शामिल किया है। इस विकार से पीड़ित व्यक्ति ऑनलाइन गेम के लिए अपने कार्य एवं रिश्तों को उपेक्षित करने लगता है। बच्चों में ऑनलाइन गेम की आदत कब लत में बदल जाती है लोगों को पता नहीं चलता है। गेमिंग जब दिनचर्या, जीवन के कार्य, व्यवसाय, स्कूल, रिश्ता, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों को गंभीर नुकसान पहुंचाने लगे तथा कम से कम 12 महीने तक गेमिंग का नकारात्मक प्रभाव होने के बाद भी व्यक्ति उसे छोड़ने में सक्षम न हो, तब इसे विकार की श्रेणी में रखा जाता है।

डॉ.मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

हाल ही में भारत सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी I4C ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च (निमहांस) की रिपोर्ट के आधार पर बताया है कि गेमिंग एडिक्शन का मानव मस्तिष्क पर गहरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शोध में यह तथ्य सामने आया है कि गेम बनाने वाली कंपनियां अपने गेम इस प्रकार डिजाइन करती हैं कि खिलाड़ी बार-बार उन्हें खेलने के लिए प्रेरित हों। गेम खेलने के दौरान दिमाग में डोपामिन नामक रासायनिक तत्व का स्राव होता है, जो आनंद की अनुभूति कराता है। यही आनंद धीरे-धीरे खेलते रहने की तीव्र इच्छा में बदल जाता है और समय के साथ यह आदत लत का रूप ले लेती है। ई-गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, भारत में 40 करोड़ से अधिक लोग गेमिंग से जुड़े हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत गेमर्स की आयु 24 वर्ष से कम है। अनुमान लगाया गया है कि इनमें से करीब 15 से 20 प्रतिशत लोग गेमिंग की लत से ग्रस्त हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, निमहांस तथा अन्य संस्थानों द्वारा किए गए अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि विशेष रूप से युवाओं में गेमिंग एडिक्शन के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो युवा प्रतिदिन दो घंटे से अधिक समय गेम खेलने में व्यतीत करते हैं, उनमें इस लत का खतरा अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है।

ये आंकड़े स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि बढ़ते डिजिटल प्रभाव के इस दौर में गेमिंग की लत को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने और समय पर प्रभावी हस्तक्षेप करने की तत्काल आवश्यकता है। यद्यपि सरकार ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने हेतु ऑनलाइन गेमिंग का प्रमोशन व रेगुलेशन बिल बीते साल अगस्त में लाई थी। इस बिल का उद्देश्य ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाना और कुछ अन्य ऑनलाइन गेम्स को बढ़ावा देना व रेगुलेट करना है। फिर भी अभी और अधिक सख्त नियमों तथा सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता महसूस की जाती है। ऑनलाइन गेमिंग विकार को रोकने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। घर में बच्चों की परवरिश इस तरह से की जानी चाहिए ताकि बच्चे ऑनलाइन गेम के दुष्प्रभाव से अवगत हो सके। स्कूल व कॉलेजों में शिक्षक बहुत आवश्यक होने पर ही केवल मोबाइल का उपयोग करें ताकि विद्यार्थी उन्हें देखकर सीख सकें सरकार को चाहिए कि ऑनलाइन गेम पर कढ़ाई से नियंत्रण स्थापित करे। गैर सरकारी संगठनों को इसके बारे में जन सामान्य में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना चाहिए। यदि अभिभावकों व शिक्षक सामान्य उपायों को अपना कर भी ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रण करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हो, तो प्रशिक्षित एवं अनुभवी मनोवैज्ञानिक से परामर्श एवं मनोचिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य होते हैं, जिस गति एवं तीव्रता के साथ मोबाइल लत का प्रसार बच्चों में हो रहा है, उसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो भारत के विकसित राष्ट्र का सपना सपना ही रह जाएगा।

कहीं दोषी हम ही तो नहीं!

इसमें कोई दो मत नहीं है कि मोबाइल गेमिंग बचपन, उनके स्वभाव और उनके भविष्य पर गहरी चोट कर रही है। इसके परिणाम अब कल्पनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हृदयविदारक यथार्थ के रूप में हमारे सामने खड़े हैं। फिर भी, हर बार जब कोई दुखद घटना घटती है, हम बिना आत्ममंथन किए दोषारोपण की वही पुरानी राह चुन लेते हैं- कभी प्रशासन को, कभी तकनीक को, तो कभी सोशल मीडिया को। प्रश्न यह नहीं है कि दोष किसे दिया जाए, बल्कि यह है कि वास्तविक दोषी कौन है? क्या सचमुच कोई मशीन, कोई मोबाइल फोन या कोई गेम स्वयं निर्णय ले सकता है? क्या वह बच्चों के हाथों में अपने आप पहुंच जाता है? या फिर हम दूसरों को दोष देकर स्वयं को सहज और निर्दोष साबित करना चाहते हैं?

सीमा शर्मा 'तमन्ना'
नोएडा

सच तो यह है कि दोष देना आसान है, जिम्मेदारी उठाना नहीं। इस पूरे विमर्श में सबसे असहज प्रश्न हम स्वयं से पूछने से बचते हैं। क्या हम वास्तव में जागरूक और जिम्मेदार माता-पिता हैं? यदि कोई अभिभावक ईमानदारी से अपने भीतर झांके, तो उसे स्वीकार करना होगा कि बच्चों के व्यवहार, उनकी रुचियों और उनकी मानसिक दुनिया से हम धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं। हम उनकी चुप्पी को अनुशासन समझ लेते हैं, स्क्रीन में डूबी उनकी आंखों को आधुनिकता का प्रतीक मान लेते हैं और यह मानकर संतोष कर लेते हैं कि हमारा कर्तव्य केवल भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित है। किंतु क्या पालन-पोषण का अर्थ केवल सुविधा उपलब्ध कराना भर है? वास्तविक रूप से जागरूक अभिभावक वह है, जो अपनी संतान की प्रत्येक प्रतिक्रिया, उसकी हर बेचैनी और उसके बदलते व्यवहार को गंभीरता से लेता है, जो यह समझता है कि बच्चों के लिए समय देना, संवाद करना और सीमाएं तय करना, प्रेम का ही एक रूप है। ऐसा अभिभावक कभी भी यह कहकर निश्चिंत नहीं बैठ सकता कि "सब बच्चे ऐसा ही करते हैं" या "यह आज की पीढ़ी की आदत है।"

दुर्भाग्यवश, हमारे समाज में माता-पिता की एक दूसरी श्रेणी भी तेजी से बढ़ रही है, जहां आधुनिक परिवेश, आधुनिक व्यवहार और आधुनिक खान-पान के साथ स्नेह और विश्वास की परिभाषाएं भी बदल चुकी हैं। यहां मोबाइल बच्चों के हाथों में इसलिए थमा दिया जाता है ताकि वे शांत रहें, प्रश्न न पूछें और माता-पिता को समय की बचत हो सके। यही सुविधा धीरे-धीरे आदत बनती है और आदत एक दिन लत का रूप ले लेती है। आज के इस तथाकथित तकनीकी युग का नशा मानव जीवन पर इस कदर हावी हो गया है कि किसी गंभीर शारीरिक बीमारी का इलाज तो संभव है, किंतु संवेदनहीन होती जा रही मानवीय मानसिकता का उपचार अत्यंत कठिन होता जा रहा है।

इसका परिणाम यह होता है कि हम अनजाने में अपने ही हाथों से अपने बच्चों से उनका बचपन, अपना परिवार, आपसी विश्वास, धैर्य और अंततः अपना मानवीय चरित्र खोते चले जाते हैं। अब भी समय है कि दोषारोपण की सुविधा छोड़कर हम आत्मजवाबदेही का कठिन रास्ता चुनें। क्योंकि यदि आज हमने अपने बच्चों की दुनिया को समझने का प्रयास नहीं किया, तो कल वही दुनिया हमें पूरी तरह अनजान लगने लगेगी।

स्वास्थ्य का स्रोत आयुर्वेदिक जल विज्ञान

आयुर्वेद में जल को जीवन का मूल तत्व माना गया है, क्योंकि बिना जल के शरीर की कोई भी क्रिया संभव नहीं है। मानव शरीर पंचमहाभूतों से निर्मित है, जिनमें जल तत्व का विशेष स्थान है। शरीर की समस्त धातुएं-रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और शुक्र-जल पर ही आश्रित होती हैं। आयुर्वेद यह स्पष्ट करता है कि जल केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि उचित प्रकार से सेवन किया जाए, तो वही जल औषधि का कार्य करता है।

शीतल जल का संतुलित प्रयोग

शीतल जल शरीर को ठंडक प्रदान करता है और पित्त दोष को शांत करता है। गर्मी, जलन, अम्लपित्त और मूत्र विकारों में इसका सेवन लाभकारी होता है। परंतु आयुर्वेद अत्यधिक ठंडे जल से बचने की सलाह देता है, क्योंकि इससे पाचन अग्नि मंद हो जाती है और सर्दी-खांसी जैसे विकार उत्पन्न हो सकते हैं। भोजन के तुरंत बाद ठंडा पानी पीना आयुर्वेद में वर्जित माना गया है।

उबला हुआ ठंडा पानी

उबले हुए पानी को ठंडा करके पीना आयुर्वेद में सुरक्षित और लाभकारी माना गया है। उबालने से जल में उपस्थित हानिकारक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। यह जल विशेष रूप से वर्षा ऋतु, बच्चों, वृद्धों और कमजोर पाचन शक्ति वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त होता है। पेट के संक्रमण, दस्त और अपच में इसका विशेष लाभ देखा जाता है।

अल्प जल

जुकाम, मंदाग्नि, क्षय, मुख में लार आना, उदररोग, कुष्ठ रोग, नेत्रविकार, ज्वर, इन रोगों में रोगी को थोड़ा जल पीना उचित है।

तांबे के बर्तन का पानी (ताम्र जल)

तांबे के पात्र में रात भर रखा गया पानी आयुर्वेद में औषधीय गुणों से युक्त माना गया है। तांबा जल को शुद्ध करता है और उसमें सूक्ष्म खनिज तत्वों का संचार करता है। ताम्र जल पाचन शक्ति बढ़ाने, रक्त शोधन, त्वचा रोगों तथा मोटापा कम करने में सहायक होता है। इसका सेवन सुबह खाली पेट सीमित मात्रा में करना चाहिए।

वर्षा जल और नारियल पानी

प्राचीन ग्रंथों में वर्षा जल को हल्का और सुपाच्य माना गया है, परंतु वर्तमान समय में प्रदूषण के कारण इसके शोधन की आवश्यकता होती है। वहीं नारियल पानी को आयुर्वेद में प्राकृतिक औषधीय पेय माना गया है। यह पित्त दोष को शांत करता है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है और मूत्र विकारों में लाभकारी होता है।

मटके का पानी

मिट्टी के घड़े में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा और संतुलित होता है। यह पित्त दोष को शांत करता है और शरीर को सहज शीतलता प्रदान करता है। ग्रीष्म ऋतु में मटके का पानी आयुर्वेद की दृष्टि से सर्वोत्तम माना गया है। यह पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्धक भी होता है।

सामान्य शुद्ध जल के महत्व

शुद्ध, स्वच्छ, निर्मल तथा गंध-स्वाद से रहित जल को आयुर्वेद में सर्वोत्तम माना गया है। यह जल त्रिदोष को संतुलित बनाए रखता है और शरीर की प्राकृतिक क्रियाओं को सुचारु करता है। नियमित रूप से शुद्ध जल पीने से पाचन शक्ति बनी रहती है, विषैले पदार्थ शरीर से बाहर निकलते हैं और त्वचा में प्राकृतिक कांति आती है। जल सभी प्रकृति के व्यक्तियों के लिए उपयोगी है, बशर्ते इसका सेवन सही मात्रा और सही समय पर किया जाए।

जल सेवन के नियम

आयुर्वेद के अनुसार जल का सेवन ऋतु, दोष और प्रकृति के अनुसार करना चाहिए। अत्यधिक पानी पीना, भोजन के तुरंत बाद ठंडा जल लेना और प्यास न लगने पर बार-बार पानी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। सही जल, सही समय और सही मात्रा ही उत्तम स्वास्थ्य का आधार है।

गुनगुने पानी के लाभ

गुनगुना जल आयुर्वेद में विशेष औषधीय महत्व रखता है। यह पाचन अग्नि को प्रदीप्त करता है और आम दोष को नष्ट करता है। गुनगुना पानी का सेवन करने से गैस, अपच, कब्ज, मोटापा तथा जोड़ों के दर्द में लाभ मिलता है। सर्दी-खांसी और कफजन्य रोगों में भी गुनगुना जल अत्यंत उपयोगी माना गया है। वात और कफ प्रकृति वाले व्यक्तियों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी होता है, जबकि पित्त प्रकृति वालों को इसका सीमित प्रयोग करना चाहिए।

औषधीय जल की आयुर्वेदिक अवधारणा

औषधीय जल वह जल होता है, जिसमें औषधीय द्रव्यों के गुण संचारित कर दिए जाते हैं। इसे आयुर्वेद में "औषध सिद्ध जल" कहा गया है। यह जल रोग, दोष और प्रकृति के अनुसार औषधि का कार्य करता है।

धनिया, जीरा और सौंफ जल

धनिया जल पित्त दोष को शांत करता है और अम्लपित्त, मूत्र जलन तथा त्वचा रोगों में लाभ देता है। जीरा जल पाचन अग्नि को प्रदीप्त करता है और वात-कफ दोष को नियंत्रित करता है। सौंफ जल शीतल और मधुर होने के कारण आंखों की जलन, पेट की गर्मी और मुंह के छालों में उपयोगी माना जाता है।

अजवाइन और त्रिफला जल

अजवाइन जल वात-कफ नाशक होता है और अपच, गैस तथा जोड़ों के दर्द में लाभ देता है। त्रिफला जल त्रिदोष शामक और रसायन गुणों से युक्त होता है। यह कब्ज, आंखों की कमजोरी और त्वचा रोगों में विशेष लाभकारी माना गया है।

तुलसी, गिलोय और नीम जल

तुलसी जल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और सर्दी-खांसी में लाभ देता है। गिलोय जल ज्वर, गठिया और प्रतिरक्षा वृद्धि में सहायक है। नीम जल रक्त शोधन और त्वचा रोगों में उपयोगी माना गया है, परंतु गर्भावस्था में इसका सेवन वर्जित है।

मेथी जल

मेथी जल आयुर्वेद में उष्ण वीर्य और तिक्त-कटु रस वाला माना गया है। यह विशेष रूप से मधुमेह, मेदोविकार और वात-कफ दोष से संबंधित रोगों में उपयोगी है। मेथी जल नियमित रूप से सेवन करने से रक्त में शर्करा का स्तर संतुलित रहता है और इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ती है। इसके अतिरिक्त यह जोड़ो के दर्द, सूजन तथा मांसपेशियों की जकड़न में भी लाभकारी माना गया है। स्तनपान कराने वाली माताओं में मेथी जल दूध की मात्रा बढ़ाने में सहायक होता है। इसका सेवन सामान्यत: सुबह खाली पेट सीमित मात्रा में किया जाता है।

दालचीनी जल

दालचीनी जल को आयुर्वेद में रक्तशोधक, दीपन-पाचन और वात-कफ नाशक माना गया है। यह जल शरीर के रक्त संचार को बेहतर बनाता है और ठंड से होने वाले रोगों में विशेष लाभ देता है। दालचीनी जल का नियमित सेवन मधुमेह नियंत्रण, मोटापा घटाने तथा महिलाओं में हार्मोन असंतुलन जैसे PCOS में सहायक होता है। सर्दी-जुकाम, गले की खराश और कफजन्य खांसी में भी यह उपयोगी सिद्ध होता है। पित्त प्रकृति वाले व्यक्तियों को इसका सीमित सेवन करना चाहिए।

पुदीना जल

पुदीना जल शीतल गुणों से युक्त होता है और पाचन तंत्र पर शीघ्र प्रभाव डालता है। यह मतली, उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द में तत्काल राहत प्रदान करता है। गर्मी के मौसम में पुदीना जल शरीर को ठंडक देता है और थकान को दूर करता है। मुंह की दुर्गंध, अम्लपित्त और गैस की समस्या में भी यह लाभकारी माना गया है। मानसिक तनाव में पुदीना जल मन को शांत करने में सहायक होता है।

अश्वगंधा जल

अश्वगंधा जल को आयुर्वेद में रसायन और बल्य औषधि के रूप में माना गया है। यह शरीर की कमजोरी को दूर करता है और शारीरिक तथा मानसिक शक्ति बढ़ाता है। अश्वगंधा जल तनाव, अनिद्रा, चिंता और थकावट में विशेष रूप से उपयोगी होता है। पुरुषों में यह वीर्यवर्धक तथा महिलाओं में हार्मोन संतुलन में सहायक माना गया है। नियमित सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।

ब्राह्मी जल

ब्राह्मी जल आयुर्वेद में मेद्य रसायन माना गया है, जो मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह स्मरण शक्ति बढ़ाने, एकाग्रता सुधारने और मानसिक थकान को दूर करने में सहायक होता है। विद्यार्थियों, वृद्धों और मानसिक कार्य अधिक करने वाले व्यक्तियों के लिए ब्राह्मी जल विशेष रूप से उपयोगी है। अनिद्रा, चिंता और अवसाद में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

मुलेठी जल

मुलेठी जल मधुर रस और शीत वीर्य वाला होता है। यह गले के रोगों, खांसी, स्वर बैठना और अम्लपित्त में लाभकारी माना गया है। मुलेठी जल पित्त दोष को शांत करता है और फेफड़ों को बल प्रदान करता है। लंबे समय से चल रही खांसी और गले की खराश में इसका नियमित सेवन लाभ देता है। अल्सर और एसिडिटी में भी यह उपयोगी माना गया है।

हरड़ जल

हरड़ जल को आयुर्वेद में पाचन सुधारक और आंव नाशक माना गया है। यह विशेष रूप से कब्ज, अपच और पेट की सफाई के लिए उपयोगी है। हरड़ जल त्रिदोष संतुलन में सहायक होता है और शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। नियमित सेवन से आंतों की क्रिया सुधरती है और भूख बढ़ती है।

अर्जुन छाल जल

अर्जुन छाल जल को हृदय रोगों के लिए आयुर्वेद की श्रेष्ठ औषधि माना गया है। यह हृदय बलवर्धक, रक्तचाप नियंत्रक और कोलेस्ट्रॉल संतुलक होता है। अर्जुन जल नियमित रूप से लेने से हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है। हृदय रोगियों के लिए यह सहायक चिकित्सा के रूप में अत्यंत उपयोगी है।

शतावरी जल

शतावरी जल शीतल, पौष्टिक और रसायन गुणों से युक्त होता है। यह महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। मासिक धर्म की अनियमितता, कमजोरी, हार्मोन असंतुलन और स्तनपान की समस्या में शतावरी जल उपयोगी होता है। यह पित्त दोष को शांत करता है और शरीर को पोषण प्रदान करता है।

आयुर्वेद में जल को औषधि का स्वरूप प्रदान किया गया है। विभिन्न प्रकार के पानी और औषधीय जल का विवेकपूर्ण उपयोग न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि शरीर, मन और इंद्रियों को भी संतुलित रखता है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली का यह सतत प्रयास है कि आयुर्वेदिक जल चिकित्सा के इस सरल और प्रभावी ज्ञान को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

प्रकृति की अनमोल देन वरुण औषधि

हमारे आसपास ऐसी अनेक आयुर्वेदिक औषधियां हैं, जिनका इस्तेमाल जान लेने से आप अपने शरीर को बीमारियों से कोसों दूर रख सकते हैं, इन औषधियों से हमारे शरीर की गंदगी बाहर निकालती है। साथ ही त्वचा संबंधित समस्याएं तेजी से ठीक हो जाती हैं, वरुण के पौधे में कई बीमारियों को दूर करने के गुण होते हैं। वरुण बूटी का स्वाद कसैला और कड़वा होता है, वरुण की तासीर गर्म होती है, जो वात दोष को दूर करने में हमारी मदद करता है। वरुण के इस्तेमाल से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। भारत में इसका इस्तेमाल काफी वर्षों से किया जा रहा है। आयुर्वेद में इसकी पत्तियों, छाल और फूलों का इस्तेमाल किया जाता है।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

किडनी में पथरी की समस्या में लाभप्रद

किडनी और मूत्राशय में पथरी की समस्या को दूर करने में वरुण हमारी मदद कर सकता है। वरुण की छाल का इस्तेमाल करने से मूत्रमार्ग की पथरी को कम किया जा सकता है। अगर नियमित रूप से वरुण की छाल से काढ़ा तैयार करके पिया जाए, तो इससे किडनी की पथरी को बाहर निकाला जा सकता है। यह किडनी की पथरी को मूत्रमार्ग से बाहर करता है। साथ ही बड़े साइज की पथरी को छोटा करने में आपकी मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायक

वरुण पित्त दोष को दूर करने में हमारी मदद करता है। इसके इस्तेमाल से लिवर से जुड़ी परेशानियां दूर कर सकते हैं। इसके अलावा यह हमारे शरीर के अतिरिक्त बिलीरुबिन को शरीर से बाहर निकालने में हमारी मदद करता है। ऐसे में शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बूस्ट होता है, जिससे आपका वजन खुद-ब-खुद कम हो सकता है। मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के लिए आप वरुण के छाल से काढ़ा तैयार करके पी सकते हैं।

फोड़ों को ठीक करने में लाभकारी

शरीर के ऊतकों में मवाद भरने से फोड़े की समस्या होती है। फोड़ा होने से प्रभावित हिस्से में दर्द, सूजन और जलन की परेशानी होती है। इन सभी परेशानियों को दूर करने में वरुण आपकी मदद करता है। वरुण में वात और पित्त दोष को दूर करने का गुण होता है, जो सूजन और मवाद को दूर करने में आपकी मदद करता है। शरीर में होने वाले फोड़े-फुंसी की परेशानी को दूर करने के लिए वरुण की छाल का पाउडर लें। इसमें नारियल का तेल मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे फोड़े-फुंसी की परेशानी दूर होगी।

गाउट की समस्या से राहत

वरुण में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, तो गाउट की समस्या को दूर करने में आपकी मदद करते हैं। वात दोष को दूर करके गाउट की परेशानी को दूर किया जा सकता है। ऐसे में वरुण की तासीर गर्म होती है, जो वात दोष को दूर करता है। परिणामस्वरूप इससे गाउट की समस्या दूर की जा सकती है। इसके अलावा गाउट से ग्रसित लोगों में सूजन और जलन की परेशानी भी कम की जा सकती है। गाउट में होने वाली समस्या को दूर करने के लिए वरुण की छाल में थोड़ा ऑलिव ऑयल मिक्स करके इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे आपकी समस्या दूर हो जाएगी।

भूख न लगने की समस्या से दिलाए छुटकारा

कुछ लोग भूख न लगने की समस्या से परेशान होते हैं, जिसकी वजह से उनका शारीरिक विकास सही तरीके से नहीं हो पाता है। ऐसे में वरुण आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए वरुण के पाउडर को शहद में मिक्स करके इसका सेवन करें। इससे भूख न लगने की परेशानी दूर होगी। साथ ही अन्य समस्याएं भी कंट्रोल में होंगी।

कब्ज को दूर करने में सहायक

कब्ज की परेशानी को दूर करने में वरुण काफी फायदेमंद हो सकता है। वरुण में मौजूद औषधीय गुण मल को आसानी से बाहर निकालने और बाउल मूवमेंट को ठीक करने में हमारी मदद करता है। इसमें मौजूद गुण भोजन को पचाने में आपकी मदद करता है।

कब्ज की परेशानी को दूर करने के लिए वरुण के फूलों से चाय तैयार करके पिया जा सकता है। इससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

चेहरे की झुर्रियां करे कम

वरुण के पौधे में एंटी-एजिंग गुण मौजूद होते हैं, जो स्किन की झुर्रियों को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। इसके इस्तेमाल से ड्राई स्किन और फाइन-लाइन को दूर किया जा सकता है। इससे आपकी स्किन जवां दिखेगी। साथ ही बढ़ती उम्र के लक्षण भी कम होंगे। इसका इस्तेमाल करने के लिए वरुण के छाल के पाउडर में नारियल तेल मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाएं। इससे स्किन के मुंहासे, झुर्रियां और अन्य समस्याएं दूर हो सकती हैं।

किसी भी तरह के घाव को भरने में बेहद कारगर

वरुण के इस्तेमाल से आप किसी भी तरह के घाव को जल्दी भर सकते हैं। इसके लिए आपको वरुण के पाउडर को अपने प्रभावी हिस्से पर लगाना होता है। इससे घाव के सूजन को कम किया जा सकता है। साथ ही स्किन को पुर्नस्थापित भी किया जा सकता है। घाव को भरने के लिए 1/4 टी स्पून वरुण की छाल का पाउडर लें। इसमें नारियल तेल मिक्स करके इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे अपने प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे घाव जल्दी भरेगा।

नोट- ये आलेख जानकारी के लिए है। वरुण बूटी का उपयोग करने से पहले किसी आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष: इस सप्ताह आपके भीतर भरा हुआ आलस्य और जीवन से जुड़ी तमाम तरह की अड़चनें दूर होती हुई नजर आएंगी। सोचे हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण होता हुआ देख आपके भीतर सकारात्मक विचारों और उत्साह में वृद्धि होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपकी रुचि धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यों में बढ़ेगी।

वृष: इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। ऐसे में अपने खान-पान, रहन-सहन और जीवनशैली सही रखें। मौसमी बीमारी के प्रति सतर्क रहें अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं।

मिथुन: यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ा सकती है। आपको अपने शरीर और धन दोनों का खूब ख्याल रखने की आवश्यकता रहेगी।

कर्क: इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता पाने के लिए भाग्य भरोसे बैठने की बजाय कर्म की साख को हिलाना होगा। आप जितना परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतना ही फल प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों संबंध मधुर बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

सिंह: इस सप्ताह जीवन के किसी भी क्षेत्र में अथक परिश्रम और प्रयास करने पर ही मनचाहे फल प्राप्त हो सकेंगे। ऐसे में भाग्य भरोसे बैठने की बजाय सही दिशा में पूरे मनोयोग से कार्य करने का प्रयास करें। आपको अपने करियर और कारोबार में विशेष सावधानी के साथ समय पर काम करने की आवश्यकता बनी रहेगी।

कन्या: इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के प्रारंभ में किसी पुराने रोग के उभरने से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका है। सेहत का प्रभाव आपके कामकाज पर भी देखने को मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज संबंधी मुश्किलें आ सकती हैं।

तुला: यह सप्ताह नौकरीपेशा व्यक्तियों पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम और प्रयास की सराहना न होने और सीनियर की उपेक्षा से आपको हताशा होगी, लेकिन भूलकर भी नकारात्मक विचार लाने से बचें और लोगों के साथ विनम्रता से पेश आएं, क्योंकि आपके जीवन की गाड़ी पटरी पर आती हुई नजर आ सकती है।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपको छोटे-छोटे कार्यों को भी पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत अथवा उससे जुड़ी समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है। इस दौरान खर्च की अधिकता बनी रहेगी, जिससे आपका वित्तीय स्थिति थोड़ी डगमगा सकती है।

धनु: यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सौभाग्य को लिए हुए है। आप जितना अधिक परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतनी अधिक सफलता और उपलब्धि हासिल होगी। आप अपने कार्य एवं जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ करते हुए नजर आएंगे। तकनीक से जुड़े प्रोफेशनल कार्य करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है।

मकर: इस सप्ताह आप अपने कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चनों को लेकर काफी परेशान रह सकते हैं। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में स्वजनों और शुभचिंतकों की मदद समय पर न मिल पाना भी आपकी पीड़ा का कारण बनेगा। अपने कागजी कार्य समय से निपटाने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा उन्हें बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

कुंभ: इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को जल्दबाजी में करने से बचना चाहिए। असमंजस की स्थिति में तो भूलकर भी कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए अन्यथा बाद में पछतावा करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो अपने कार्य को किसी दूसरे व्यक्ति के भरोसे छोड़ने अथवा उसमें लापरवाही करने की भूल नहीं करनी चाहिए।

मीन: यह सप्ताह थोड़ा कम अनुकूल प्रतीत हो रहा है। सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने होंगे अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका बनी रहेगी। यदि आप नौकरीपेशा जातक हैं और आप अपनी नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, तो भूलकर भी क्रोध अथवा भावनाओं में बहकर ऐसा निर्णय न लें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 46

काकुरो 45 का हल

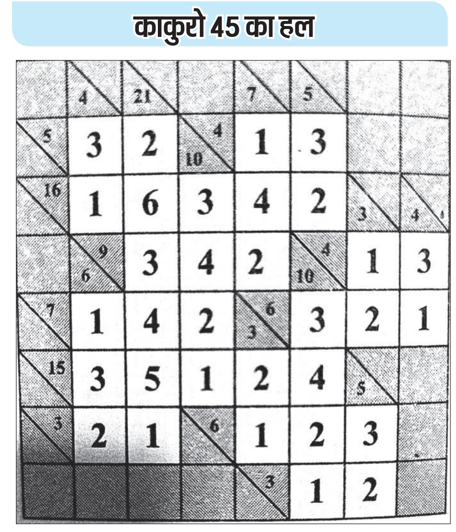

शब्द संसार

संस्मरण

अधूरा ख्वाब

गांव में फौजियों को देखकर विजय के मन में फौज में भर्ती होने का उत्साह बढ़ता जा रहा था, उसके साथ पढ़ने वाले गांव के कुछ लड़के भी फौज में चले गए थे, उसने सोचा कि एक दिन वह भी फौज में एक जबांज अधिकारी बनेगा। घर की आर्थिक तंगी से जूझते हुए विजय, किसी तरह स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने कॉलेज तक तो पहुंचा गया था, लेकिन घर में पैसे की कमी उसके कदम बार-बार रोक रहे थे, कॉलेज घर से लगभग 60 किमी दूर था। विजय के पास दो विकल्प थे कि वह या तो कॉलेज के पास जाकर किराए पर कमरा लेकर पढ़ाई करे या रोजाना घर से कॉलेज का सफर तय करे, दोनों ही विकल्प नामुमकिन लग रहे थे, पिता दिहाड़ी मजदूर थे, जितना कमाते थे उसी से शाम का चूल्हा जलता था। पिता ने विजय को समझाया कि बेटा तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, तुम पढ़ लोगे तो न जाने कितनी पीढ़ियां सुधर जाएंगी, घर के हालात सुधार जाएंगे, शिक्षा प्राप्त कर लोगे तो गरीबी से मुक्ति मिल जाएगी, पढ़ लोगे तो समाज में बदलाव ला सकते हो, नहीं तो मेरी तरह जिंदगी भर दिहाड़ी पर मजदूरी करते रहोगे, मैं तुम्हें पैसे की कमी नहीं होने होने दूंगा, बस तुम पढ़ाई मत छोड़ो, इसे जारी रखो, तुम इस खानदान के पहले बच्चे हो, जिसने स्कूल देखा है।

डॉ . बीपी सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

पिता की कही बात विजय को समझ आ गई और विजय ने कॉलेज में दाखिला ले लिया। विजय ने, अपने एक सीनियर, जिनका नाम ब्रहमपाल था, से मिलकर कॉलेज से लगभग चार किमी दूर चार सौ रूपये प्रति माह किराए पर एक कमरा ले लिया। कमरे का किराया दो लोगों मे बंटकर सस्ता हो गया और इस प्रकार किराए के उस कमरे में बगैर कुर्सी-मेज के विजय अपनी पढ़ाई मे जी-जान से ऐसे जुट गया, जैसे उसे बहुत बड़ा इतिहास बदलना हो। कॉलेज में हॉस्टल तो था, लेकिन वह सभी को नहीं मिलता था, हॉस्टल में रह रहे छात्र प्रभावशाली परिवारों से थे, इसलिए विजय ने हॉस्टल में कमरा लेने की कोशिश भी कभी नहीं की। किराए के कमरे में साथ रह रहे सीनियर ब्रहमपाल के बड़े भाई फायर ब्रिगेड़ विभाग, नई दिल्ली मे नौकरी करते थे, ब्रहमपाल ने विजय को बताया कि 26 जनवरी को नई दिल्ली मे गणतंत्र दिवस की परेड है और उसे देखने के लिए बड़े भाई से एंट्री-पास मिल जाएगा, तुम चलोगे क्या? और आगे यह भी कह दिया कि दिल्ली मे रहने के लिए कोई परेशानी नहीं है, भाई का सरकारी घर है, आने-जाने का किराया भी बड़े भाई दे देंगे, चिंता मत करो, बस तुम चलो। इतना सुनकर, विजय तैयार हो गया। विजय, पहली बार दिल्ली आया था और गणतंत्र दिवस की परेड को देखने का यह पहला सुनहरा अवसर था, जो उसे अपने सीनियर ब्रहमपाल के कारण मिला। गणतंत्र दिवस पर एनसीसी कैडेट्स की परेड़ देखकर विजय इतना प्रभावित हुआ कि वापस लौटकर उसने अपने कॉलेज मे एनसीसी जॉइन कर ली। कॉलेज मे जब भी एनसीसी की परेड होती, वह एनसीसी की यूनीफोर्म पहनकर, गणतंत्र दिवस की परेड की तरह पूरे जोश और जज्बे के साथ परेड और ड्रिल करता। विजय का चलना-फिरना, बात करना बिल्कुल एक आर्मी ऑफिसर की तरह लगने लगा, अपनी उस एनसीसी की खाकी रंग की यूनीफॉर्म से वह बहुत प्यार करने लगा, उसकी यूनीफॉर्म हमेशा क्लफ और प्रैस से चमकते थे और उसके जूते और बेल्ट काले रंग की पॉलिश से। जब भी विजय ड्रिल करता, जमीन में उसके जूते की चोट से गड्ढा हो जाया करता था, एनसीसी के शिविर में उसे पता चला कि राइफल और मशीन गन से उसका निशाना भी बिल्कुल सटीक है। एक बार विजय एनसीसी की यूनीफॉर्म पहनकर अपने गांव आया तो मां भी देखकर हैरान हो गई और बोली कि "तू फौज मे चला गया और हमें बताया भी नहीं", खैर विजय ने मां को समझाया कि यह एनसीसी कि वर्दी है मां और इसी वर्दी से वह फौज में जाएगा। इस तरह, एनसीसी के कैंप और बटालियन में विजय की एक अच्छे कैडेट के रूप मे पहचान होती चली गई। एक दिन कॉलेज मे परेड करते-करते बहुत देर हो गई, तो विजय को इतनी भूख लगी कि परेड के बाद दिए गए केलों को वह छिलके समेत खा गया।

कुछ दिन बाद कॉलेज मे एनसीसी के बी प्रमाण पत्र की परीक्षा आ गई और बटालियन से परीक्षा लेने आए ग्रुप कमांडर ने कॉलेज में एनसीसीके प्राध्यापक को बताया कि आपके कॉलेज में एनसीसी के दो कैडेट्स बहुत बेहतरीन है, इनकी ड्रिल भी शानदार है, एक विजय और दूसरा संजय, इन दोनों को गणतंत्र दिवस की परेड के लगने वाले कैंप के चयन में भेजना होगा, इन दोनों का चयन हो सकता है और कैंप हेतु इनका चयन एनसीसी बटालियन में ही आयोगित किया जायेगा। संजय, एक संपन्न परिवार से था, उसके पिता भी शुगर मिल में नौकरी करते थे। अगले दिन यह खबर एनसीसी प्राध्यापक ने पूरी क्लास को बता दी और धीरे-धीरे यह बात पूरे कॉलेज में फैल गई थी कि कॉलेज के दो छात्र गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप में चयन हेतु जाएंगे। यह सुनकर, विजय बहुत खुश था, वह आत्मविश्वास से भरपूर था कि वह अपनी कड़ी मेहनत से इस चयन परीक्षा में सफल हो जाएगा, फिर आर.डी. कैंप में और उसके बाद सीधे राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में। कुछ दिन बाद, वार्षिक परीक्षा होने के बाद कॉलेज की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां पड़ गई, विजय अपने गांव आ गया और मां को पूरी बात बता दी कि, मां, मैं गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप के चयन के लिए जाऊंगा और तुम मुझे 26 जनवरी की परेड में पड़ोस मे जाकर टेलिविजन पर देखना, मां बहुत खुश हुई, पूरा परिवार खुश था कि उनका बेटा टी.वी. पर दिखाई देगा। गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप हेतु चयन भी इन्हीं ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में एनसीसी बटालियन स्तर पर होना था, जिसकी दूरी गांव से लगभग 40 किमी. थी। लगभग 10 दिन बाद, विजय एनसीसी बटालियन चला गया यह पता करने के लिए कि चयन हेतु परीक्षा किस तिथि को है, वहां के एनसीसी उस्ताद ने बताया कि तिथि कि जानकारी आपके कॉलेज में एनसीसी के प्राध्यापक को भेज दी जाएगी, आप उनके संपर्क मे रहो"। चंद दिनों बाद, विजय एनसीसी के प्राध्यापक के घर पर मिलने पहुंच गया ताकि चयन परीक्षा की तारीख का पता चल सके, प्राध्यापक ने बताया कि अभी तक बटालियन से कोई सूचना नहीं आई है। इतनी जानकारी लेकर विजय अपने गांव वापस लौट आया, क्योंकि कॉलेज बंद थे, उन दिनों। हर पांचवे-छठे दिन विजय अपने प्राध्यापक के घर पहुंच जाता, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाती। उन दिनों न तो प्राध्यापक के पास कोई टेलीफोन था और न ही विजय के गांव में। प्राध्यापक का घर कॉलेज के नजदीक था और विजय को इस तरह रोजाना सौ किमी से अधिक का सफर तांगे और बस से तय करना पड़ता था, जिसमें पिता के दिए पैसे भी किराए में खर्च हो जाते थे, उस समय पिता की दिहाड़ी मजदूरी थी लगभग अस्सी रुपये और सफर में खर्च हो जाते थे लगभग चालीस रुपये, जिसमें लगभग बीस किमी का सफर बगैर किराए के तय हो जाता था। बस का ड्राइवर, विजय को स्टूडेंट मानकर कोई किराया नहीं लेता था। विजय का यह सिलसिला चलता रहा, वह बार-बार प्राध्यापक से मिलने आए और बगैर किसी जानकारी के अपने गांव वापस चला जाए। विजय, जब भी प्राध्यापक से मिलने आता, मां उसे दो रोटी रुमाल मे बांधकर देती थी, जब भी बस स्टैंड आता, विजय रोटी खा लिया करता और रोडवेज बस स्टैंड के नल से पानी पी लिया करता।

बहुत दिन बाद अचानक, विजय के मन में आया कि एक बार फिर से बटालियन जाकर चयन परीक्षा की तिथि पता की जाए, बटालियन का ऑफिस कॉलेज से बीस किलोमीटर पहले ही पड़ता था। बटालियन में पहुंचकर एनसीसी के उस्ताद ने दूर से ही पहचानकर अपने पास बुलाया कि विजय यहां आओ, पास में जाते ही उस्ताद ने तुरंत पूछा कि तुम चयन परीक्षा में क्यों नहीं आए? विजय ने घबराकर कहा, परीक्षा? कब हो गई? उस्ताद जी, छह दिन पहले ही तो प्राध्यापक से मिला था मैं, उन्होंने तो मुझे नहीं बताया? उस्ताद ने बताया कि परीक्षा कल थी और तुम्हारे कॉलेज से संजय नाम का कैडेट भी आया था। विजय यह सुनकर पास में पड़ी बैंच पर हताश होकर बैठ गया जैसे उसका सब कुछ छिन गया हो, उस्ताद ने विजय को पीने के लिए पानी दिया, पानी पीकर विजय ने उस्ताद से पूछा कि क्या संजय का चयन हुआ? उस्ताद ने कहा, नहीं, वह तुमसे अच्छा कैडेट नहीं था, फिर थोड़ी देर बाद विजय बस पकड़ कर अपने गांव वापस आ गया। दिन छिपने को था, जैसे ही शाम को विजय घर पहुंचा, मां को उसका चेहरा पढ़ते देर नहीं लगी, आखिरकार पूछ ही लिया कि क्या हुआ? तुम्हारा मुंह क्यों लटक हुआ है? इतना उदास क्यों है? चयन परीक्षा कब है? मां के तमाम सवाल थे, लेकिन विजय चुप था, किसी तरह का कोई जवाब नहीं था उसके पास।

थोड़ी देर शांत रहने के बाद, विजय ने मां को बताया कि प्राध्यापक ने उसे जानकारी नहीं दी, कल चयन परीक्षा थी, मैं उसमें हिस्सा नहीं ले पाया, मेरा ख्वाब अधूरा रह गया, मां। इतना सुनकर पूरे घर में सन्नाटा छा गया, जिस खुशी की आस मे सब थे, वह गम में बदल गई। मां ने कहा, बेटा, मन छोटा न कर, एक अवसर ही तो हाथ से छूटा है, जिंदगी थोड़ा ही छूटी है, मेहनत कर बेटा, तेरी जिंदगी में शायद कुछ बड़ा लिखा है। समय बीतता गया, मां का कहा सच हुआ, आगे चलकर विजय एक बड़ा अधिकारी तो बन गया लेकिन गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल न होने की कसक उसे जिंदगी भर परेशान करती रही, रह-रहकर उसे उस प्राध्यापक का चेहरा याद आता रहा, जिसने विजय के मंसूबों पर पानी फेर दिया था।

काव्य

अस्तित्व

एक दूजे के बिना
अधूरा है अस्तित्व
सत्य को तुम मानो
न मानो ये है निजत्व

लाठी एक दूजे की
क्यों ये स्वीकार नहीं करते
बेटा हो या बेटी तुम्हारे
नखरे नहीं सह सकते।

जब तक साथ रहते
परवाह नहीं करते
अकेला हो जब एक
तो सोच में डूबा करते

जीते जी परवाह नहीं
दुश्मन सा व्यवहार करते
बिछुड़ने के बाद वही
याद रात दिन करते

वर्षा वार्ष्णेय
कवयित्री, अलीगढ़

मौसम गुलाब का

ख्वाहिश नई जगा रहा मौसम
गुलाब का
दिल के करीब आ रहा मौसम
गुलाब का

पल में नजर उठा रहा, पल में
झुका रहा
जैसे मुझे बुला रहा मौसम
गुलाब का

होंठों पे कांपते हुए मनुहार के
वो बोल
दुनिया नई दिखा रहा मौसम
गुलाब का

बासंती-बेला और ये
मदमस्त-सी हवा
ख़ुशबू-सा दिल पे छा रहा
मौसम गुलाब का

जी भर के करना चाहता बातें
वो रूह से
पर जाने क्यों लजा रहा मौसम
गुलाब का

जाने ये क्या हुआ कि हुआ
बावरा-सा मन
जादू कोई चला रहा मौसम
गुलाब का

दिन हो रहा गुलाब-सा रातें
गुलाब-सी
क्या-क्या गजब ये ढा रहा
मौसम गुलाब का

डॉ . सीमा विजयवर्गीय
स्वतंत्र लेखिका

जिंदगी

ज्यों ऐश-ट्रे में झड़ रही
सिगरेट और सीमित कश
हमारे वास्ते दो-चार।

शक्ल से बेशक्ल
होती जा रही उम्मीद।
कोशिशों के बाद भी
आती नहीं है नींद।

क्लर्क के तो वास्ते
पे-डेट ही त्योहार।
अल्प वेतन और
खर्चों का बड़ा अंबार।

जिंदगी- ज्यों भीड़ में हो कट
गई पॉकेट, ट्रेन चल दे और
पहचान जाए पॉकेटमार।

जिंदगी- ज्यों सर्र से गुजरा
कोई रॉकेट, दें न पाएं कल्पना
को हम कोई आधार।

देखकर सिग्नल हरी बत्ती
समय कम सोच।
चाहते थे क्रॉस करना सड़क
आई मोच।

जिंदगी - ज्यों सुंदरी के गले
में लॉकेट,
लूटने की नियत से देखे कोई
लाचार।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

लघुकथा

कैसा ज़माना

मीनू जी का कुछ ही समय पूर्व घुटनों का प्रत्यारोपण हुआ था, उन्होंने घुटनों के दर्द से तो निजात पा ली थी, मगर भारी-भारी दवाइयों का असर और खून की कमी के कारण जी हल्का रहा था।उनके मन में अवसाद सा हो रहा था , अकेलेपन से मन और भी विचिलित हो जाता है। यही सोच वह कुछ दिनों के लिए अपने बेटे-बहु के पास रहने दिल्ली चली गई। बेटे-बहु व अपने ६ वर्षीय पोते दक्ष से मिलकर उनमे फिर से खुशी की लहर दौड़ गई, जीवन में नवस्फूर्ति सी आ गई। उदासीनता का तो नामोनिशां ही न बचा। वे पोते दक्ष के खूब लाड़ लड़ाती, कभी उसके के लिए भरवा पुरिया बनाती, कभी कोई मिष्ठान। अब तो अक्सर ही उनकी रसोई से तरह-तरह के पकवानों की सुगंध आती रहती। दक्ष बड़े चाव से ये सब खाता। जब दक्ष खेल कर आता तो वह उसे मखाना खीर खिलाती, जो स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक भी होती। यूं तो उनका शरीर थक जाता, परंतु बच्चे के लाड़ -प्यार के कारण उनका मन न थकता। सब कुछ हंसी-खुशी चल ही रहा था कि बहु ने एक दिन मुंह बिठका कर कहा, "मम्मी जी, इस बार तो आप आ गईं, मगर आगे से दक्ष के शेड्यूल के हिसाब से ही प्रोग्राम बनाया करें। आपके आने से तो इसका पूरा रूटीन ही बिगड़ा जा रहा है। होमवर्क व पढ़ाई का सारा टाइमटेबल बिगड़ गया है और पूरे दिन तरह-तरह के व्यंजन खाने से इसकी सेहत खराब हो रहीं हैं, इसका वजन बढ़ रहा है, ये आपके लाड़-प्यार के कारण अनुसाशनहीन होता जा है।"

श्रुति सुकुमार
लेखिका, बरेली

यह सुनकर मीनू जी आवाक रह गईं कि यह बहू क्या कह रही है? उनको बहुत दुःख हुआ, आखों में आंसू आ गए। उन्होंने दुखी मन से बेटे कि ओर देखा , पर वह भी नजरे झुकाए बुत बनकर खड़ा रहा, जैसे सही- गलत का निर्णय ही न ले पा रहा हो, क्योंकि उसे पता था कि अगर वह अपनी पत्नी के खिलाफ कुछ भी बोलेगा तो वह क्लेश करेगी और घर कि शांति भंग हो जाएगी। मीनू जी ने अगले ही दिन वापसी का टिकट करा लिया। 4-5 दिन बाद मीनू जी को पता चला कि बहु के मम्मी-पापा उसके घर आए हैं। मीनू जी के मन में कांटा तो चुभा ही था, सो उन्होंने फोन पर ही कह दिया, "तुम्हारे मम्मी-पापा आए हैं, तो क्या दक्ष का शेड्यूल अब नहीं बिगड़ रहा?" बहु ने टप्प से जवाब दिया ," मम्मी जी, मेरे मां -पापा तो खुद ही काफी अनुशासित हैं, उनके साथ रहकर दक्ष में अनुशासन बढ़ेगा। साथ ही मेरी मां आपकी कि तरह रसोई में खड़े होकर समय नहीं जाया करती है, बल्कि वह दक्ष को रनिंग के लिए ले जाती हैं, साइकिल चलवाती हैं।" मीनू जी उसे सन्न सी सुनती रह गईं। उन्होंने सोचा आजकल कि बहुएं कितनी मुंहफट और स्वार्थी हो गईं हैं। उन्हें अपनी निजी जिंदगी के अलावा किसी से कोई लेना-देना नहीं है। रिश्तों की पदवी की तो कोई इज्जत ही नहीं रही, उसकी तो धज्जिया उड़ाई जा रहीं हैं । उन्हें रिश्तो का कोई महत्व ही नहीं रह गया है। वह सोचने लगी कि वह तो आज तक अपनी सॉस के आगे मुंह तक न खोल पायी और सदैव ही उनकी इज्जत करती रही ओह! कैसा ज़माना आ गया. "1 इस दुख भरी टीस के साथ वह अपने भगवान को याद करती हुईं,'मेरे तो कान्हा जी ही हैं", यह बुदबूदाती हुईं मंदिर की ओर जाने लगी।

सपना

गर्मियों की लंबी-लंबी रातें न जाने करवट बदलते हुए कब आंखों ही आंखों में बीत जाती है, परंतु सर्दियों के रात में जैसे ही रजाई में दुबके गहरी नींद और फिर उसके बाद सपनों का आना लाजमी है। कई बार सपने में कुछ अनचाहे लोग भी मुंह उठाए चले आते हैं और जब हम नींद से जागते हैं, तो हमें अपने आप में ही चिढ़ होने लगती है कि हम सोए ही क्यों? न हम सोते और न ही हमें अनचाहे लोगों की सूरत देखनी पड़ती और कई बार वे लोग सपने में ऐसे कांड कर जाते हैं, जो वह हकीकत में करने की हिम्मत नहीं रखते।

ममता सोनी
नई दिल्ली

ऐसे ही कल सपने में दूबे जी आ गए। हमने कुछ दिन पहले उन पर एक कविता लिख दी थी बस यही हमारा कसूर था। सपने में दुबे जी की आंखें लाल थी और वह इस कविता पर अत्यधिक क्रोधित थे। दुबे जी ने हमारा अपहरण कर लिया और एक कमरे में कैद कर दिया। उनका ऐसा खतरनाक रूप देखकर हम जैसी झांसी की रानी भी डर गई। हमें समझ नहीं आया कि अब क्या होगा। दूबे जी क्या करेंगे?

क्या हमें मार तो नहीं डालेंगे। हम मन ही मन अपनी बेबाक लेखनी पर पछताने लगे। हमने उनकी कैद से दो बार भागने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें एक पहाड़ी इलाके के एक मकान में रख छोड़ा, जहां उनकी सखियों में से एक सखी हमारे ऊपर नजर बनाए हुए थी, लेकिन हम भी बचपन के भगोड़े थे। स्कूल और कॉलेज के चौकीदार की नजरों से बचकर सहेलियों के साथ मार्केट जाना हमारे बाएं हाथ का खेल था। हमारी कल काम आई और हम दूबे जी की कैद से छूट कर तेज भागने लगे? हालांकि उनकी सहेली हमारे पीछे दौड़ी, लेकिन हमें पकड़ न पाई। दूर जाकर एक सुनसान इलाके में हमने राहत की सांस ली और कानों को हाथ लगाया कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति पर व्यंग्य नहीं लिखेंगे। क्योंकि सपने में आकर भी वह व्यक्ति आपकी खबर ले सकता है और कुछ पल के लिए आपके माथे पर पसीना ला सकता है।

काल विभाजन का नया प्रयोग

समीक्षा

साहित्यकार डॉ. सुशील कुमार फुल्ल की यह नवीन कृति हिमाचल के हिन्दी साहित्य इतिहास को वैज्ञानिक और व्यवस्थित दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। साहित्य की विविध विधाओं में पचहत्तर से अधिक पुस्तकों के लेखक डॉ. फुल्ल इससे पूर्व 1980 में "हिमाचल का हिन्दी साहित्य का इतिहास" प्रकाशित कर चुके हैं, किंतु यह पुस्तक अपने व्यापक फलक, नवीन काल-विभाजन और तथ्यपरक प्रस्तुति के कारण विशिष्ट स्थान रखती है। पुस्तक के आरंभ में लेखक ने साहित्य-इतिहास लेखन की प्रासंगिकता और आवश्यकता पर गंभीर विचार किया है। वे संपादित साहित्य-इतिहासों में व्याप्त कुछ कमियों की ओर संकेत करते हुए यह स्पष्ट करते हैं कि हिन्दी साहित्य के अखंड इतिहास की रचना जितनी दुष्कर है, उतना ही प्रादेशिक साहित्य इतिहास लेखन भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके बावजूद प्रादेशिक हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन और प्रदेश स्तर पर केन्द्रीय पुस्तकालयों की स्थापना को वे हिन्दी साहित्य इतिहास की दिशा में मील का पत्थर मानते हैं। इस कृति की सबसे उल्लेखनीय विशेषता हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन का नया प्रयोग है।

पुस्तक - हिमाचल का हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखक - डॉक्टर सुशील कुमार फुल्ल
प्रकाशक- इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन दिल्ली
मूल्य-1495 .00
समीक्षक-रविकुमार

लेखक ने साहित्य को आदिकाल (1675–1900), मध्यवर्ती काल (1900–1947), आधुनिक काल (1947–2000) और उत्तर-आधुनिक काल (2001 से आगे) में विभाजित किया है। हिमाचल के प्रथम आदिकवि के रूप में चरपट नाथ को स्वीकार करते हुए कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना, निबंध, बाल साहित्य, व्यंग्य, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत और संस्मरण जैसी विधाओं में रचनाकारों का विस्तृत एवं समीक्षात्मक परिचय प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही हिमाचल से प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं का प्रामाणिक विवरण पुस्तक को संदर्भ-ग्रंथ का स्वरूप प्रदान करता है। 2023 में प्रकाशित प्रथम संस्करण में छूटे रचनाकारों को आगामी संस्करण में परिशिष्ट के रूप में शामिल करने की योजना पुस्तक की गंभीरता और लेखक के श्रम को रेखांकित करती है। दुर्लभ और प्रामाणिक जानकारियों से समृद्ध यह कृति हिन्दी साहित्य प्रेमियों, शोधार्थियों, प्रतियोगी परीक्षार्थियों और सामान्य पाठकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं संग्रहणीय सिद्ध होती है।

व्यंग्य

बसंत, तूने बड़ो सतायो रे!

वैसे तो बसंत ऋतुओं का वह कलाकार है, जिसने हर किसी के दिल में अलग-अलग रंग भरे हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि बसंत आना जितना प्रकृति के लिए आनंददायक होता है, उतना ही कई लोगों के लिए परेशानी का भी सबब बन जाता है। तेरे आने से इंसान न केवल मौसम की रौनक का आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी अंधी उम्मीदों और धोखों में भी डूब जाते हैं। बसंत, तूने वाकई "बड़ो सतायो रे"!

वीना सिंह
व्यंग्यकार

बसंत, तेरे चक्कर में सबसे ज्यादा कवि बेचारे परेशान रहते हैं। वे हर साल बसंत पर कविताएं लिख-लिखकर थक गए हैं, वही कोपलें फूटी, सर्दी गई, प्रेम जागा, जैसे घिसे-पिटे शब्दों का दोहराव करते-करते उनके दिमाग की चूलें हिल गई हैं। कहां से लाएं हर साल नए शब्द नए विषय। कवियों को नया कुछ सूझ नहीं रहा है, इसीलिए कविताओं का स्तर गिरता जा रहा है। पाठक वर्ग असंतुष्ट है, एक ही ढर्रे की कविताएं पढ़कर बोर हो चुका है और कवियों की कलम आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रही है। लोगों के दिलों में प्रेम भरने में असमर्थ हो रही है। अब वे यही सोचते हैं, "अरे बसंत, तू इतना इतना क्यों आता है हर साल? एक बार तू छुट्टी ले ले, तो हम भी चैन की सांस ले लें।"

बसंत, तूने प्रेमियों को तो बहुत ही भ्रमित किया है। बसंत का नाम सुनते ही प्रेमियों का जोश कुछ अलग ही उछाल मारता है। हर पार्क, हर गार्डन में इन्हें "प्यार का मौसम" मनाना होता है। इन्हें हर जगह प्यार ही प्यार नजर आता है और यह तुम पर बहुत भरोसा करता है कि बसंत की तरह हमारा प्यार हमेशा खिला-खिला रहेगा। उन्हें लगता है कि बसंत में हमारा प्यार अमर हो जाएगा, लेकिन बसंत मन ही मन मुस्कराता है, भाई, मैं फूल खिलाने आया हूं, तुम्हारे रिश्तों की गारंटी देने नहीं। प्यार में डूबे प्रेमी बसंत की चेतावनी कहां समझ पाते हैं?

बसंत, तुझपे बागवानी प्रेमी भी बहुत झुंझलाते हैं। तेरे आते ही तरह-तरह की फालतू की हरियाली उग आती है, अब घर के बगीचे की घास काटो, फूलों को पानी दो और ऊपर से माली के खर्चे अलग झेलो। पर तुम्हें इससे क्या, तुम्हें तो बस खिलने से मतलब।

ऐ बसंत, शहर के लोगों को तो तू ताजी हवा और हरियाली का आश्वासन देता है। क्योंकि प्रदूषण की चादर में लिपटी ये ताजगी असल में नकली ही साबित होती है। शहर वालों ने तो असली ताजगी की उम्मीद ही छोड़ दी।

ऐ बसंत, ठंड पसंद करने वाले भी तुमसे खफा रहते हैं। तुम्हारे आते ही उन्हें रजाइयों से मोह छोड़ना पड़ता है। उनकी शिकायत है, "अरे बसंत, क्यों आता है, मुझे तो सर्दी ही भाती है और तुम मजे से कह देते हो कि सर्दी का मजा ले चुके हो, अब हमारी बारी है। सबसे ज्यादा तो तूने एलर्जी वालों को सताया है। फूल खिलते नहीं कि छींकने की प्रतियोगिता शुरू हो जाती है। डॉक्टर लाइन में खड़े ये सोचते हैं कि "अरे बसंत, तू क्यों हर साल हमारी नाक और आंख का खेल खराब करता है?" और तुम हो कि प्रकृति का नियम निभाने से बाज नहीं आते हो। ऐ बसंत, यह सच है कि तुम्हें देखते ही सर्दी भागने लगती है, जिससे हम महिलाओं की बहुत सी परेशानियां बढ़ जाती हैं। सर्दियों में बालों कंघी करो चाहें न करो, टोपी स्मार्ट बनाए रहती है। पैर चाहें जितने गंदे रखो, मोजे लाज बचाए रहते हैं। कपड़े चाहे गठरी से निकालकर पहने लो, ऊपर से पहना जॉकेट सब छुपाए रहता है। अब क्या-क्या गिनाएं, ऐ बसंत, तुम हम आलसी महिलाओं की आराम हर लेते हो। सबको काम पर लगा देते हो।

ऐ बसंत, राजनेता भी तुम्हारे नाम का खूब सहारा लेते हैं, हर नेता कहता है, "हम बसंत जैसा बदलाव लाएंगे।" मानों तेरे साथ कोई जादुई औषधि बह रही हो, जो कि विकास ही विकास बिखेर देगी, लेकिन चुनाव बाद जैसे तेरे फूल मुरझा जाते हैं, जनता को ठंडी सच्चाई का सामना करना पड़ जाता है। जनता तेरे नाम पर ठगी जाती है और तुम हो कि तपाक से कह देते हो, "अरे मुझ पर झूठे वादों का ठप्पा क्यों लगाते हो, मेरा तो आना-जाना तय है, पर तुम्हारे वादे तो हवा में उड़ते हैं।"

बसंत, किसान भी तेरे चक्कर में फंसे रहते हैं, कभी-कभी बहुत नुकसान उठाते हैं। वे कहते हैं, ऐ बसंत, तू फसल लाने का वादा तो करता है, लेकिन साथ में ओले और बारिश क्यों लाता है। खेतों में हरे-भरे अनाज को तू मिट्टी में मिला देता है। तू अच्छा करने के चक्कर में इतना बुरा क्यों कर ड़ालता है? किसान बेचारा आसमान की तरफ देखकर कहता है, बसंत आया था, तबाही देकर चला गया। बसंत, तूने सच में सबको बहुत सताया रे, लेकिन यह भी सच्चाई है कि बसंत का असली दर्द इंसानों की अनदेखी और खुदगर्जी में छुपा है। मुझे पता है कि तूने सबको सताया नहीं, बस आईना दिखाया है।

स्नेह की लचीली परिभाषा

पति-पत्नी का रिश्ता मां या पिता से कम नहीं

राहुल और प्रिया 10 साल से शादीशुदा हैं। राहुल के ऑफिस के तनाव और थकान के बीच, प्रिया चुपचाप उसके लिए चाय बनाती है, उसे सुनती है और कभी-कभी उसका पसंदीदा गाना बजा देती है। कभी वह सखी बनती है, कभी मां-सी ममता दिखाती है और कभी केवल साथी बनकर खड़ी रहती है। राहुल जानता है कि मां का स्नेह याद आता है, लेकिन प्रिया का समझदार और स्थिर साथ उसे हर दिन नई ताकत देता है। छोटी-छोटी चीजें ही बनाती हैं उनका रिश्ता गहरा, मजबूत और जीवनभर चलने वाला। अक्सर हम सोचते हैं कि पति या पत्नी में मां या पिता जैसी भूमिका ढूंढना असामान्य है, पर यह पूरी तरह स्वाभाविक है। जीवन के सफर में जरूरत के अनुसार यह तलाश होती है, पर हर समय मां या पिता जैसा लाड और सुरक्षा की उम्मीद रखना सही नहीं। स्नेह का असली स्वरूप समझ, अपनापन और साझेदारी में प्रकट होता है।

मेघा राठी
भोपाल

स्वाभाविक तलाश और संतुलन

यह स्वाभाविक है कि पति कभी-कभी अपनी पत्नी में मां की तलाश करता है। मां का स्नेह नि:स्वार्थ, स्थिर और जीवनदायी होता है। बचपन में हर मुश्किल में हमारी गोद में आराम और सुरक्षा मिलती है। बड़े होते-होते समाज और परिस्थितियां हमें उस आश्रय से अलग कर देती हैं। इस दूरी का एहसास कभी-कभी पति के भीतर छोटे से खालीपन के रूप में जन्म ले लेता है, लेकिन यह खोज हर समय नहीं हो सकती। पति का अपनी पत्नी में मां तलाशना केवल जरूरत के अनुसार ही स्वाभाविक है। हर समय मां की तरह लाड़ और ममता की उम्मीद रखना न केवल असंभव है, बल्कि रिश्ते की प्राकृतिक संरचना के खिलाफ भी है। पत्नी के स्नेह की अपनी सीमाएं और भूमिकाएं होती हैं, जो समझदारी, प्रेम और अपनापन के संतुलन के साथ चलती हैं। यही संतुलन पति-पत्नी के रिश्ते को दीर्घकालीन और मजबूत बनाता है।

पत्नी का स्नेह-मां का समानांतर रूप

- पत्नी के स्नेह को केवल मां की जगह समझना अनुचित होगा, लेकिन इसमें मां के समान गुण होते हैं। वह कभी सखी बन जाती है, जो पति की उलझनों और तनाव को समझकर हल निकालती है, कभी मां-सी ममता दिखाती है, जब पति जीवन के बोझ तले थक जाता है और कभी केवल साथी बनकर उसके भीतर की अधूरी इच्छाओं को दिशा देती है।
- रिश्ते का सौंदर्य इसी लचीलेपन में है। कोई भी व्यक्ति हर समय एक ही भूमिका में स्थिर नहीं रहता। मां और पत्नी के स्नेह में अंतर केवल रूप और दिशा का है, उद्देश्य वही है-पति की भावनाओं को समझना, उसे संबल देना और उसे भीतर से स्वीकार करना।
- पत्नी अपने स्नेह के माध्यम से एक प्रकार की स्थिरता देती है, पर वह हमेशा मां की तरह निःस्वार्थ और बिना शर्त लाड़ नहीं दे सकती। उसकी भी अपनी भावनाएं और सीमाएं होती हैं। यही समझ और आदान-प्रदान, रिश्ते में सामंजस्य बनाए रखता है।

पति का स्नेह-पिता के समानांतर

स्नेह दोतरफा होता है। पति भी केवल पाने वाला नहीं होता। वह अपनी पत्नी के लिए पिता-समान स्नेह में उतर सकता है- उसे सुरक्षा, आत्मबल और स्थिरता देता है। यह स्नेह भी मां की ममता जितना ही कोमल और पवित्र होता है।

पति का स्नेह कभी मार्गदर्शक, कभी सहारा और कभी सुरक्षा का रूप लेता है। यह केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक निवेश होता है। पति और पत्नी दोनों की भावनात्मक जरूरतों का संतुलन, स्नेह के इस परिपक्व स्वरूप को बनाए रखता है।

स्नेह का असली अर्थ-समझ और साझेदारी

स्नेह का कोई एक रूप नहीं होता। यह कभी आंखों की नमी में, कभी मौन के सहारे में, कभी छोटे-छोटे कार्यों में, कभी शब्दों में छिपे धैर्य में प्रकट होता है। मां के स्नेह में निःस्वार्थ भाव होता है, जबकि पति-पत्नी के स्नेह में चेतन समझ और साझेदारी होती है। दोनों एक-दूसरे के भीतर के खालीपन को पूरी तरह नहीं भरते, लेकिन उन्हें समझते और स्वीकार करते हैं। यही समझ और सम्मान रिश्ते को गहराई और स्थायित्व प्रदान करता है। रिश्ते में कभी स्नेह देने वाला, कभी लेने वाला बनता है। कभी पति-पत्नी की भावनाओं का सहारा बनता है, तो कभी पत्नी अपने साथी की जरूरतों को समझकर संतुलन प्रदान करती है। यही साझेदारी रिश्ते को जीवित और समृद्ध बनाती है।

रिश्तों में संतुलन और भूमिका का लचीलापन

- हर रिश्ते में भूमिकाएं स्थायी नहीं होतीं। कभी पति-पत्नी सखा बन जाते हैं, कभी मां-पिता के समान ममता और सुरक्षा देते हैं, तो कभी केवल साथी बनकर खड़े रहते हैं। यही लचीलेपन रिश्ते की सुंदरता है।
- यदि हम हर समय एक ही भूमिका में रहने की उम्मीद रखें, तो वह न केवल असंभव है, बल्कि रिश्ते के लिए भी हानिकारक है। पति-पत्नी के रिश्ते में हर समय मां या पिता बनने की अपेक्षा रखना, रिश्ते को बोझिल और असंतुलित बना सकता है।
- सच्चा स्नेह बराबरी, समझ और साझा जिम्मेदारी में प्रकट होता है। यह केवल पाने या देने का नाम नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भीतर की भावनाओं को समझने और स्वीकारने का नाम है।
- यह कहना कि पति-पत्नी का स्नेह केवल मां या पिता की भूमिका में सीमित है, अधूरा है। स्नेह का उद्देश्य साथ चलना, समझना और कभी एक-दूसरे के भीतर के खालीपन को छूना है। स्नेह केवल पाने का नहीं, बल्कि साझा करने और समझने का नाम है। जीवन के इस साझा सफर में पति-पत्नी दोनों ही एक-दूसरे की ताकत और सहारा बनते हैं। सच्चा स्नेह वही है, जो सीमाओं और भूमिकाओं को समझते हुए, हर परिस्थिति में साथ निभाए।

वेडिंग स्पेशल : खूबसूरती, फैशन और परफेक्ट ब्राइडल लुक

फरवरी का मौसम शादियों के लिए सबसे सुहावना माना जाता है। गुनगुनी ठंडी हवा, खुशनुमा माहौल और उत्सव की रौनक-सब मिलकर शादी को और भी यादगार बना देते हैं। यह मौसम चमक-दमक और शाही अंदाज दिखाने का बेहतरीन अवसर भी होता है। शादी का दिन हर लड़की के लिए बेहद खास होता है और हर दुल्हन इस दिन स्टाइलिश व खूबसूरत दिखना चाहती है। यदि आप भी सर्दियों में विवाह के बंधन में बंधने जा रही हैं और भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो इसके लिए पहले से सही तैयारी जरूरी है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

परिधान

दुल्हन के लिए फैब्रिक का चुनाव बेहद अहम है। वेलवेट, ब्रोकेड, हैवी सिल्क, साटन और क्रेप जैसे आलीशान कपड़े शाही लुक देते हैं। स्लीवलेस के साथ वूलन अस्तर, शॉल या जैकेट पहनकर ठंड से बचाव और स्टाइल दोनों मिल जाते हैं। ओपन फ्रंट कैप-स्टाइल लॉन्ग श्रग, कुंदन वर्क वाली ओढ़नी, फुल या फोर-फ्रॉथ स्लीव्स वाले ब्लाउज न सिर्फ गर्माहट देते हैं, बल्कि बेहद फैशनेबल भी लगते हैं। जॉर्जेट, नेट और शिफॉन जैसे हल्के कपड़ों से बचें। वेलवेट या सिल्क लहंगा, हैवी एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज और मैचिंग हैंड वार्मर सर्दियों की शादी के लिए आदर्श हैं। ड्रेस के नीचे वार्मर या शेपवियर पहनना भी उपयोगी रहता है।

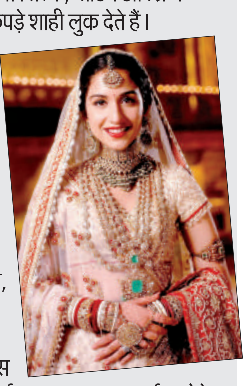

हेयर स्टाइल और ज्वेलरी

इस मौसम में शादी में हेयर स्टाइल और ज्वेलरी का चयन भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना परिधान और मेकअप। ठंड के मौसम में बाल अक्सर रूखे और बेजान हो जाते हैं, इसलिए शादी से कुछ हफ्ते पहले ऑयल मसाज और हेयर स्पा जरूर कराएं। नारियल तेल में थोड़ा सा अरंडी का तेल मिलाकर सप्ताह में दो बार मालिश करने से बालों में प्राकृतिक चमक आती है। दुल्हन के लिए सॉफ्ट कर्ल्स, लो बन, साइड ब्रेड या हल्का वेवी जूड़ा सर्दियों में बेहद एलिगेंट लगता है। बालों में फ्रेश फूलों की जगह सिल्क या ड्राइड फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो लंबे समय तक टिकती हैं।

ज्वेलरी में कुंदन, पोल्की और एंटीक गोल्ड विंटर वेडिंग के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। भारी नेकपीस के साथ कानों के झुमके संतुलित रखें ताकि लुक ओवरलोड न लगे। ठंड के कारण गर्दन और कानों पर जलन से बचने के लिए ज्वेलरी पहनने से पहले हल्की मॉइस्चराइजर लेयर लगाना फायदेमंद रहता है। सही हेयर स्टाइल और ज्वेलरी के साथ आपकी विंटर वेडिंग लुक न केवल शाही, बल्कि यादगार भी बन जाएगी।

त्वचा की देखभाल भी जरूरी

सर्दियों में त्वचा की विशेष देखभाल जरूरी है, क्योंकि ठंडी और शुष्क हवाएं नमी छीन लेती हैं। गुनगुने पानी से स्नान करें और एलोवेरा, विटामिन-ई युक्त गाढ़े मॉइस्चराइजर या बॉडी बटर का उपयोग करें। क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग रूटीन का पालन करें। SPF 30 सनस्क्रीन लगाना न भूलें। शहद-दही जैसे घरेलू फेस मास्क, गुलाबजल-ग्लिसरीन का उपयोग और रात में नाइट क्रीम या फेस ऑयल त्वचा को पोषण देता है। शादी से तीन महीने पहले से नियमित फेशियल कराएं, आखिरी फेशियल शादी से एक हफ्ते पहले करवाना बेहतर होता है। नए उत्पादों का प्रयोग अंतिम समय में न करें।

लिपस्टिक

सर्दियों में होंठ जल्दी सूखते हैं, इसलिए विटामिन-ई, शीया बटर और कोको बटर युक्त मॉइस्चराइजिंग लिपस्टिक चुनें। मैट की बजाय साटन या क्रीमी फिनिश बेहतर रहती है। ऑक्सब्लड, वाइन, मैरून और डीप रेड जैसे शेड्स विंटर वेडिंग में ग्लैमरस लुक देते हैं। लिप लाइनर का इस्तेमाल करें और रात में मोटी लेयर में लिप बटर लगाएं।

लाइफस्टाइल

शादी से लगभग एक महीना पहले अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाएं। हेल्दी डाइट अपनाएं- फल, सब्जियां, नींबू पानी, नारियल पानी आदि का सेवन करें ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और टॉक्सिन्स बाहर निकलें। पानी में नींबू के टुकड़े, खीरे के स्लाइस और पुदीना डालकर दिनभर थोड़ा-थोड़ा पीना लाभकारी रहता है। तनाव से दूर रहें और सुबह-शाम योग, ध्यान व प्राणायाम करें। धूम्रपान, मदिरापान, जंक फूड और तैलीय चीजों से पूरी तरह परहेज करें। पर्याप्त नींद लें-कम से कम आठ घंटे। सर्दियों की हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक, मेथी, बथुआ का जूस शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है और ऊर्जा देता है। नट्स, बादाम और अखरोट त्वचा को पोषण देते हैं, जबकि अत्यधिक मिठाइयों से बचना बेहतर है।

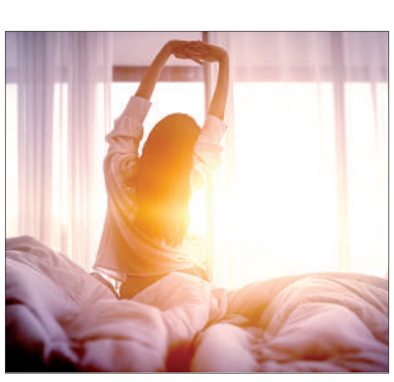

खाना खजाना

काली गाजर का हलवा

गरमागरम गाजर का हलवा सर्दियों की पहचान है, लेकिन जब इसमें काली गाजर का अनोखा स्वाद और रंग जुड़ जाए, तो यह मिठाई और भी खास बन जाती है। सर्द मौसम में रसोई से उठती घी और इलायची की खुशबू मन को सुकून देती है और काली गाजर का हलवा इस एहसास को दोगुना कर देता है। उत्तर भारत की यह पारंपरिक मिठाई लाल गाजर के हलवे जितनी ही स्वादिष्ट होती है, बल्कि अपने गहरे बैंगनी रंग और पौष्टिक गुणों के कारण अलग पहचान रखती है। सर्दियों में मिलने वाली खास काली गाजर से बना यह हलवा न सिर्फ स्वाद का खजाना है, बल्कि सेहत के लिहाज से भी बेहतरीन माना जाता है। दूध, खोया, चीनी और भरपूर घी में पककर तैयार हुआ काली गाजर का हलवा हर कौर के साथ ठंडे मौसम की मिठास और घर की गर्माहट का एहसास कराता है।

सामग्री

- काली गाजर – 1 किलो (कद्दूकस की हुई)
- दूध- 1 लीटर
- देसी घी - 3-4 टेबलस्पून
- चीनी- 150-200 ग्राम (स्वादानुसार)
- खोया - 100 ग्राम (वैकल्पिक, स्वाद बढ़ाने के लिए)
- इलायची पाउडर - टीस्पून
- काजू, बादाम, किशमिश - सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले काली गाजर को धोकर छील लें। इसके बाद इन्हें कद्दूकस कर लें। एक भारी तले की कड़ाही में दूध गर्म करें, जब दूध उबलने लगे, तो उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें। इसे धीमी आंच पर पकने दें और बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि गाजर दूध को अच्छे से सोख लें। जब गाजर और दूध गाढ़ा हो जाए, तो इसमें देसी घी डालें और अच्छी तरह से भूनें। इसके बाद मावा डालकर हलवे को फिर से 5-7 मिनट तक भूनें। अब हलवे में चीनी डालें और इसे तब तक पकाएं जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाए। इसके बाद कटे हुए काजू, बादाम, किशमिश और इलायची पाउडर डालें। हलवे को तब तक पकाएं जब तक इसका रंग गहरा न हो जाए और हलवा कड़ाही के किनारों को छोड़ने न लगे। गर्मागर्म हलवे को एक प्लेट में निकालें और ऊपर से मेवे डालकर सजाएं।

सुझाव :- काली गाजर का हलवा त्योहारों और खास अवसरों पर एक अनोखे मिठाई के रूप में बनाया जा सकता है। इसे ठंडा या गर्म, दोनों तरह से परोसा जा सकता है। इसे परोसते समय ऊपर से थोड़ा घी या ड्राई फ्रूट्स डालें, ताकि इसका स्वाद और भी निखर जाए। जाती हुई सर्दी में अपने परिवार और दोस्तों को काली गाजर का हलवा बनाकर जरूर खिलाएं और इस स्वादिष्ट मिठाई का आनंद लें।

न्यूज ब्रीफ

डॉ. अंबेडकर पर टिप्पणी का वीडियो वायरल, रिपोर्ट दर्ज

शीशगढ़, अमृत विचार : चौकी क्षेत्र मानपुर के एक गाँव के दो युवकों ने सोशल मीडिया पर संविधान निर्माता डॉ .भीमराव अम्बेडकर को जाति सूचक शब्दों का वीडियो वायरल कर दिया ।वीडियो देख कर ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जाँच शुरू कर दी है। ग्राम परशुरामपुर निवासी आकाश पुत्र करन सिंह ने पुलिस को बताया कि गांव के सुभाष व संजू ने संविधान निर्माता पर टिप्पणी करने का सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीडियो वायरल कर संविधान निर्माता का अपमान किया है। शिकायत पर पुलिस ने उपरोक्त दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चों से मिलने आई महिला से मारपीट

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला बिजौरिया में पारिवारिक विवाद का मामला थाने तक पहुंच गया। बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना पर ससुराल पहुंची महिला ने पति और देवर पर मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजौरिया निवासी चमन प्रकाश और उसकी पत्नी प्रयागवती के बीच विवाद चल रहा है। पारिवारिक कलह के चलते प्रयागवती मायके में रह रही थी। शुक्रवार को बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर वह ससुराल पहुंची। महिला का आरोप है कि घर पहुंचते ही पति चमन प्रकाश और उसके भाई ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर दी। प्रयागवती की तहरीर पर पुलिस ने पति और देवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

क्लासिक कॉलेज में शिविर का शुभारंभ

बरेली, अमृत विचार : क्लासिक कॉलेज ऑफ लॉ बरेली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शनिवार को भव्य शुभारंभ किया गया ।विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। महाविद्यालय के सचिव एवं बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट शिरीष कुमार मेहरोत्रा ने कहा कि एनएसएस जैसे कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, सेवा-भावना और सामाजिक चेतना का विकास करते हैं, जो एक सशक्त राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। एनएसएस प्रभारी मोहम्मद हस्सान रजा खान ने एनएसएस के माध्यम से सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की बात कही। प्राचार्य डॉ . आदित्य चतुर्वेदी, चीफ प्रॉक्टर के के गंगवार सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

रोडवेज बस खराब, मुख्य बाजार में लगा लंबा जाम

यात्रियों को हुई परेशानी, मशक्कत के बाद पुलिस ने हटवाया जाम

संवाददाता, भुता

अमृत विचार: कस्बा भुता में मुख्य मार्ग पर रोडवेज बस खराब हो जाने से दोनों तरफ से वाहनों की लंबी कतार लगी, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने 1 घंटे बाद जैसे तैसे जाम खुलवाया।

कस्बा भुता में बीच चौराहे पर अचानक रोडवेज बस खराब हो जाने के कारण कस्बे में रोड के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। जिसके कारण राहगीरों को निकलने में काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को साइड में करवा कर जाम खुलवाया। बता दें कि रोड के दोनों साइड ठेले, वाहन अपनी मनमर्जी के तरीके से खड़ा करने से भी जाम की समस्या दिनभर बनी रहती है। कस्बे में कुछ दुकानदार तो दुकान के बाहर सरकारी रोड पर अपना सामान रखकर अतिक्रमण बनाये रहते हैं। जिसके कारण आम नागरिक को जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। कस्बे में यातायात व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो रखी है। जिसके कारण आम नागरिक में प्रशासन के खिलाफ काफी रोष है।

शेरगढ़ में बाजार मार्ग पर ओवरलोड वाहनों और अतिक्रमण से लगा जाम ।

शेरगढ़ में ओवरलोड वाहन और अतिक्रमण से जाम

शेरगढ़, अमृत विचार : शनिवार को मुख्य बाजार में ओवरलोड वाहनों की आवाजाही और अतिक्रमण से संकरी हुई सड़क से जाम लगा रहा। इससे देर सायं तक लोगों को जाम से जूझना पड़ा। बाजार के मुख्य मार्ग पर गन्ना लदे ट्रक और लकड़ी भरे ट्रैक्टर ट्रालियों से लोग घंटो परेशान किया। इस दौरान मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिससे जाम के चलते लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। दुपहिया और तीन पहिया वाहन चालक सवारियों के साथ घंटो परेशान रहे। उन्हें भी कहीं से निकलने का रास्ता नहीं मिल पाया।

पुलिस की कार्यशैली पर डीजीपी से करेंगे शिकायत

बरेली, अमृत विचार: डीएम की ओर से गठित तीन अधिकारियों की कमेटी की जांच के बाद भी फतेहगंज पश्चिमी में व्यापारी और ईओ का विवाद खत्म नहीं हो रहा है। जांच में यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि ईओ के कक्ष में व्यापारी नेता आशीष अग्रवाल के पहुंचने, धमकाने और सरकारी फाइलों को फाड़ने की बात गलत है।

सोमवार को झूठा मुकदमा एक्सपंज कराने और ईओ के विरुद्ध कार्रवाई कराने की मांग को लेकर वह डीजीपी से मिलेंगे। डीएम की ओर से गठित कमेटी की जांच रिपोर्ट एसीएस गृह को भेजे जाने के बाद व्यापारी नेता ने फर्जी मुकदमा लिखाने वाले ईओ पर कार्रवाई कराने के लिए गृह सचिव को पत्र दिया है।

बता दें कि ढाई माह से ईओ और व्यापारी नेता के बीच का विवाद बरेली से लेकर लखनऊ के अफसरों और मंत्रियों की टेबिल पर घूम रहा है लेकिन इसका पटाक्षेप नहीं हो सका है। 5 फरवरी को डीएम ने जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी। इस जांच रिपोर्ट पर भी शासन स्तर से कोई कार्रवाई नहीं हुई।

शिव मंदिरों पर जलाभिषेक आज

गुलडिया में गौरी शंकर मंदिर परिसर में पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने पर्व से पूर्व व्यवस्थाओं की समीक्षा की। ● अमृत विचार

संवाददाता, गुलड़िया

अमृत विचार: गौरी शंकर शिव मंदिर गुलड़िया में महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक रविवार की सुबह 5 से शुरू हो जाएंगे।

मंदिर प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। श्रद्धालुओं के मंदिर प्रवेश के लिए व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है। इससे कि। एसडीएम आंवला विदुषी सिंह, सीओ मीरगंज अजय कुमार ने मंदिर पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया । इस दौरान मंदिर कमेटी के सदस्य मंगली सिंह वर्मा, ग्राम प्रधान ज्ञानचंद लोधी, रामपाल, विशेष ,शिवम् सनातनी ,सोनू,हिमांशु आदि रहे।

पचौमी के पंचेश्वरनाथ मंदिर में बेरीकेडिंग पूरी

फरीदपुर,अमृत विचार : महाभारत काल से जुड़े पचौमी के पंचेश्वर नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं को भीड़ से सुरक्षित रखने को प्रबंधन,प्रशासन, पुलिस ने तैयारियां कर ली है। प्रात : 4 बजे से देवालय में जल चढ़ाने एवं पूजा अर्चना के लिए भक्तों के लिए उचित बेरीकेटिंग की गई है। उपजिलाधिकारी मालिका नैन एवं प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने दोनों मंदिरों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फरीदपुर तहसील क्षेत्र के पहलेश्वर नाथ महादेव पहलऊ और पंचेश्वरनाथ पचौमी दोनो मंदिरों पर सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन मौजूद रहेगा जिससे भोले के भक्तों को किसी तरह की कोई भी समस्या न हो। प्राचीन काल के दोनों मंदिर सनातन की आस्था का केंद्र है शिवतेरस पर दोनों जगहों पर दिनभर भंडारा का आयोजन भी भोलें के भक्तों द्वारा किया जाएगा।

मंदिर परिसर का किया निरीक्षण

क्योलड़िया : विकास खण्ड भदपुरा के ग्राम महेशपुर में स्थित शिव मंदिर पर महा शिवरात्रि के अवसर पर होने वाले जलाभिषेक व मेले की व्यवस्था का भ्रमण प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने मय फोर्स के साथ किया। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

प्लॉट पर कब्जे के प्रयास में मारपीट, दो हिरासत में

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम खिजरपुर में शनिवार दोपहर प्लॉट विवाद को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मकान पर कब्जा करने पहुंचे कुछ लोगों को पुलिस ने मौके से हिरासत में लिया, । गृहस्वामी की पत्नी ने आरोपियों पर मारपीट, लूटपाट और पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

ग्राम खिजरपुर निवासी ताहिर खां की पत्नी साबिया के अनुसार, उनके पति ने 19 मार्च 2008 को गाटा संख्या 98 में से 18 बिस्वा जमीन गांव के ही कल्लन खां से 56 हजार रुपये में खरीदी थी। भुगतान के बाद परिवार ने वहां मकान बनाकर निवास शुरू कर दिया और पिछले 18 वर्षों से वहीं रह रहे हैं। उसी प्लॉट से इस्लाम खां, इरफान शाह और उस्मान शाह ने भी जमीन खरीदकर अपने-अपने मकान बनाए हैं।तहरीर में आरोप लगाया गया है कि लगभग एक वर्ष पूर्व कल्लन खां ने उक्त जमीन का बैनामा अपने भांजे मैसर खां निवासी ग्राम रम्पुरा, थाना भोजीपुरा के नाम करा दिया। इसके बाद से मैसर खां कथित रूप से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांग रहा था ।

महिला का आरोप है कि शनिवार दोपहर मैसर खां पांच गाड़ियों में 12-15 लोगों के साथ उसके घर पहुंचा। घर में घुसकर सामान फेंका । महिला से मारपीट की गई और सात ग्राम वजन के कुंडल कान से खींच ले गये और बक्से में रखे दो लाख रुपये नकद लूट लिए गए।

सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों का शांति भंग में चालान कर दिया।

लायंस क्लब की मीटिंग में सदस्यता बढ़ाने पर जोर

बरेली, अमृत विचार : लायंस क्लब इंटरनेशनल मंडल 321-सीटू की थर्ड कैबिनेट मीटिंग शनिवार को गुलमोहर ग्रीन पार्क में संपन्न हुई।

मीटिंग में बुलंदशहर से आए मंडल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन एमजेएफ संजीव तोमर ने मिशन 1.5 के द्वारा लायन सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया। इससे समाज में लोगों से सामंजस्य बना रहेगा और सामाजिक कार्य करने में आसानी होगी।

एमजेएफ डॉक्टर आरएन वर्मा ने समाज के कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करने का आह्वान किया। डिप्टी कैबिनेट सेक्रेटरी लायन विशाल अरोड़ा ने अभी तक के मंडल के सेवा कार्यों को विस्तार से बताया। कैबिनेट सेक्रेटरी लायन नवीन अग्रवाल ने आयोजन के लिए रीजन चेयरमैन लायन अजय गोयल जोन चेयरपर्सन लायन मुकेश अग्रवाल व लायन विकास अग्रवाल का आभार व्यक्त किया।

स्कूलों में हुई फेयरवेल पार्टियां, मिस और मिस्टर चुनें

मिशन ग्लोबल में माहिरा को मिस और यासिर को मिस्टर फेयरवेल का खिताब मिला ।

एनपीएस में हुई पार्टी में सुहानी मिस और अर्जुन को मिस्टर फेयरवेल के विजेता।

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : नैशनल पब्लिक स्कूल में आज माहौल ख़ुशी का था, लेकिन उसमें थोड़ी उदासी का तड़का लगा हुआ था। स्कूल से विदा होने वाले साथियों के लिए फेयरवेल पार्टी रखी गई थी ।गीत-संगीत, डांस, चुटकुले, हंसी मज़ाक, सब कुछ था, लेकिन अपने सीनियर्स के स्कूल छोड़ जाने की टीस सबको सता रही थी।

मिशन ग्लोबल एकेडमी सिंधौरा में मिस फेयरवेल का खिताब माहिरा और मिस्टर फेयरवेल का यासिर ने जीता। इन खिताबों को हासिल करने के लिए स्टूडेंट्स को कई तरह के इम्तिहानों से गुज़रना पड़ा।

फेयरवेल और ब्लेसिंग पार्टी का शुभारम्भ विद्यालय के संरक्षक आर के सक्सेना और मैनेजर जितिन सक्सेना ने किया। शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सीनियर स्टूडेंट्स के लिए म्यूजिकल चेयर गेम का आयोजन हुआ, जिसमें स्वाति शर्मा ने जीत दर्ज की। प्रिंसिपल बीके कश्यप, वाइस प्रिंसिपल मोबीन मलिक, अमित देओल, संजय सक्सेना, सिदरा खान, राफिया मुख़्तार, शाज़िया, ऋषभ कुमार व लता गंगवार आदि मौजूद रहे।

नेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार को स्कूल से विदा होने वाले साथियों के लिए फेयरवेल पार्टी रखी गई । गीत-संगीत, डांस, चुटकुले, हंसी मज़ाक, सब कुछ था, लेकिन अपने सीनियर्स के स्कूल छोड़ जाने की टीस सभी जूनियर्स को सता रही थी।

फेयरवेल पार्टी की थीम 'अंकुरण' थीम पर आयोजित फेयरवेल पार्टी में बीज से भविष्य तक की थीम वाली पार्टी में टीचर्स के साथ सभी स्टूडेंट्स ने अपने सीनियर्स को भावभीनी विदाई दी। प्रिंसिपल मनोज कुमार ने इंटर की परीक्षा में जाने वाले स्टूडेंट्स को पेपर में एकाग्रता बनाकर अपना सौ प्रतिशत देने परिजनों, स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की।

फेयरवेल पार्टी में हुए कार्यक्रमों में रैंप वाक सबसे ज़्यादा पसंद किया गया। पार्टी में अर्जुन को मिस्टर फेयरवेल और सुहानी को मिस फेयरवेल का ख़िताब दिया गया ।मंच संचालन अरुण गंगवार और विवेक सिंह ने किया। सार्थक शर्मा और रवि शर्मा का भी सहयोग रहा।

न्यूज डायरी

टी-20वर्ल्ड कप: भारत-पाक की भिड़ंत देखने को बरेली में क्रिकेट फीवर

बरेली, अमृत विचार : क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता यानी भारत बनाम पाकिस्तान का महामुकाबला रविवार को खेला जाएगा। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले इस मैच को लेकर ' 'झुमका सिटी' ' बरेली में भी उत्साह सातवें आसमान पर है। रविवार का दिन होने के कारण क्रिकेट प्रेमियों ने अभी से इस महामुकाबले को लेकर अपनी खास तैयारी कर ली है। सिविल लाइंस, राजेंद्र नगर और रामपुर गार्डन में क्रिकेट का अलग ही माहौल देखने को मिलेगा। शहर के कई स्थानों पर मैच की लाइव स्क्रीनिंग के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। इन स्थानों पर मैच देखने के लिए भीड़ जुटने की उम्मीद है। युवाओं में भारतीय टीम की जर्सी और तिरंगे को लेकर जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। रविवार को महाशिवरात्रि और मैच का डबल धमाका संयोग से रविवार को ही महाशिवरात्रि का पर्व भी है। ऐसे में बरेली के नाथ मंदिरों में दर्शन के साथ-साथ भक्त टीम इंडिया की जीत के लिए भी प्रार्थना करते दिखाई देंगे। वहीं, क्रिकेट प्रेमी इसे शुभ संकेत मान रहे हैं कि भोलेनाथ की कृपा से भारत पाकिस्तान को शिकस्त देगा।

मुकाम शाह बाबा का चार रोजा उर्स कुल शरीफ के साथ संपन्न

क्योलड़िया, अमृत विचार : परसरामपुर में स्थित दरगाह हजरत मुकाम शाह बाबा रहमतुल्ला अलहै की दरगाह पर चार रोजा उर्स पर शनिवार को नमाजे फजर दरगाह पर कुरान ख्वानी हुई इसके बाद जायरीनों ने दरगाह पर चादरपोशी और गुलपोसी की। गांव की गलियों में चादरों का जुलूस घूमता हुआ दरगाह पर पहुंचकर समाप्त हुआ। कुल शरीफ शुरू हुआ जिसमें नातो मनकबत और उल्माओं ने हजरत मुकाम शाह बाबा की शान में तकरीरें की और औलिया अल्लाह के बताए रास्ते पर चलने की अपील की । इसके बाद लंगर तकसीम किया गया। उर्स में ग्राम प्रधान मोहम्मद रफीक, मोहम्मद शोएब, मोहम्मद इरफान, शमशाद शाह, डॉ0 हारून, डॉ0वाहिद अली, मोहम्मद सत्तार,उबैश , फरियाद,आदि समेत तमाम लोगों ने शिरकत की।

ग्राम रहपुरा में हुई गोष्ठी में किसान सम्मानित

फरीदपुर,अमृत विचार : फरीदपुर तहसील क्षेत्र में शनिवार को ग्राम रहपुरा स्थित आरएसपी कोल्ड स्टोर के चौथे सत्र के शुभारम्भ होने पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार, सदस्य विधान परिषद कुंवर महाराज सिंह, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल , गोरी राइस मिल के डायरेक्टर राजेंद्र गुप्ता ने किसानों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया और किसानों सम्मानित किया। इस मौके पर संजीव चांदना, जेड खान साहब रविंद्र राठौर, राजेश जसोरिया, नरेंद्र यादव मुखर्जी, रामेश्वर प्रसाद, राजा सेठ, महावीर जायसवाल अनिल अनिल गुप्ता मनोज पांडे सतीश पांडे बीएन अग्रवाल, अनुज पांडे डब्लू भारद्वाज मोहन गुप्ता अंकुर मित्तल संजीव गुप्ता एवं विभिन्न ग्राम पंचायत के प्रधान और किसान उपस्थित रहे।

भ्रमण में बच्चों ने जाना रामनगर का इतिहास

भ्रमण के दौरान रामनगर किले पर मौजूद पीएमश्री उच्च प्राथमिक विद्यालय चुरई दलपतपुर के छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय चुरई दलपतपुर के कक्षा 6 से 8 तक के छात्राओं ने एक्सपोजर विजिट के दौरान रामनगर में स्थित पांडवों के किला एवं दिगंबर संप्रदाय से संबंधित मंदिर जैन मंदिर तथा लीलौर झील का शैक्षिक शैक्षिक भ्रमण कराया। इस भ्रमण से छात्राओं को रामनगर किले और लीलौर झील का इतिहास की जानकरी दी गई।

भ्रमण के दौरान रामनगर के किले के विस्तृत इतिहास को बताते हुए सहायक अध्यापक डॉ0 रोहिताश कुमार गंगवार ने बताया कि यह क्षेत्र द्रोपदी के पिता राजा द्रुपद की राजधानी हुआ करता था। इस क्षेत्र में स्थित गुरुगांव पांडवों ने अपने गुरु द्रोणाचार्य को गुरु दक्षिणा में दिया था। दिगम्बर जैन संप्रदाय से संबंधित जैन मंदिरों को देखने के लिए भी विद्यार्थी पहुंचे। जहां प्रभारी प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्रा ने जैन धर्म से संबंधित इतिहास और जैन समाज के संप्रदायों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। यहां के बाद लिलौर झील पहुंचा। वहां लिलौर झील के इतिहास एवं यक्ष युधिष्ठिर संवाद के विषय में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विस्तृत रूप से बताया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने समस्त इतिहास के संबंध में जानकारी ली। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं उत्साहित रहीं। भ्रमण में बीईओ अवनीश कुमार, एआरपी पूनम गंगवार,अरविंद गंगवार, सचिन मुरारी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मजदूर की मौत पर उठे सवाल, हत्या की आशंका

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव चुनुआ में मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत जिसे पहले आत्महत्या माना जा रहा था, लेकिन अब मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताते हुए परिवार की एक महिला समेत चार लोगों पर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गांव चुनुआ निवासी कुंवरसेन (40) मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। गुरुवार शाम उनका शव घर के एक कमरे में कुंडे से रस्सी के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। घटना के बाद मृतक के भाई तेजपाल ने थाने में तहरीर देकर दावा किया कि कुंवरसेन ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उनकी हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया गया है। उन्होंने परिवार की एक महिला सहित चार लोगों को नामजद करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिजली चोरी के खिलाफ नगर में चला अभियान

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : बिजली विभाग ने बिजली चेकिंग अभियान चलाकर कनेक्शनों की चेकिंग और उपभोक्ताओं से बिजली के बिल का समय से भुगतान करने की अपील की।

अभियान शाम छह बजे से रात दस बजे तक चला। चेकिंग टीम ने बकायेदारों के कनेक्शन चेक किये और उन्हें बिल जमा करने को कहा। अभियान में उन कनेक्शनधारकों को विशेष रूप से चेक किया गया जिनके कनेक्शन बकाया जमा नहीं करने पर काटे जा चुके थे।

जेई रमेश चंद ने बताया कि विभाग में ओटीएस योजना के तहत बकायेदार उपभोक्ताओं को तीसरे चरण तक सुविधा दी जा रही है। यह इसी माह तक चलेगी। इसमें किस्तो में बिल जमा करने की सुविधा के साथ साथ कुछ प्रतिशत ब्याज भी माफ किया जा रहा है। इस दौरान प्रवीण शर्मा, सोनू, मोहम्मद शब्बीर, सुनील, काशीराम, राकेश महेश्वरी, परविंदर, मोहित महेश्वरी आदि मौजूद रहे।

तस्कर गिरफ्तार भेजा जेल

भमोरा, अमृत विचार : मुखबिर की सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान अफीम तस्कर को पुलिस ने दबोचा है। शुक्रवार देर रात पुलिस टीम ने देवचरा दातागंज रोड पर चेकिंग के दौरान यह सफलता मिली है। पकड़े गये व्यक्ति का नाम रूप सिंह निवासी डप्टा श्यामपुर है।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/2820 दिनांक: 14.02.2026

निविदा सूचना

पेराई सत्र 2025-26 के उपरांत व्वायलिंग हाउस एवं अन्य स्थानों में स्क्रैपिंग शुगर व धुलाई कार्य हेतु अनुभवी पार्टियों से दिनांक 25.02.2026 तक रू. 40002/- धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 236/- प्रति जमा करने के उपरांत निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन पर आवश्यकतानुसार निगोसियेशन भी किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तों में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

आर. के. जैन
प्रधान प्रबन्धक

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना:ओटी-20-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-20-2025, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल अन्तर्गत गोरखपुर कैण्ट-बाल्मिकीनगर खण्ड में टीएसएस, एसपी एवं एसएसपी मे आटोमेटिक फाल्ट लोकेटर की व्यवस्था से सम्बन्धित कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 1,62,51,100/-, बयाना राशिः ₹ 2,31,300/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समयः 09-03-2026 को 15:00 बजे।

नोटः • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट ***http://www.ireps.gov.in*** को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-279 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र० सं०-1, ई-प्रापण निविदा संख्या** : उप मु०इं०-नि०-पुल-जीकेपी-02-2026 दिनांकः 10.03.2026, **कार्य का नाम** - एन.ई. रेलवे के लखनऊ डिवीजन के सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन प्रोजेक्ट के संबंध में, मगहर-सहजनवा-जगतबेला- बांसगांव सेक्शन के बीच, जून/2016 के RDSO के स्पेसिफिकेशन और लेटेस्ट करेक्शन स्लिप के अनुसार डाला, बिल्ली, झांसी सोर्स से मशीन से तोड़ी हुई ट्रैक बैलास्ट की मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई और स्टैकिंग का कार्य। अनुमानित निविदा मुल्य: 26,49,76,440.00, बयाना राशि (रू०) : 14,74,900.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू०) : -, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 (चौबीस) माह ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि- दिनांक 24.02.2026 ● उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि - दिनांक 10.03.2026 15.00 बजे तक। ● उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - दिनांक 10.03.2026 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इन्जी०/ निर्माण/पुल
मुजाधि/डब्ल्यू - 462 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार

रविवार, 15 फरवरी 2026

'तुलसी' काया खेत है, मनसा भयौ किसान।
पाप-पुन्य दोउ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान॥

गोस्वामी तुलसी दास कहते हैं कि शरीर खेत के समान है और मन मानो किसान है, जिसमें यह किसान पाप और पुण्य रूपी दो प्रकार के बीजों को बोता है। जैसे बीज बोएगा वैसे ही इसे अंत में फल काटने को मिलेगे।

शिव सभी कालों में हैं और काल के परे भी

हम भारत के लोग देवों को भी धरती पर बुलाते रहते हैं। ईश्वर भी धर्म संस्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भारत देवभूमि है। भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। जहां-जहां आभा, प्रभा, सुभा और दिव्यता वहां-वहां देवता। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केंद्र बताने की गल्ती करते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है, 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।'

शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, 'शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। ब्रम्हा, विष्णु और इंद्र के सृष्टा हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, 'रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत् को व्याप्त किया है।' संप्रति महाशिवरात्रि उत्सवों में भारत सहित एशिया के बड़े भूभाग में बम भोले की बम-बम है।

शिव भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। सत्य आराध्य है, लेकिन शिव सत्य आनंददाता हैं। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव अखिल ब्रम्ह की ऊर्जा हैं। इस ऊर्जा प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रम्हचारी ने बहुत भड़काया 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गईं। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं- विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।"

> ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है, लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्त्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे, तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं, लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार।

शिव ही सभी रूपों में प्रकट होकर रूप-रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में जब-तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि प्रश्न पूछूं शिव से- महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन अपना प्रश्न वापस भी लेता हूं। शिव तप का पुरस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चंद्र हैं। वैदिक ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां-औषधियां उगाती हैं। खिलाती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन का मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं, बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार और शिवरात्रि प्रतिक्षित है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। काशी बहुत जाता हूं, लेकिन मंदिर दर्शन बहुत पहले एक बार ही हुआ। मैंने समूची काशी में शिव चैतन्य पाया है। मैं कर्मकांडी हूं नहीं। योग, तप से परिचित नहीं, लेकिन भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए देवों के देव महादेव को नमस्कार करता हूं।

शिव सभी कालों में हैं। काल के परे भी हैं, लेकिन भारत के मन में वे पार्वती के साथ हैं। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागीं। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांई आंख में ही काजल लगाया था, वह बांई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत् के माता-पिता हैं। विवाह के बाद सभी देवों ने शुभकामनाएं दीं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

कालिदास जैसे प्रत्यक्षदशा बराती थे- शिव बारात के। उनकी अनुभूति में भारत का मन-दर्पण प्रकट हुआ है। सूरदास भी श्रीकृष्ण की बरात में गाना चाहते थे- सूरदास होई कुटिल बराती गीत सुमंगल गइहौं। अजब अंतर्विरोध, सुमंगल गीत, लेकिन कुटिल बराती। हम शिव भक्त कांवड़ियों को दूर से ही देखते आए हैं। हम भी शिवार्चन उत्सवों में कुटिल आस्तिक की तरह दूर से सम्मिलित होते रहे हैं। मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में शिवरात्रि और सावन के सोमवारों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के संवाद से भरा-पूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्त्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया, लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है, लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र-तत्र-सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कंठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी है, लेकिन चंद्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। सोम और चंद्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चंद्रमा। अग्नि मध्य नेत्र है।

सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चंद्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं। तब शिवार्चन की शुभ मुहूर्त बनती है। ऐसी संक्रांति सावन मास में पड़ती है। सो शिव को सावन प्रिय है। श्रीकृष्ण को बसंत ऋतु प्रिय है और मार्गशीर्ष-अगहन का मास, लेकिन शिव की बात निराली है। ऋतुराज बसंत में पृथ्वी और वायु का चरम आनंद है। बसंत हहराता है तब क्षिति, जल, पावक और गगन समीर भी मधुरसा हो जाते हैं। शिवरात्रि आती है। वायु सुकुमार लज्जाशील नायिका की तरह बहती है।

मनुष्य सुगंध प्रिय है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है, लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्त्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे, तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं, लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार।

सोंचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं- त्रिशूल धारक जो हैं, लेकिन सोंचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। सोम ओम की यारी पुरानी है, लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था- त्र्यम्बक रूद्र को- हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो।'

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की हार से सुधरेगा रिश्ता

बांग्लादेश के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने प्रचंड जीत दर्ज कर ली है। बांग्लादेश की जनता से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी को करारी हार मिली है। बांग्लादेश की सत्ता बीएनपी के हाथों में जाना भारत के लिए राहत की बात है, क्योंकि पार्टी मुखिया तारिक रहमान ने चुनावी सभाओं में भारत से रिश्ते सुधारने के न सिर्फ संकेत दिए बल्कि उनके बयानों में भी भारत के लिए कभी कड़वापन नहीं दिखा। तारिक रहमान की मां एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने भारत से रिश्ते सुधारने की कभी पहल नहीं की, लेकिन जब वह बीमार हुईं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इलाज में सहयोग की पहल की और निधन पर विदेश मंत्री को भी वहां भेजा। यह रिश्तों में जमीं बर्फ को पिघलाने वाली पहल मानी गई। बीएनपी की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फोन कर तारिक रहमान को बधाई देना और भविष्य में पूर्व की भांति ही सहयोग देने के आश्वासन को बड़ी कूटनीतिक पहल माना जा रहा है।

अमित नारायण
राजनीतिक विश्लेषक

बांग्लादेश की जनता ने बीएनपी को बहुमत देकर बता दिया है कि वह कट्टरपंथ को पसंद नहीं करती। बीएनपी का पाकिस्तान और चीन के प्रति लचीला रुख रहा है, लेकिन भारत के विरुद्ध बहुत कटुता वाला भी नहीं रहा है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि भारत से पुरानी कड़वाहट को भूलकर तारिक रहमान दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। वह ऐसी गलती नहीं करेंगे, जो मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने की।

> बांग्लादेश की जनता ने कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी को नकार दिया है। बांग्लादेश की सत्ता बीएनपी के हाथों में जाना भारत के लिए बड़ी राहत की बात है। बीएनपी मुखिया तारिक रहमान ने भी भारत से रिश्ते सुधारने के संकेत दिए हैं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन करने वाले छात्रों ने भारत विरोध का रुख अख्तियार कर रखा था। उन्हें जमात-ए-इस्लामी का पूर्ण समर्थन भी था। हिंदुओं पर हुए अत्याचार में इसी कट्टरपंथी गैंग का हाथ है। उनकी कट्टरता और भारत व हिंदू विरोधी सोच के कारण ही वहां हिंसा भड़की और एक दर्जन से अधिक हिंदुओं की हत्या हुई। जमात-ए-इस्लामी सदैव वहां इस्लामिक शासन की मांग करती रही है। पाकिस्तान के आतंकी समूहों को भी उसका समर्थन रहा है। ऐसे में अगर जमात और छात्र नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टी सत्ता में आती है, तो भारत की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ जातीं। फिर तो वहां न सिर्फ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पांव पूरी तरह से जम जाते, बल्कि आतंकी समूहों का बोलबाला भी होता।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल के बाद अब यह माना जा रहा है कि तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्र सरकार का कोई मंत्री जरूर हिस्सा लेगा। इसी माह होने वाली एआई समिट में शामिल होने के लिए तारिक रहमान को निमंत्रण दिया जा सकता है। वैसे कुछ राजनीतिक विश्लेषक यह कह रहे हैं कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर तारिक रहमान से भारत के रिश्ते खराब हो सकते हैं, लेकिन कई विश्लेषकों का यह कहना है कि 20 साल बाद सत्ता में वापसी कर रही बीएनपी कड़वाहट वाले मुद्दों को भूलकर भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहेगी, क्योंकि इसमें ही उसका भला है।

समाज बेटियों को नियंत्रित करता है

'सुरक्षा' एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही मन में भरोसे और संरक्षण की छवि उभरती है। यही शब्द माता-पिता की सबसे बड़ी ढाल माना जाता है और यही समाज की सबसे बड़ी दलील भी, लेकिन जब यह शब्द बेटी की आज़ादी छीनने का माध्यम बन जाए, तब इसका अर्थ बदल जाता है। तब सुरक्षा एक ऐसा ताला बन जाती है, जो बेटी के सपनों, इच्छाओं और आत्मसम्मान पर जड़ दिया जाता है। यह ताला दिखाई नहीं देता, पर इसका बोझ हर सांस के साथ महसूस होता है। बेटी को बताया जाता है कि यह सब उसके भले के लिए है, जबकि असल में यह उसके अस्तित्व पर नियंत्रण की प्रक्रिया होती है।

भारतीय समाज में बेटी को आज भी एक स्वतंत्र व्यक्ति के बजाय परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। उसकी चाल, पहनावा, दोस्ती और निर्णय- सब पर निगाह रखी जाती है। जैसे ही बेटी अपने जीवन के फैसले खुद लेने की बात करती है, 'सुरक्षा' का तर्क सामने खड़ा कर दिया जाता है। प्रेम, विवाह, शिक्षा या करियर- हर क्षेत्र में उसकी आज़ादी सीमित कर दी जाती है। यह सीमाएं परिवार द्वारा खींची जाती हैं और समाज द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं। यही स्वीकृति इस समस्या को और गहरा बनाती है।

कृति जैन
लेखिका

इस तथाकथित सुरक्षा का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इसे प्रेम का रूप देकर प्रस्तुत किया जाता है। माता-पिता कहते हैं कि दुनिया बहुत खराब है, इसलिए बेटी को घर में रखना ज़रूरी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया केवल बेटी के लिए ही खराब है? बेटे भी उसी दुनिया में रहते हैं, वही रास्ते तय करते हैं, वही जोखिम उठाते हैं। फर्क सिर्फ़ इतना है कि बेटी को कमजोर और असहाय मान लिया जाता है और यही मान्यता उसकी आज़ादी की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है।

यह कैद केवल दरवाज़े बंद करने तक सीमित नहीं होती। यह सोच, भावनाओं और निर्णयों पर भी पहरा बिठा देती है। बेटी से बार-बार कहा जाता है कि वह समझदार बने, समाज की बात माने, परिवार की इज़्ज़त रखे। धीरे-धीरे वह अपने मन की बात कहना छोड़ देती है। सवाल पूछना, विरोध करना या अपनी इच्छा जताना उसे अपराध जैसा लगने लगता है। यह मानसिक कैद शारीरिक कैद से कहीं अधिक खतरनाक होती है, क्योंकि इसमें सलाखें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या परंपरा और जाति की कठोर दीवारों से और भी मज़बूत हो जाती है। प्रेम विवाह या अंतरजातीय संबंधों के मामलों में बेटियों को घर में बंद कर देना, मोबाइल छीन लेना या बाहर निकलने से रोक देना, वहां सामान्य व्यवहार माना जाता है। कई बार यह कैद महीनों नहीं, बल्कि वर्षों तक चलती है। शहरों में इसका रूप थोड़ा बदला हुआ दिखता है, लेकिन सार वही है। यहां बेटी को 'आधुनिक सुरक्षा' के नाम पर निरंतर निगरानी में रखा जाता है-लोकेशन ट्रैकिंग, समय की सख्त पाबंदी और हर निर्णय पर सवाल। फर्क सिर्फ़ दिखावे का है, सोच वही पुरानी है।

ऑप्टिकल माइक्रो चिप में चीन की बढ़त

सबसे एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक चिप्स तक चीन की पहुंच को सीमित करने और उन्हें बनाने के लिए ज़रूरी उपकरणों पर प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी नीतियों के बाद चीन में ऑप्टिकल कंप्यूटिंग को अपनाने में तेज़ी आई है। ऐसी चिप क्वांटम कम्प्यूटिंग की नींव होती है। ऐसे चिप्स बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल को प्रशिक्षित करके इसकी मेधा को बढ़ाने और इसे काम पर लगाने के लिए ज़रूरी हैं। चीन शांगहाई में फु दां यूनिवर्सिटी के मटीरियल साइंटिस्ट ज़ेंग गुआंग चेंग कहते हैं कि अमेरिकन और उसके दोस्तों के प्रतिबंधों ने चीन को हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने के लिए और ज़्यादा प्रेरित किया है। वह कहते हैं कि चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में फोटोनिक्स का ज़िक्र है, साथ ही क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोजेक्ट्स का भी। चीन की सरकार ने इसके लिए लगातार बहुत ऊंचे स्तर का निवेश किया है।

> सबसे एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक चिप्स तक चीन की पहुंच सीमित करने की अमेरिकी नीतियों के बाद चीन में ऑप्टिकल कंप्यूटिंग को अपनाने में तेजी आई है। ऐसी चिप क्वांटम कम्प्यूटिंग की नींव होती है। ऐसे चिप्स बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल की मेधा बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

कंप्यूटिंग के क्षेत्र में फु दां यूनिवर्सिटी विश्व की टॉप दस में से एक है। एक ऑप्टिकल चिप, जिसे अक्सर फोटोनिक चिप भी कहा जाता है, एक माइक्रोचिप है, जो जानकारी भेजने और प्रोसेस करने के लिए लाइट वेव्स अर्थात प्रकाश कणों/तरंगों का इस्तेमाल करती है और यह मॉडर्न ऑप्टिकल कम्युनिकेशन सिस्टम में बहुत ज़रूरी भूमिका निभाती है। एक फोटोनिक चिप बनाने के लिए पारंपरिक फोटोलिथोग्राफी, एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट और रेजोनेंट फोटोनिक इंटरफेरोमेट्री की ज़रूरत होती है। इसमें अत्यंत बारीक पराबैंगनी किरण की बहुत तेज़ धार से सिलिकॉन और गैलियम नाइट्राइड के वेफर्स या चिप्पड़ों पर बनाए गए इंटिग्रेटेड सर्किट्स से करोड़ों की संख्या में ट्रांजिस्टर्स को चिपकाना संभव है, ताकि डाटा प्राप्त करने के बाद ये बहुत तेज़ी से काम करते हुए क्षणभर में निष्कर्ष निकाल सकें।

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चीन ने ऑप्टिकल चिप्स बनाने के लिए टेक्नोलॉजी डेवलप कर ली है, खासकर फोटोनिक कंप्यूटिंग के फील्ड में। शांगहाई में जिओ टोंग यूनिवर्सिटी और सिंग हुआ यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स द्वारा डेवलप की गई लाइट-जेन चिप, ऑप्टिकल एआई टेक्नोलॉजी में एक बड़ी तरक्की है, जो हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज बनाने और वीडियो बनाने में सक्षम है। वैसे, शोध साहित्य देखा जाए तो इस टेक्नोलॉजी के विकास के लिए बेसिक रिसर्च सन् 2019 से ही हो रही है और चीन के साइंटिस्ट्स ने इस बारे में सर्वाधिक शोधपत्रों का प्रकाशन किया। ऑप्टिकल कंप्यूटिंग में चीन की रिसर्च से दुनिया की पहली ऑल-ऑप्टिकल कंप्यूटिंग चिप बनी है, जो बड़े पैमाने पर जेनरेटिव एआई मॉडल को सपोर्ट करती है। देश ने थिन-फिल्म लिथियम नायोबेट फोटोनिक चिप्स के लिए अपनी पहली प्रोडक्शन लाइन भी शुरू की है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए ग्लोबल मार्केट में मुकाबला करने की स्थिति में आ गया है।

डेटा ट्रांसमिशन, मॉड्यूलेशन और डीमॉड्यूलेशन जैसे कई काम करने के लिए ऑप्टिकल चिप्स इलेक्ट्रिकल सिग्नल या इलेक्ट्रॉन्स के बजाय लाइट कणों फोटॉन का इस्तेमाल करती हैं। ये एक ही चिप पर कई ऑप्टिकल कंपोनेंट्स को इंटीग्रेट करती हैं, जिससे ऑप्टिकल सिग्नल की कुशल प्रोसेसिंग हो पाती है। यह टेक्नोलॉजी हाई-स्पीड डेटा कम्युनिकेशन के लिए बहुत ज़रूरी है, खासकर फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क में, जहां लाइट पल्स लंबी दूरी तक जानकारी ले जाती हैं।

भारत एक्टिव रूप से ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल और सब-असेंबली बनाने की जुगत में है, लेकिन पूरी तरह से इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल चिप्स अथवा फोटोनिक इंटिग्रेटेड सर्किट्स बनाना एक मायने में एडवांस्ड लिथोग्राफी और मटेरियल एक्सपर्टाइज पर निर्भर करते हैं। भारत के अनुसंधानकर्मी इसे अभी भी स्वायत्त रहकर देश में डेवलप कर रहे हैं, परंतु समय सीमाएं और एडवांस्ड लिथोग्राफी और अत्यधिक सटीक फैब्रिकेशन के लिए चुनौतियां मौजूद हैं, जोकि फोटोनिक चिप्स और हाई-एंड ऑप्टिकल इंटिग्रेटेड सर्किट्स के लिए ज़रूरी हैं। फिलहाल एक फोटोनिक चिप के लिए एक फैब लगाना भारत की स्वदेशी क्षमताओं से पूरी तरह बाहर है।

मुख्य प्रोसेस नोड्स और ऑप्टिकल-ग्रेड सिलिकॉन-ऑन-इंसुलेटर या पीरियाडिक टेबल में ग्रुप III और V एलेमेंट्स/मटेरियल के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर या विदेशी सहयोग की ज़रूरत होती है। भारत ने 2018 व 2023 के बीच चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन पर पब्लिश रिसर्च पेपर की संख्या में ग्लोबल लेवल पर तीसरा स्थान हासिल किया है, जैसा कि जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएस द्वारा बनाए गए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ऑब्जर्वेटरी ने पुष्ट किया है।

मर्यादित जीवन जीने वाला जीत लेता है हरेक का दिल

सामान्यतया सरल, शिष्ट एवं समाज के प्रति शालीनता का भाव प्रदर्शित करने को मर्यादायुक्त जीवन जीना कहते हैं। मर्यादित जीवन जीने वाला हरेक का दिल जीत लेता है। वह दूसरों को आदर देता है, तो बदले में आदर पाता भी है, जबकि अमर्यादित जीवन जीने वाले समाज में हेय दृष्टि से देखे जाते है, क्योंकि अमर्यादित जीवन वाला अपने पद एवं संपदा के बल पर अहंकारग्रस्त रहते हैं। अपने से अशक्त लोगों का माखौल उड़ाते हैं, जबकि मर्यादा का ख्याल रखने वाला कोशिश करता है कि उसके आचरण से दूसरों को कष्ट न हो।

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

उदाहरण के रूप में लें तो त्रेतायुग के महानायक श्रीराम मनुष्य रूप में इतना मर्यादित आचरण करते हैं कि उनके नाम के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम पद का उपयोग किया जाता है। भगवान राम की यह मर्यादा थी कि उन्हें 14 वर्ष वनवास का आदेश कराने वाली कैकेई एवं मंथरा तक को वे अपमानित नहीं करते, जबकि अयोध्या की जनता श्रीराम के साथ थी। वे चाहते तो जनता के बल पर सिंहासन हासिल कर सकते थे, लेकिन पिता का सम्मान करते हुए प्रसन्नता के साथ वनवास चले गए।

दूसरी ओर उसी युग में रावण का पूरा जीवन अमर्यादित था। अपनी शक्ति के बल पर अनाचार एवं अमर्यादित आचरण करता था। दूसरे की पत्नी पर कुदृष्टि डालने वाला सर्वाधिक अमर्यादित होता है। उसने भगवान श्रीराम की पत्नी का अपहरण किया। जिन-जिन लोगों ने इसकी निंदा की, उसे वह अपमानित करता रहा। यहां तक की उनकी पत्नी मंदोदरी तक ने जब इस गलत काम की निंदा की तो भी उसके ऊपर असर नहीं पड़ा। यहां तक कि भाई विभीषण को लंका से निकाल दिया।

इस तरह समाज मर्यादा पुरुषोत्तम की तरह आचरण करने वाले को सम्मान की नजर से देखता है। मर्यादापूर्ण जीवन से सुख-शांति मिलती है। कहते हैं कि इज्जत देने से इज्जत मिलती है। ऐसा नहीं हो एकता कि हम दूसरों का अपमान करें और बदले में वह इज्जत दे। भले अशक्त है तो चुप रह जाएगा, कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त करेगा, लेकिन मन ही मन कोसेगा जरूर। जीवन में शुभकामनाओं का एवं बद्दुआओं का असर पड़ता है। अतः कोशिश करनी चाहिए कि मर्यादापूर्ण जीवन जीते हुए लोगों की शुभकामनाएं ही मिलती रहें।

सप्त चक्र और सप्त पावन पुरियां: आनंद की ओर एक अंतर्यात्रा

जैसे पतंग को आकाश में ऊंचा उड़ाने और धरती से साधने के लिए एक पतली डोर की आवश्यकता होती है। डोर भले ही भूमि पर रहती है, किंतु उसी के सहारे पतंग अनंत गगन में विचरती है। वह डोर 'सूत्र' कहलाती है। वैसे ही जीवन को ऊर्ध्वगामी बनाने और अनंत आकाश में विस्तार देने के लिए हमें भी एक ऐसे सूत्र की आवश्यकता होती है, जो पृथ्वी और आकाश, मानव और देवत्व के बीच सेतु का कार्य करे।

सूत्र ज्ञान का सार है, यह अल्प शब्दों में गहनतम अर्थ का प्रकाश छिपाए हुए है। हम जिस सूत्र को थामते हैं, वही हमारे जीवन की दिशा और गुणवत्ता निर्धारित करता है। प्रत्येक जीवन में शुभता की कोई न कोई ज्योति अवश्य विद्यमान होती है। प्रश्न यह है कि हम उस शुभता को पकड़ते हैं या दुर्भाग्य और नकारात्मकता से चिपके रहते हैं।

हर जीवन में कुछ न कुछ मंगल घटित हुआ है, परंतु मन की प्रवृत्ति प्रायः सकारात्मक को उपेक्षित कर नकारात्मक को पकड़ लेने की होती है। इस वृत्ति को रूपांतरित करने के लिए हमें 'शिव सूत्रों' का आश्रय लेने का संकेत दिया गया है। ये सूत्र हमें सत्य, सौंदर्य और 'शिव तत्त्व', अर्थात्शुभता और निर्दोषिता के सिद्धांत की ओर अग्रसर करते हैं, इसीलिए शिव सूत्रों का अध्ययन और मनन करने की प्रेरणा सदा से दी जाती रही है।

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

'शिव सूत्र' सनातन होते हुए भी निर्मल वायु के ताज़ा झोंके की तरह सदा नवीन हैं। वे मन को मुक्त करते हैं और आनंद का संचार करते हैं। वे मात्र दर्शन नहीं, अपितु चेतना का विज्ञान हैं। पांच-छः वर्ष के बालक या कुछ महीनों के शिशु को देखिए, उनके प्रत्येक कोश में उत्साह का प्रवाह स्पंदित होता है। अब वयस्कों को देखिए, आयु के साथ उनका उत्साह क्षीण होता जाता है। जब उत्साह ही मंद पड़ जाए, तो क्या हम वास्तव में जीवित हैं? यह ह्रास हमारे ही निर्मित 'विश्व' के कारण होता है। उस संसार के कारण, जिसे हमने अपने मन में रचा है।

क्या इसका समाधान समाज से पलायन कर हिमालय की गुफाओं में जा बैठना है? मात्र गुफा में प्रवेश कर लेने से आनंद नहीं मिलता, क्योंकि संसार बाहर नहीं, मन में विद्यमान है। उसे आपने ही रचा है और आप ही उसका विसर्जन कर सकते हैं। समाधान आपके ही भीतर निहित है।

शिव सूत्र का एक वाक्य स्पष्ट दिशा देता है-
'शक्ति-चक्र-संधाने विश्वसंहारः।'

अर्थात् जब साधक अपने भीतर स्थित विभिन्न ऊर्जा-केंद्रों पर सजगता लाता है और उनका साक्षी बनता है, तब चिंताओं और चंचल विचारों का विश्व स्वयं विलीन हो जाता है। शांति स्वयमेव अवतरित होती है। यही बहिरंग को छोड़ अंतर्मुख होने की कला है।

विभिन्न भावनाएं शरीर के भिन्न-भिन्न केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्रोध उत्पन्न होता है तो भ्रूमध्य में स्पंदन अनुभव होता है। विषाद आता है तो कंठ अवरुद्ध हो उठता है। घृणा हृदय प्रदेश में हलचल करती है, जबकि ईर्ष्या उदर में मंथन उत्पन्न करती है। सद्भाव भी वहीं से अंकुरित होता है। प्रेम का अनुभव भी हृदय क्षेत्र में ही होता है।

यह सूक्ष्म जगत् विराट जगत् से जुड़ा हुआ है। शरीर में सात प्रमुख चक्रों के रूप में सात ऊर्जा केंद्र स्थित हैं, जिन्हें सहस्रों सूक्ष्म नाड़ियों का जाल जोड़ता है। आश्चर्य की बात है कि ये सात चक्र भारत के सात पवित्र नगरों से भी संबद्ध माने गए हैं, माया या हरिद्वार, कांची, अयोध्या, मथुरा, काशी, अवंती (उज्जयिनी) और द्वारका।

चक्रों को भौतिक चक्र के रूप में कल्पित न करें। ध्यान के समय केवल सजगता को उन केंद्रों तक ले जाना ही पर्याप्त है। ऐसा करते ही नकारात्मक ऊर्जा क्षीण होने लगती है और सकारात्मक गुण जागृत होते हैं। माया या हरिद्वार, मेरुदंड के आधार पर स्थित मूलाधार चक्र का प्रतीक है। जड़ता के हटते ही उत्साह जागृत होता है और यात्रा आरंभ होती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

नेशनल ब्रीफ

डीजी ने की घाटी में सुरक्षा की समीक्षा

श्रीनगर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के डीजी जीपी. सिंह ने शनिवार को कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और शांति बनाए रखने के लिए सतर्क रुख अपनाने पर जोर दिया। सीआरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि सिंह ने कश्मीर घाटी में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि समीक्षा बैठक के दौरान सिंह ने अर्धसैनिक बल के वरिष्ठ अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले कमांडर के साथ बातचीत की।

2.2 करोड़ के मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार

भरूच। गुजरात के भरूच जिले में किराए के मकान में मेफेड्रोन बनाने की इकाई चलाने के आरोप में रसायन विज्ञान में डिग्री हासिल करने वाले एक युवक (33 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने मकान से 2.2 लाख रुपये मूल्य की मेफेड्रोन जब्त की है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, भरूच एसओजी ने शुक्रवार को अंकलेश्वर जीआईडीसी आवासीय क्षेत्र में स्थित सिद्ध कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के मकान नंबर 301 से अनिल रखोलिया को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र के पालघर में लगे भूकंप के झटके

पालघर। महाराष्ट्र के तटीय जिले पालघर में शनिवार रात 2.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भूकंप के झटके रात 9:11 बजे महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों और खास कर तालसारी तथा धुंधालवाड़ी के भूकंप-संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोग घबरा गए, लेकिन संपत्ति को नुकसान या किसी भी तरह की हताहत की कोई सूचना नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम के अनुसार, भूकंप पांच किलोमीटर की गहराई में महसूस किया गया और इसका केंद्र नासिक से 97 किलोमीटर पश्चिम में स्थित था।

सड़क हादसे में पांच दोस्तों की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत जिले में एक एसयूवी पेड़ से टकरा गई और इस हादसे में पांच दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सातों लोग गोहाना के भावड़ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद शुक्रवार शाम को रोहतक लौट रहे थे और इस दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर में एसयूवी क्षतिग्रस्त हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

राहुल गांधी अपरिपक्व, अर्थव्यवस्था की उन्हें अभी समझ नहीं : गोयल

विपक्ष के पास सरकार की आलोचना के लिए कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व बताते हुए कहा कि उन्हें अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के पास नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना के लिए कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं है, इसलिए वह भ्रामक सूचनाएं फैला रहा है। केंद्रीय बजट पर संवाददाताओं से बातचीत में गोयल ने कहा कि राहुल गांधी सच से हजारों मील दूर हैं और उनके जैसा विश्वनीयता खो चुका नेता चाहे लाख कोशिश कर ले, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी राष्ट्र सेवा को नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है। उसके पास झूठे और मनगढ़ंत दावे करने के अलावा अन्य कोई योजना या समाधान नहीं है। हमारी आलोचना करने का कोई ठोस आधार नहीं है। वे गलत जानकारी फैलाकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई उत्तर से भाजपा के लोकसभा सांसद गोयल ने कहा कि कांग्रेस अपनी सीमाओं को समझने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, वे केवल सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक बातें लिखते हैं। वह सच से मीलों दूर हैं। भारत की कपास उत्पादन क्षमता और आवश्यकता दोनों बढ़ेंगी। कच्चा माल आयात कर उसे प्रसंस्कृत कर निर्यात करना वैश्विक व्यापार में पुराना तरीका है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और कपास व वस्त्र क्षेत्र को लेकर राहुल गांधी की ओर से की गई आलोचना पर पलटवार करते हुए गोयल ने कहा कि जब अपरिपक्व लोग राजनीति में आते हैं तो इस स्तर के आरोप लगाए जाते हैं।

मोदी सरकार ने नुकसान पहुंचाने वाला व्यापार समझौता किया: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली कोई सरकार अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करती जो कपास किसानों और कपड़ा निर्यात दोनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता, लेकिन मोदी सरकार ने इसके बिल्कुल उलट किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार ने व्यापार समझौते के इन पहलुओं को छिपाया भी है। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि 18 प्रतिशत बनाम शून्य प्रतिशत शुल्क। झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस बारे में भ्रम फैला रही है। किस तरह से वे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास उत्पादकों और वस्त्र निर्यातकों को धोखा दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का फायदा दिया जा रहा है, शर्त बस इतनी है कि वे अमेरिकी कपास आयात करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया कि अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये बात देश से छुपाई क्यों गई? कांग्रेस नेता ने कहा कि ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल?

शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच अंतिम चरण में

तिरुवनंतपुरम। केरल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि शबरिमला के भगवान अयप्पा मंदिर में सोने की चोरी से जुड़े मामले में एसआईटी की ओर से की जा रही जांच अंतिम चरण में है और उचित तरीके से आगे बढ़ रही है। चंद्रशेखर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जांच उच्च न्यायालय की निगरानी में की जा रही है, जो उस पर कड़ी नजर रख रहा है।

उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल मामले की अच्छी तरह से जांच कर रहा है। उच्च न्यायालय उचित निगरानी कर रहा है। चंद्रशेखर ने कहा कि एसआईटी की जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है। शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी से जुड़ा मामला द्वारपालकों (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजे की चौखटों पर सोने की अतिरिक्त परत चढ़ाने के काम के दौरान हुई कथित हेराफेरी से उपजा है। उच्च न्यायालय की ओर से गठित एसआईटी द्वारपालकों की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजे की चौखटों से सोना गायब होने से जुड़े मामले की जांच कर रही है।

नमो भारत गलियारे के शेष हिस्से का उद्घाटन 22 को

नई दिल्ली, एजेंसी

- 23 किलोमीटर लंबी मेरठ मेट्रो की शुरुआत भी की जाएगी

दिल्ली के सराय काले खां को मेरठ के मोदीपुरम से जोड़ने वाले 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत गलियारे के शेष हिस्सों का उद्घाटन 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जाने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि नमो भारत के उद्घाटन के साथ-साथ 13 स्टेशन वाली 23 किलोमीटर लंबी मेरठ मेट्रो की शुरुआत भी की जाएगी। दिल्ली में सराय काले खां और न्यू अशोक नगर के बीच पांच किलोमीटर का खंड तथा मेरठ दक्षिण से मोदीपुरम तक 21 किलोमीटर का खंड का काम अब पूरा हो चुका हैं, जिसका उद्घाटन 22 फरवरी को निर्धारित है।

दिल्ली-गाजियाबाद- मेरठ 82 किलोमीटर के गलियारे में सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद, गुलधर, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ और मेरठ साउथ जैसे कई प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की रीढ़ यह गलियारा मार्ग के साथ प्रमुख आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने कहा कि गलियारे का 55 किलोमीटर लंबा हिस्सा पहले से ही चालू है और शेष खंड पूरा होने के करीब है। संचालित हो रहे हिस्से में 11 स्टेशन शामिल हैं। इसमें उल्लेख किया गया है कि एकीकृत कॉरिडोर से आवागमन को बढ़ावा मिलने, सामाजिक-आर्थिक बदलावों को गति मिलने और दिल्ली, गाजियाबाद तथा मेरठ में नए आवासीय और वाणिज्यिक केंद्रों के विकास की उम्मीद है। निगम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नमो भारत मार्ग के साथ-साथ विशेष रूप से मेरठ, गाजियाबाद, मुरादनगर और मोदीनगर में रियल एस्टेट गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। स्टेशन के दो किलोमीटर के दायरे में जमीनों की कीमतों में दो साल में 30-67 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें मेरठ में जमीन की दरें 8,000-12,000 रुपये से बढ़कर 12,000-20,000 रुपये प्रति वर्ग गज हो गई हैं। बिल्डर्स ने नई परियोजनाओं की घोषणा करके बढ़ती मांग का जवाब देना शुरू कर दिया है।

दिल्ली विस ने आतिशी वीडियो विवाद मामले में मांगे दस्तावेज

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसीएस, डीजीपी को पत्र लिख 20 तक रुख स्पष्ट करने को कहा

दिल्ली विधानसभा ने सिख गुरुओं के खिलाफ विपक्ष की नेता आतिशी की कथित टिप्पणी वाले वीडियो को लेकर पंजाब के जालंधर में दर्ज मामले से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग दोहराई है। विधानसभा सचिवालय ने शुक्रवार को पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर मामले में 20 फरवरी तक अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है।

पत्र में पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को जालंधर में दर्ज प्राथमिकी, जिस शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और फॉरेंसिक प्रयोगशाला, सोशल मीडिया विशेषज्ञ तथा पुलिस के तकनीकी प्रकोष्ठ की रिपोर्ट की प्रतियां पेश करने का भी निर्देश दिया गया है। यह मामला जनवरी में दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आतिशी की ओर से कथित तौर पर की गई एक टिप्पणी से उपजा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने आरोप लगाया था कि आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता की टिप्पणी सिख गुरुओं के प्रति अपमानजनक थी। उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही से जुड़ी एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर साझा की थी।

इसी बीच, पंजाब पुलिस ने संबंधित वीडियो क्लिप को साझा किए जाने के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। बाद में इस मामले को दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के निर्देश पर वीडियो क्लिप की फिर से फॉरेंसिक जांच कराई गई, जिसमें दावा किया गया कि वीडियो के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। आतिशी ने विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश दलीलों में अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया है।

कांग्रेस नेता सपकाल ने शिवाजी से की टीपू सुल्तान की तुलना

नागपुर/बुलढाणा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की मैसूर के 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान को छत्रपति शिवाजी महाराज के समकक्ष बताने वाली टिप्पणी को लेकर राज्य में सोमवार को सियासी विवाद खड़ा हो गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सपकाल की तीखी आलोचना करते हुए टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया। जहां एक वर्ग अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में टीपू की वीरता की तारीफ करता है। वहीं, दूसरा वर्ग दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हिंदुओं के साथ दुर्व्यवहार के लिए उनकी आलोचना करता है। इसके विपरीत, शिवाजी को उनकी सैन्य प्रतिभा व परोपकार पर आधारित प्रशासनिक कौशल के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। सपकाल ने मालेगांव की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर हुए विवाद पर बात की, जिसका शिवसेना पार्षदों और हिंदू संगठनों ने विरोध किया था।

भारत रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध

- विदेश मंत्री जयशंकर बोले, अपने हित को ध्यान में रख निर्णय लेंगी भारतीय तेल कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और देश की ऊर्जा खरीद लागत, जोखिम और उपलब्धता जैसे कारकों से तय होगी। जयशंकर ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब अमेरिका ने दावा किया है कि भारत रूसी कच्चे तेल का आयात बंद करने पर सहमत हो गया है।

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ एक संवादात्मक सत्र के दौरान जयशंकर ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार जटिल है और भारत की तेल कंपनियां वही निर्णय लेंगी जो उन्हें अपने सर्वोत्तम हित में लगेगा।

उन्होंने कहा कि हम रणनीतिक स्वायत्तता से पूरी तरह जुड़े हुए हैं क्योंकि यह हमारे इतिहास और हमारे विकास का हिस्सा रही है। यह बहुत गहरी अवधारणा है और यह एक ऐसा मुद्दा है जो राजनीतिक मतभेदों से भी परे है। जयशंकर ने कहा, आज ऊर्जा बाजार बेहद जटिल है। मुझे लगता है कि यूरोप और शायद दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ही भारत की तेल कंपनियां भी उपलब्धता, लागत और जोखिम को देखते हुए निर्णय लेती हैं, जो उन्हें अपने सर्वोत्तम हित में लगता है। विदेश मंत्री उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या भारत किसी व्यापार समझौते के तहत रूसी तेल खरीदना बंद करेगा और क्या ऐसा कदम भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को प्रभावित कर सकता है। भारत ने अभी तक वाशिंगटन के इस दावे की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है कि उसने रूसी कच्चे तेल की खरीद रोकने की प्रतिबद्धता जताई है।

म्यूनिख में जर्मनी के अपने समकक्ष जोहान वाडेफुल के साथ बैठक करते विदेश मंत्री जयशंकर।

संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की जोरदार वकालत

विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की भी जोरदार वकालत की, खासकर उन गहरे परिवर्तनों के संदर्भ में जो दुनिया हाल के वर्षों में देख रही है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दुनिया ने कई झटके झेले हैं, जिनमें कोविड-19 महामारी, यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया में तनाव, चीन का उदय और वैश्विक प्रणालियों पर उसका प्रभाव शामिल है। ये सभी घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र में सुधार की आवश्यकता को और अधिक रेखांकित करते हैं।

हमेशा अपने साझेदारों से सहमति जरूरी नहीं

जयशंकर ने कहा कि भारत स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने का विकल्प बनाए रखता है और हमेशा पश्चिमी साझेदारों से सहमत होना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि हम जरूरी नहीं कि हर मुद्दे पर सहमत हों, लेकिन मुझे विश्वास है कि यदि साझा आधार और समानताओं को तलाशने की इच्छा हो, तो वह संभव है। उन्होंने कहा, यदि आपके प्रश्न का सार यह है कि क्या मैं स्वतंत्र सोच रखूंगा, अपने फैसले खुद लूंगा और ऐसे विकल्प चुनूंगा जो आपकी सोच से मेल न भी खाएं- तो हां, ऐसा हो सकता है।

सिब्बल को मिला था एप्स्टीन का पुरस्कार, जवाब दें राहुल: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा के आरोप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिब्बल ने 2010 में अमेरिका में प्राप्त किया था पुरस्कार

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने 2010 में अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार प्राप्त किया था, जो यौन अपराधों के दोषी जेफ्री एप्स्टीन द्वारा वित्त पोषित था।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस मुद्दे पर जवाब मांगा। आरोपों के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने सत्ताधारी भाजपा के दावे को बकवास बताकर खारिज कर दिया। कांग्रेस ने भी इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि सिब्बल उस कार्यक्रम में एपस्टीन के मेहमान नहीं थे। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि उस समय सिब्बल केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री थे। उन्हें शिक्षा में वैश्विक सहयोग के प्रति उनके दृढ़ समर्थन के लिए समारोह में पुरस्कार दिया गया था।

खेड़ा ने कहा, इसका जेफ्री एप्स्टीन से कोई संबंध नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 2010 में, जेफ्री एप्स्टीन द्वारा कथित तौर पर वित्त पोषित एक पुरस्कार कांग्रेस के (तत्कालीन) वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल को मिला था। सिब्बल को लंबे समय से गांधी परिवार के करीबी के रूप में देखा जाता रहा है। भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की विदेश इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा भी उसी गुट से जुड़े हुए थे। भाजपा प्रवक्ता ने एक्स पर एक दस्तावेज साझा किया, जिसमें कथित तौर पर सिब्बल का नाम न्यूयॉर्क में आयोजित 2010 के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में पित्रोदा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की सूची में था।

नौ राज्य समय से जारी नहीं कर पाए अंतिम मतदाता सूची

नई दिल्ली, एजेंसी

- समय सीमा ब्रेक करने में तीन केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल

मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नौ राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेश निर्धारित समय सीमा में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित नहीं कर पाए। हालांकि, निर्वाचन आयोग (ईसी) के मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान के महत्वाकांक्षी दूसरे चरण के तहत, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी ने शनिवार को अपनी अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी।

पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, अंतिम मतदाता सूची में केंद्र शासित प्रदेश के 9,44,211 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, लक्षद्वीप में 57,607 मतदाता हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण में इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 51 करोड़ मतदाताओं को शामिल किया गया है।

यह प्रक्रिया सात फरवरी को अंतिम मतदाता सूचियों के प्रकाशन के साथ समाप्त होनी थी, लेकिन निर्धारित समय-सीमा में यह कवायद पूरी नहीं हो सकी।

हर-हर महादेव...

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी स्थित समुद्र तट पर महाशिवरात्रि उत्सव की पूर्व संध्या पर शनिवार को रेत से शिव मूर्ति का निर्माण किया।

निसार उपग्रह मिट्टी की नमी का कर रहा आकलन :इसरो

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि भारत-अमेरिका का संयुक्त उपग्रह निसार (एनआईएसएआर) अब हर 12 दिन में 100 मीटर रेजोल्यूशन पर मिट्टी की नमी (सॉइल मॉइस्चर) की लगभग रियल-टाइम निगरानी कर रहा है। इसरो ने जानकारी देते हुए बताया कि नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) एस-बैंड और एल-बैंड में भारतीय भू-भाग की व्यवस्थित इमेजिंग कर रहा है, जिससे उच्च-रिजोल्यूशन वाला और जमीन पर घास का व्यापक डेटा प्राप्त हो रहा है। इस डेटा का उपयोग 100 मीटर रेजोल्यूशन पर मिट्टी की नमी के उत्पाद तैयार करने में सफलतापूर्वक किया गया है। मिट्टी की नमी, फसल स्वास्थ्य, सिंचाई की आवश्यकता और सूखे के जोखिम का प्रमुख संकेतक है, जो भारत की कृषि और जल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एस-बैंड और एल-बैंड दोनों के आंकड़ों से तैयार उत्पाद देश के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों-सिंचित मैदानों, वर्षा-आधारित खेती, अर्ध-शुष्क और उच्च वर्षा क्षेत्रों-में सुसंगत आकलन प्रदान करते हैं। इसरो ने कहा कि निसार के एल-बैंड और एस-बैंड की पूरक क्षमताएं इसे और प्रभावी बनाती हैं-एल-बैंड वनस्पति के भीतर गहराई तक प्रवेश और बेहतर संवेदनशीलता देता है, जबकि एस-बैंड सतही स्तर पर अधिक सूक्ष्म विवरण प्रदान करता है। संयुक्त दोहरी-आवृत्ति आधारित उत्पाद विविध कृषि परिदृश्यों में अधिक सुदृढ़ परिणाम देते हैं।

बदलाव

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पारित किया प्रस्ताव

पीएमओ का सेवा तीर्थ में स्थानांतरण अतीत व भविष्य का संगम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक से नवनिर्मित सेवा तीर्थ में स्थानांतरित करने के उपलक्ष्य में एक प्रस्ताव पारित किया है और इसे गुलामी के अतीत से विकसित भारत के भविष्य की ओर एक कदम बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की शुक्रवार को साउथ ब्लॉक में हुई आखिरी बैठक के बाद यह प्रस्ताव पारित किया गया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को प्रस्ताव की विषय वस्तु संवाददाताओं के साथ साझा की। प्रस्ताव में कहा गया कि आज हमें खुशी है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक आखिरी बार साउथ ब्लॉक के इस कक्ष में हो रही है। यह केवल स्थान परिवर्तन का क्षण नहीं है बल्कि यह इतिहास और भविष्य के मिलन का भी क्षण है। इसमें कहा गया कि प्रतीकात्मक रूप से, यह देश का गुलामी के अतीत से विकसित भारत के भविष्य की ओर एक और कदम है।

बीते वर्षों में, देश में सत्ता की संस्कृति के स्थान पर सेवा की संस्कृति मजबूत हुई है। आज का यह परिवर्तन इन मूल्यों को और भी सुदृढ़ करेगा। वैष्णव ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक का निर्माण किया था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद भी लगातार सरकारों ने इन इमारतों का इस्तेमाल अपने कार्यालय के लिए किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश राज के दौरान निर्मित नॉर्थ और साउथ

ब्लॉक ने स्वतंत्रता के बाद शासन के केंद्र के रूप में कार्य किया और 16 प्रधानमंत्रियों के अधीन ऐतिहासिक निर्णयों के साक्षी रहे, जिन्होंने भारत को एक सुरक्षित, आत्मविश्वासी और अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रस्ताव में कहा गया कि आधुनिक, सेवा-उन्मुख शासन की ओर बदलाव को दर्शाते हुए, मंत्रिमंडल ने संकल्प लिया कि ये भव्य इमारतें (नॉर्थ और साउथ ब्लॉक) युग-युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय का हिस्सा बनेंगी, जो भारत की सभ्यतागत विरासत को संरक्षित करेगा और आशा करता है कि यह हमारी हजारों साल पुरानी सभ्यता से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस संग्रहालय में हमारी शाश्वत और अमर सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया जाएगा और हमारे गौरवशाली अतीत को समृद्ध भविष्य से जोड़ेगा।

पंडित नेहरू से नरेंद्र मोदी तक के पदचिह्न इसकी सीढ़ियों पर अंकित

प्रस्ताव के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने शासन के केंद्र को औपनिवेशिक अतीत से नए भारत के सेवा तीर्थ में परिवर्तित किया है। इसमें कहा गया कि नॉर्थ और साउथ ब्लॉक का निर्माण अंग्रेजों द्वारा भारत को औपनिवेशिक शासन की जंजीरों में जकड़े रखने के लिए किया गया था। इस परिसर ने गुलामी से लेकर आजादी और फिर स्वतंत्र भारत तक की कई ऐतिहासिक घटनाओं को देखा और आकार दिया है। इस परिसर ने देश के 16 प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में गठित मंत्रिमंडलों द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को भी देखा है। इसमें कहा गया है कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक के पदचिह्न इसकी सीढ़ियों पर अंकित हैं।

रेल, सड़क प्रोजेक्ट को मंजूरी से परिवहन लागत में आएगी कमी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से एक दिन पहले लिए गए फैसलों से बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और लोगों का जीवन आसान होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की शुक्रवार शाम आयोजित बैठक में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के सिलसिले में कई निर्णय लिए गए। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के विभिन्न जिलों को कवर करने वाली तीन बहु परिवहन परियोजनाओं को मंत्रिमंडल की मंजूरी से रेल बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, परिवहन लागत में कमी आएगी और हमारे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

11,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और गुजरात में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। शनिवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने शुक्रवार को 3,320 .38 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत पर महाराष्ट्र में एनएच-160ए के घोटी-त्र्यंबक-जवाहर-मनोर-पालघर खंड के पुनर्वास और उन्नयन को मंजूरी दे दी।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2595, राज श्री 1900, फ़ॉर्चून कि. 2410, रविन्द्रा 2510, फॉर्चुन 13kg 2130, जय जवान 2110, सचिन 2190, सूरज 2110, अवसर 1940, उजाला 1920, गृहणी 13 kg 1960, क्लासिक (kg) 2310, मोर 2305, चक्र टिन 2360, ब्लू 2200, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2550

किराना – महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000–21000, धनिया 11000–12000, अजवायान 14000–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 10000–20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 800–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350–400, मखाना 950–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी – पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260

बरेली सर्राफा –(प्रति 10 ग्राम) गोल्ड (पक्के जेवर) 160000, गोल्ड (गिन्नी जेवर) 156000, सिल्वर (पक्की) 2525 (अनुमानित)।

शहरी अवसंरचना के लिए एक लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय सहायता के साथ यूसीएफ शुरू करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शहरी अवसंरचना को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए शनिवार को एक लाख करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता के साथ अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) शुरू करने को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी, बशर्ते कि परियोजना के लिए कम से कम 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया गया हो।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस पहल से अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। यह कदम भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसके तहत अब अनुदान-आधारित वित्तपोषण के बजाय बाजार से जुड़े, सुधार-आधारित और परिणाम-उन्मुख बुनियादी ढांचे के

- बाजार से जुटाए 50% धन के बाद केंद्र परियोजना लागत का 25% हिस्सा करेगी वहन

निर्माण पर जोर दिया जाएगा। शहरी अवसंरचना के विकास पर केंद्रित यह कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्तपोषण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का लक्ष्य शहरों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति सुदृढ़, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल बनाना है, ताकि उन्हें देश की आर्थिक वृद्धि के अगले चरण के प्रमुख चालक के रूप में स्थापित किया जा सके। यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक प्रभावी रहेगा, जिसे वित्त वर्ष 2033-34 तक बढ़ाया जा सकता है। यह योजना बजट 2025-26 के उस दृष्टिकोण को लागू करती है जिसमें शहरों को वृद्धि के केंद्र के रूप में विकसित करने और शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास का प्रस्ताव दिया गया था।

चैलेंज मोड से होगा परियोजनाओं का चयन

सरकार के अनुसार, परियोजना के वित्तपोषण का कम-से-कम 50 प्रतिशत हिस्सा म्यूनिसिपल बॉण्ड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) जैसे बाजार स्रोतों से जुटाना अनिवार्य होगा। शेष हिस्सा राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों या शहरी स्थानीय निकायों द्वारा वहन किया जा सकता है। परियोजनाओं का चयन पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी ''चैलेंज मोड'' से किया जाएगा। यह कोष 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों, सभी राज्यों की राजधानियों और एक लाख से अधिक आबादी वाले प्रमुख औद्योगिक शहरों को कवर करेगा। साथ ही, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के सभी शहरी स्थानीय निकायों और एक लाख से कम आबादी वाले छोटे निकायों को ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना के तहत सहायता दी जाएगी।

5,000 करोड़ की ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना

परियोजनाओं का मूल्यांकन उनके आर्थिक, सामाजिक और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रभाव, रोजगार सृजन, सुरक्षा और स्वच्छता जैसे मानकों पर किया जाएगा। पूर्वोत्तर, पहाड़ी राज्यों और छोटे निकायों को बाजार से कर्ज लेने में मदद करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत पहले ऋण के लिए सात करोड़ रुपये या ऋण राशि का 70 प्रतिशत (जो भी कम हो) की केंद्रीय गारंटी दी जाएगी। पहले ऋण का सफलतापूर्वक पुनर्भुगतान करने पर, अगले कर्ज के लिए सात करोड़ रुपये या ऋण राशि का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, उसकी केंद्रीय गारंटी प्रदान की जाएगी।

अमेरिकी समझौते से भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धी दाम पर कच्चा तेल

मुंबई, एजेंसी

- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर सहमत
- केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- व्यापार में कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी ऊर्जा जरूरतें शामिल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता देश की ऊर्जा जरूरतों को भी शामिल करेगा और इससे भारत को कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर हासिल करने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है और सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 500 अरब डॉलर के व्यापार में कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी भारत की ऊर्जा जरूरतें भी शामिल होंगी। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और इसकी ऊर्जा मांग प्रतिवर्ष लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। आयात बढ़ाने और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या अधिक होने से कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर प्राप्त किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका ने पिछले सप्ताह एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति की घोषणा की थी, जिसके तहत कई वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती कर द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पर आयात शुल्क खत्म कर देगा या उसमें कटौती करेगा।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत वर्तमान में करीब 14 करोड़ टन इस्पात का वार्षिक उत्पादन करता है और आने वाले वर्षों में इसे दोगुना करने की उम्मीद है। इसके लिए देश को इस्पात निर्माण में प्रयुक्त विशेष कोयला कोकिंग कोल की जरूरत होगी, जिसका आयात फिलहाल लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का है और इसके तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत कोकिंग कोल के आयात के लिए दो-तीन देशों पर निर्भर है और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या बढ़ने से प्रतिस्पर्धी मूल्य और आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित होगी। गोयल ने कहा कि अमेरिका बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी और वितरण से जुड़े उत्पादों में मजबूत है और भारत इन क्षेत्रों में अधिक पहुंच चाहता है ताकि डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में विस्तार किया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) निर्यात फिलहाल करीब 200 अरब डॉलर (करीब 18 लाख करोड़ रुपये) है और उन्नत अमेरिकी उपकरणों तक पहुंच से इस क्षेत्र में और बढ़ोतरी होगी। इस तरह आईटी निर्यात लगभग 45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

जियो समेत 10 देशों की 15 टेक कंपनियों ने बनाया ट्रस्टेड टेक एलायंस

म्यूनिख, एजेंसी

- जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान एलायंस का किया गया एलान

रिलायंस जियो समेत अफ्रीका, एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की 15 अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने ट्रस्टेड टेक एलायंस (टीटीए) के गठन की घोषणा की है। जियो ने शनिवार को बताया कि यह गठबंधन संचार सुविधा, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और सत्यापित मानक विकसित करने के लिए साथ आये हैं। एलायंस में भारत की ओर से जियो प्लेटफॉर्म्स शामिल है।

जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान इस एलायंस का एलान किया गया। गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी जैसी कुल 15 कंपनियां शामिल हैं। भविष्य में और कंपनियों को इससे जोड़ा जायेगा तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संप्रभुता, प्रतिस्पर्धात्मकता और लचीले डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा।

लॉन्च के मौके पर जियो प्लेटफॉर्म्स के सीईओ किरण थॉमस ने कहा कि विश्व स्तर पर डिजिटल विकास को गति देने के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और पारदर्शी प्रौद्योगिकी जरूरी है। जियो प्लेटफॉर्म्स को टेक्नोलॉजी स्टैक में साझा मानक और सत्यापित किए जा सकने वाले तौर-तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्टेड टेक एलायंस में शामिल होने पर गर्व है। इस पहल के जरिये हम वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की संचार सुविधा, क्लाउड और एआई प्रणालियों में दीर्घकालिक भरोसा कायम करना चाहते हैं। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर और प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में समान सोच वाली कंपनियों का साथ आना जरूरी है, ताकि सीमाओं के पार तकनीक में भरोसा और उच्च मानक कायम रह सके। एरिक्सन के सीईओ बोर्ये एकहोम ने कहा कि कोई एक कंपनी या देश अकेले सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल ढांचा नहीं बना सकता, इसके लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। एलायंस के तहत सदस्य कंपनियों ने पांच प्रमुख सिद्धांतों पर सहमति जताई है।

एग्री-टेक मेला

श्रीनगर। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शालीमार परिसर में तीन दिवसीय एग्री-टेक मेले 'गोंगुल-2026' का भव्य आगाज हुआ। इस वर्ष मेले की थीम 'नेक्स्ट-जेन एग्रीकल्चर : मेरा उत्पाद-मेरी कीमत' रखी गई है। मेले में एक उद्यमी द्वारा पिरामिड के आकार के स्टॉल में सजाए गए कश्मीरी सेब आगंतुकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विभिन्न स्टार्टअप्स व उद्यमियों के स्टॉलों का निरीक्षण कर उनके नवाचारों की सराहना की। मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं।

चावल सस्ता, चीनी महंगी खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव घट गए। गेहूं में टिकाव रहा जबकि चीनी की कीमत बढ़ गयी। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 106 रुपये घटकर 3,753 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 2,856 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा 23 रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। मसूर दाल औसतन 83 रुपये सस्ती हुई। चना दाल 68 रुपये और तुअर दाल 29 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। वहीं, उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल औसतन 186 रुपये और पाम ऑयल 173 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

न्यूज ब्रीफ

सिग्नेचर वाणिज्यिक परियोजना में करेगी 7,500 करोड़ निवेश

नई दिल्ली। जमीन, मकान के विकास से जुड़ी प्रमुख कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड ने गुरुग्राम में बड़ी वाणिज्यिक परियोजना विकसित करने के लिए आरएमजेड ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम बनाया है। इस परियोजना में कुल मिलाकर 7,500 करोड़ का निवेश किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल और बेंगलुरु की कंपनी आरएमजेड ग्रुप ने गुरुग्राम में सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर 18 एकड़ में व्यावसायिक परियोजना विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम बनाया है।

जीएमआर एयरपोर्ट्स का लाभ 14 % घटा

नई दिल्ली। दिल्ली और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डों का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत घटकर 173 .96 करोड़ रुपये रहा। जीएएल ने शेयर बाजार को अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के इस नतीजे की सूचना दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 202 .10 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

ट्रेनेस का अधिग्रहण करेगी इक्सिगो

नई दिल्ली। यात्रा बुकिंग पोर्टल इक्सिगो के निदेशक मंडल ने स्पेन के दूसरे सबसे बड़े ट्रेन बुकिंग मंच ''ट्रेनेस'' में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1.17 करोड़ यूरो (125 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने संबंधी बाध्यकारी समझौते को मंजूरी दे दी है।

रेरा से पहले के अटके प्रोजेक्ट के लिए विशेष कोष का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को संकेत दिया कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के कार्यान्वयन से पहले की रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम रियल एस्टेट उद्योग के उन सुझावों के अनुरूप है जिनका उद्देश्य प्रवर्तकों और घर खरीदारों, दोनों के लिए लाभप्रद समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने रियल एस्टेट निकाय नारेडको की तरफ से आयोजित 'नेशनल अर्बन एंड रियल एस्टेट डेवलपमेंट कॉन्क्लेव' के दूसरे दिन निम्न आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणियों में किफायती आवास के वित्तपोषण के लिए धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना के विषय पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समाज के निर्धन वर्गों के लिए धन जुटाने हेतु ऐसे प्रस्तावित धर्मार्थ संस्थानों में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व योगदान के माध्यम से राशि व्यवस्थित की जा सकती है, क्योंकि बैंकिंग और वित्तीय संस्थान इस वर्ग की सहायता में बहुत कम सक्रिय रहते हैं। नारेडको की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, मनोहर लाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उसके आसपास की लगभग 700-750 झुग्गी बस्तियों का सरकार द्वारा विकास किया जाएगा।

भारत ने जलवायु कार्रवाई के लिए बढ़ाई प्रतिबद्धता, जीडीपी का 5.6% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- छह साल पहले जीडीपी का लगभग 3.7 प्रतिशत जलवायु सुरक्षा पर खर्च होता था

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत ने पिछले छह वर्षों में जलवायु कार्रवाई पर खर्च बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.6 प्रतिशत कर दिया है, जो कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के राष्ट्रीय प्रयास को दर्शाता है।

सीतारमण ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक समिति की चर्चा में शिरकत करते हुए कहा कि भारत ने जलवायु कार्रवाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता बढ़ा दी है। छह साल पहले भारत अपने जीडीपी का लगभग 3.7 प्रतिशत जलवायु सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण पर खर्च करता था। आज यह खर्च बढ़कर करीब 5.6 प्रतिशत हो गया है। हमने इसके लिए आवश्यक धन पहले ही निवेश कर दिया है। हम किसी और देश या स्रोत से वित्त या प्रौद्योगिकी मिलने का इंतजार नहीं कर रहे हैं, लेकिन ये संसाधन उपलब्ध होना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना जारी रखेगा और हम उस प्रतिबद्धता पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्बन नियंत्रण रणनीतियों को केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्तपोषित किया गया है ताकि उन्हें पूरे देश में लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत ने नवीकरणीय क्षेत्र में अपनी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित प्रतिबद्धताओं में से दो-तिहाई हासिल कर ली है और वह भी लक्ष्य तिथि से चार साल पहले। सीतारमण ने कहा कि जो देश कम प्रदूषण फैला रहे हैं, उन्हें जलवायु कार्रवाई में कम योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितना ध्यान हम उत्सर्जन नियंत्रण पर देते हैं, उतना ही हमें जुझारूपन और अनुकूलन की ओर भी देखना होगा। ऐसा नहीं होने पर हमें बहुत कुछ खोना पड़ सकता है। प्रौद्योगिकियों का आपस में समन्वय करना होगा।

अंतरिक्ष क्षेत्र की न्यू स्पेस इंडिया व गैलेक्सआई में करार

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने बेंगलुरु स्थित निजी स्पेस-टेक स्टार्टअप गैलेक्सआई के साथ एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत, एनएसआईएल अब गैलेक्सआई के उन्नत उपग्रह इमेजरी समाधानों की वैश्विक स्तर पर बिक्री करेगी। इसके साथ ही गैलेक्सआई 'डेटा पुनर्विक्रय साझेदारी' (डाटा रिसेल पार्टनरशिप) के तहत सरकारी निकाय के साथ जुड़ने वाली पहली निजी भारतीय उपग्रह संचालक बन गई है।

मुख्य बातें

सटीक डेटा समाधान : गैलेक्सआई के सिंकफ्यूज्ड ऑप्टो-सार डेटा उत्पादों का उपयोग कृषि, आपदा प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।

व्यापक पहुंच : गैलेक्सआई के सीईओ सुयश सिंह के अनुसार, इस सहयोग से देश की रणनीतिक प्राथमिकताओं को बल मिलेगा और उन्नत 'अर्थ ऑब्जर्वेशन' क्षमताएं बड़े उपयोगकर्ता समूह तक पहुंच सकेंगी।

मील का पत्थर : अधिकारियों ने इसे भारतीय अंतरिक्ष नीति का एक बड़ा पड़ाव बताया है, जहां सरकारी और निजी संस्थाएं वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए साथ काम कर रही हैं।

हादसे रोकने में मददगार बनी एआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- झपकी लेते हुए गाड़ी चलाने की घटनाओं में भी 74 प्रतिशत की गिरावट आई

भारत में फैली 64 लाख किलोमीटर लंबी सड़कों पर होने वाली जानलेवा दुर्घटनाओं को कम करने में अब एआई का भी बखूबी इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्ष 2024 में सड़क हादसों में 1,77,177 लोगों की मौत का आंकड़ा मानवीय निगरानी की सीमाओं को स्पष्ट करता है।

प्रतिदिन औसतन 485 लोगों की मौत का आंकड़ा बताता है कि भारतीय सड़कों की जटिलता, मिश्रित यातायात और अप्रत्याशित ड्राइविंग व्यवहार इसे विश्व की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक बनाते हैं। यद्यपि, 'विजन-आधारित एआई' की नयी लहर अब इस परिदृश्य को फॉरेंसिक विश्लेषण से हटाकर वास्तविक समय में हस्तक्षेप की ओर ले जा रही है। यह प्रौद्योगिकी भारतीय सड़कों की अव्यवस्था को बाधा के स्थान पर समृद्ध प्रशिक्षण डेटा के रूप में प्रयुक्त कर रही है। नेट्राडाइन के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) तेजा गुडेना बताते हैं कि एआई कैमरे कोचिंग सिस्टम' के रूप में कार्य करते हैं जो चालक के व्यवहार का वास्तविक समय में विश्लेषण करते हैं। ये प्रणालियां असुरक्षित दूरी पर वाहन चलाना, लेन का उल्लंघन और मोबाइल के उपयोग जैसे प्रतिरूपों को पहचानती हैं। जोखिम बढ़ने पर प्रणाली केबिन के भीतर तत्काल अलर्ट जारी करती है, जिसका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि समय रहते हस्तक्षेप करना है। पारंपरिक कैमरों के विपरीत, यह प्रणाली पलकों के झपकने की आवृत्ति जैसे सूक्ष्म शारीरिक संकेतों को पहचानकर झपकी आने से पूर्व ही चालक को सचेत कर देती है।

आंकड़ों के अनुसार, इस प्रौद्योगिकी के उपयोग से 'हिताची कैश मैनेजमेंट' जैसी कंपनियों ने दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की है। साथ ही, झपकी लेते हुए गाड़ी चलाने की घटनाओं में भी 74 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्तमान में यह प्रौद्योगिकी 3,000 से अधिक व्यावसायिक वाहनों के बेड़े में विस्तारित हो रही है।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग का भारत दौरा रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज चिप विनिर्माता एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने के लिए प्रस्तावित भारत दौरा रद्द कर दिया है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि एनवीडिया ने कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हुआंग का दौरा रद्द कर दिया है, लेकिन कंपनी अपना एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन में भेज रही है। उन्होंने कहा कि हुआंग का दौरा रद्द होने के संबंध में जानकारी शनिवार शाम को प्राप्त हुई। एनवीडिया अपने तेज प्रोसेसिंग वाले जीपीयू सर्वर के कारण वैश्विक एआई पारिस्थितिकी में दबदबा रखने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

पैन कार्ड में सुधार करना हुआ आसान

घर बैठे इन स्टेप्स से करें अपडेट

बरेली, अर्थ डेस्क। स्थायी खाता संख्या यानी पैन कार्ड आज के समय में एक अनिवार्य वित्तीय दस्तावेज है। यदि यहां दर्ज नाम, जन्मतिथि अथवा और कोई बदलाव या गलती होती है तो बैंकिंग और सरकारी कामों में रुकावट आ सकती है। आयकर विभाग ने अब पैन कार्ड में सुधार की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और सरल बना दिया है। अब आप घर पर ही ऑनलाइन अपनी पैन कार्ड में संशोधन कर सकते हैं।

अपडेट करने की स्टेप-दर-स्टेप इस प्रक्रिया का करें पालन

- आधिकारिक पोर्टल पर जाएं : सबसे पहले Protean (पूर्व में NSDL) या UTIITSL की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।
- एप्लिकेशन टाइप चुनें : 'Services' सेक्शन में 'PAN' पर क्लिक करें। इसके बाद 'Change/Correction in PAN Data' विकल्प को चुनें।
- विवरण भरें : अपना नाम, मौजूदा पैन नंबर, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करें। रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक टोकन नंबर मिलेगा, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।
- सुधार वाले बॉक्स को टिक करें : फॉर्म भरते समय उन कॉलम के सामने बने बॉक्स को टिक (Select) करें जिनमें आपको बदलाव करना है (जैसे- नाम या फोटो)।
- दस्तावेज़ अपलोड करें : पहचान प्रमाण (Identity Proof), पता प्रमाण (Address Proof) और जन्मतिथि के प्रमाण के लिए आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।
- शुल्क का भुगतान : सुधार के लिए निर्धारित शुल्क (भारत में पते के लिए लगभग 110) का भुगतान ऑनलाइन करें।

- ई-केवाईसी और वेरिफिकेशन : आधार के जरिए ओटीपी (OTP) आधारित e-KYC का विकल्प चुनें। यह सबसे तेज और पेपरलेस तरीका है।
- एक्नॉलेजमेंट नंबर : प्रक्रिया पूरी होने पर 15 अंकों का एक्नॉलेजमेंट नंबर मिलेगा, जिससे आप अपने आवेदन का स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं

मुंबई में निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का स्लैब गिरने से एक व्यक्ति की मौत

● मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर को हुई घटना में तीन लोग घायल

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन-चार के पुल का स्लैब कुछ वाहनों पर गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोपहर बाद एलबीएस रोड पर जॉनसन एंड जॉनसन फैक्टरी के पास गर्डर पुल की पैरापेट दीवार का एक स्लैब एक ऑटो रिक्शा और स्कोडा कार पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

दमकल विभाग के अधिकारी ने मृतक की पहचान रामधन यादव और घायलों की पहचान राजकुमार इंद्रजीत यादव, महेंद्र प्रताप यादव और दीपा रुहिया के रूप में की। राजकुमार की हालत गंभीर है और उसे पास के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जबकि महेंद्र व दीपा की स्थिति स्थिर बताई गई है। मुंबई महानगर क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण ने बताया कि दोपहर 12: 15 बजे पियर-196 के पास, मुलुंड दमकल केंद्र के नजदीक दीवार का एक हिस्सा वहां से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर गिर गया। मेट्रो परियोजना की टीम बीएमसी अधिकारियों के साथ राहत कार्यों में जुटी है। हादसे के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दक्षिण-मध्य मुंबई के वडाला से पड़ोसी जिले ठाणे तक लाइन-चार का निर्माण किया जा रहा है और इसका बड़ा हिस्सा घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले एलबीएस रोड के ऊपर से गुजरता है।

इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

चीन सीमा के करीब देश की सामरिक शक्ति में शनिवार 14 फरवरी 2026 को एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से असम के डिब्रूगढ़ जिले में मोरान बाईपास पर बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर उतरे। प्रधानमंत्री मोदी की लैंडिंग के साथ ही हाइवे पर स्थित यह पट्टी वायुसेना के रणनीतिक नेटवर्क का हिस्सा बन गई। पीएम मोदी भारतीय वायुसेना के सी–130जे सुपर हरक्यूलिस विमान से हाइवे पर बने इस 4 .2 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप (इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी) पर उतरे। यह सुविधा न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्यों में भी गेम–चेंजर साबित होगी। आइए जानते हैं देश में यह सुविधा और कहां है और इसके क्या लाभ हैं।

युद्ध व शांति का सारथी

क्या है इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

● ईएलएफ यानी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी युद्ध और आपात स्थिति में वैकल्पिक रनवे की सुविधा है। जहां हाईवे पर पट्टी बनाई जाती है। जो कि युद्ध या आपातकाल में लड़ाकू विमानों, ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकॉप्टरों के लिए वैकल्पिक लैंडिंग की जगह देती है। ईएलएफ 40 टन तक के फाइटर विमान और 74 टन तक के अधिकतम भार वाला परिवहन विमान को संभालने में सक्षम है।

● सरकार की देशभर में 28 ईएलएफ बनाने की योजना है। फिलहाल असम को छोड़कर देश में पांच जगह इमरजेंसी लैंडिंग की सुविधा है। असम में यह सुविधा का शुरू होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चीन सीमा के काफी पास है, जो कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

विशेषताएं एवं क्षमता

● विमानों की क्षमता : असम की इस 4 .2 किमी लंबी एयरस्ट्रिप पर 40 टन तक के लड़ाकू विमान (जैसे राफेल, सुखोई–30 एमकेआई) और 74 टन तक के भारी मालवाहक विमान (जैसे सी–130जे) आसानी से उतर और उड़ान भर सकते हैं।

● रणनीतिक स्थान : यह चीन सीमा (एलएसी) से लगभग 300 किमी और म्यांमार सीमा से 200 किमी की दूरी पर स्थित है, जो युद्ध की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है।

● लागत : मोरान ईएलएफ को लगभग 100 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है।

देश में इन पांच जगहों पर सुविधा

● राजस्थान के बाड़मेर (एनएच–925ए) ● यूपी के आगरा–लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे ● ओडिशा के बालासोर (एनएच–16) ● आंध्र प्रदेश के नेल्लोर (एनएच–16)

प्रधानमंत्री मोदी हाईवे रनवे पर उतरने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उद्घाटन के दौरान राफेल और सुखोई विमानों ने शानदार हवाई प्रदर्शन किया।

ईएलएफ के मुख्य फायदे

● रणनीतिक बढ़त : यदि युद्ध के समय दुश्मन मुख्य वायु सेना ठिकानों (एयर बेस) को निशाना बनाता है, तो ये राजमार्ग वैकल्पिक रनवे के रूप में काम आएंगे।

● आपदा राहत : भूकंप या बाढ़ जैसी आपदाओं में, जब पारंपरिक हवाई अड्डे बाधित हों, तब इन स्ट्रिप्स के जरिए राहत सामग्री और रेस्क्यू टीमों को सीधे प्रभावित इलाकों तक पहुंचाया जा सकता है।

● लागत प्रभावी : अलग से बड़े रनवे और बुनियादी ढांचे के बजाय मौजूदा राजमार्गों का उपयोग करना किफायती और व्यावहारिक है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नौका पर अमेरिकी हमले में तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कैरेबियाई सागर में फिर एक नौका पर हमला किया है। अमेरिका के दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह नौका कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों से गुजर रही थी और इसके जरिए तस्करी की जा रही थी। उसने हमले में तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। पोस्ट के साथ साझा किए गए एक वीडियो में एक नौका पानी में जाती दिखाई दे रही है और अचानक आग लगने के बाद विस्फोट हो जाता है।

नोबेले विजेता नरगिस की तबीयत बिगड़ी

पेरिस। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत लगातार खराब हो रही है। यह जानकारी उनके पति ताघी रहमानी ने दी। रहमानी ने पेरिस में अपने घर पर कहा कि 12 दिसंबर को ईरान के पूर्वी शहर मशहद की यात्रा के दौरान उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद से वह उनसे बात नहीं कर पाए हैं। रहमानी ने कहा कि नरगिस की खराब सेहत की जानकारी रिहा किए गए बंदियों से मिली है, जिन्हें उनकी पत्नी के साथ रखा गया था।

रूसी नेता नवलनी को दिया गया था जहर

लंदन। पांच यूरोपीय देशों ने दावा किया कि रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को प्राण घातक जहर दिया गया था और इसके लिए रूस की सरकार जिम्मेदार है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालयों ने शनिवार को कहा कि दो साल पहले दिवंगत हुए नवलनी के नमूनों के विश्लेषण से एपाइबेटिडाइन की पुष्टि हुई है। यह दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों में पाया जाने वाला एक विष है।

तीन कोबरा कमांडो के साथ चार की मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक को कार ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से कार में सवार सीआरपीएफ के तीन जवानों और एक चालक की मौत हो गई जबकि एक अन्य जवान घायल हो गया। एसपी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि दुर्घटना जगदलपुर–रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमतरी बाईपास के पास खपरी गांव में सुबह करीब आठ बजे हुई। कार में सीआरपीएफ की विशिष्ट इकाई कोबरा के कमांडो शामिल थे। मृतक कोबरा की 201वीं बटालियन के जवान थे।

ट्रंप बोले-ईरान में सत्ता का परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी, जो संभव है

अमेरिकी राष्ट्रपति ने फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के दौरान की टिप्पणी

● ईरान को लेकर ट्रंप का अब तक का सबसे स्पष्ट बयान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है। जो देश के धार्मिक नेतृत्व को हटाने के समर्थन में उनके अब तक के सबसे स्पष्ट बयानों में से एक को दर्शाता है। ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के तुरंत बाद कीं और इससे पहले दिन में उन्होंने पुष्टि की थी कि वह मध्य पूर्व में दूसरा विमानवाहक पोत समूह तैनात कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के साथ परमाणु समझौता न होने पर बेहद भयावह परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने अतीत के सैन्य हमलों और संभावित परिणामों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, ईरान के साथ हमें समझौता करना ही होगा, अन्यथा यह बेहद-बेहद भयावह होगा। उन्हें पहली बार में ही समझौता कर लेना चाहिए था लेकिन उन्हें इसके बजाय मिडनाइट हैमर मिला। उन्होंने दशकों की कूटनीति की आलोचना करते हुए कहा, पिछले 47 वर्षों से वे सिर्फ बातें करते रहे हैं। इस बीच हमने बहुत सी जानें गंवाई हैं... पैर, हाथ, चेहरे सब उड़ गए। यह संघर्ष बहुत लंबा चल रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि वे पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेज रहे हैं और कहा, अगर इस्लामिक गणराज्य के साथ हमारा कोई समझौता नहीं होता तो हमले की राह खुली है।

जब उनसे पूछा गया कि ईरान का नेतृत्व कौन संभालेगा, तो उन्होंने कहा, कुछ लोग हैं लेकिन कोई विशिष्ट जानकारी नहीं दी।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अभी तक राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मादुरो पर कार्रवाई ने दिखाई अमेरिकी ताकत

फोर्ट ब्रैग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले अमेरिकी विशेष बलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले महीने की गई इस कार्रवाई से पूरी दुनिया ने अमेरिका की पूर्ण सैन्य शक्ति को देखा और इससे यह सुनिश्चित हुआ कि दुनियाभर के संभावित शत्रु हमसे डरें। ट्रंप ने फोर्ट ब्रैग के सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए कहा, आपके कमांडर–इन–चीफ पूरी तरह आपका समर्थन करते हैं। जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे आप जीतेंगे। राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी तौर पर भी मुलाकात कीं। राष्ट्रपति ने कहा, उस रात पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिकी सेना क्या कर सकती है। यह अभियान इतना सटीक और अविश्वसनीय था। ट्रंप ने कहा, जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, हम दुनिया की सबसे बेहतरीन सेना होंगे।

तेहरान पर दबाव बढ़ाएं वैश्विक नेता

म्यूनिख। ईरान के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे देश के निर्वासित शहजादे रजा पहलवी ने कहा है कि यदि लोकतांत्रिक देश चुपचाप देखते रहे तो ईरान में और अधिक मौतें होने की संभावना है। पहलवी के समर्थक शनिवार को जर्मनी के म्यूनिख में एकत्रित विश्व नेताओं से उम्मीद कर रहे थे कि वे ईरानी सरकार पर बदलाव के लिए दबाव बढ़ाएंगे। ईरान के अपदस्थ शाह के पुत्र पहलवी ने शनिवार को म्यूनिख में चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक देश चुपचाप देखते रहे तो ईरान में और अधिक मौतें होने की संभावना है। वर्ष 1979 में देश छोड़ चुके पहलवी ने कहा, हम इस संकट की घड़ी में यह पूछने के लिए एकत्रित हुए हैं कि क्या दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी?

राहुल गांधी की झूठ बोलकर गुमराह करने की नीति जान चुकी है जनता

● पुडुचेरी में भाजपा की रैली में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

कराईकल (पुडुचेरी), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों एवं भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश के किसानों और मछुआरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर किसानों एवं मछुआरों को गुमराह करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने आरोप लगाया कि गांधी ने रोजाना झूठ बोलने की एक नई परंपरा शुरू कर दी है। पुडुचेरी के कराईकल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि झूठ बोलना, जोर-जोर से झूठ बोलना और उसे दोहराना राहुल गांधी की नीति है। लेकिन लोग आपकी झूठ गढ़ने वाली फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। उनका इरादा झूठ बोलकर भ्रम फैलाना है। शाह ने कहा कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों के अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। राहुल गांधी से एफटीए और व्यापार समझौते के प्रावधानों को ध्यानपूर्वक पढ़ने का आग्रह करते हुए शाह ने दोहराया कि भारतीय हितधारकों के हितों को 100 प्रतिशत सुनिश्चित किया गया है। मछुआरों को एफटीए से लाभ होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान किसानों के हितों को बेच दिया गया था।

पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी के दीवार लेखन अभियान के तहत एक दीवार पर पार्टी के चुनाव प्रतीक कमल बनाते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

कांग्रेस नेतृत्व की सरकार पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों, पशुपालन से जुड़े भाइयों और बहनों एवं मछुआरों को 100 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। भाजपा के शीर्ष नेता ने भ्रष्टाचार को लेकर वी. नारायणसामी के नेतृत्व वाली पुडुचेरी की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार (2016 से 2021) को निशाना बनाया और कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में 15,000 करोड़ रुपये का पूरा विकास कोष हड़प लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू हो चुकी है।

एक ही दिन में दो विमानों को मिली बम की धमकी

कोलकाता। कोलकाता से शिलांग जाने वाले विमान में बम होने की खबर के कुछ घंटों के बाद शनिवार शाम को डिब्रूगढ़-कोलकाता उड़ान के शौचालय में एक संदिग्ध संदेश मिला। शिलांग जाने वाले इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। डिब्रूगढ़ से इंडिगो की उड़ान 6ई 6894 शाम 7:37 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरी, सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया। लिपस्टिक से लिखा गया यह संदेश विमान के शौचालय के अंदर मिला था। इससे पहले दिन में शिलांग जाने वाले इंडिगो के विमान 6ई 7304 में एक हस्तलिखित नोट मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है।

पश्चिमी देशों की सोच गलत, नहीं टूटेंगे रिश्ते

● रुबियो ने ट्रांस-अटलांटिक संबंध मजबूत रखने की इच्छा जताई

म्यूनिख, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और यूरोप के संबंधों का मैत्रीपूर्ण और आश्वस्त करने वाला आकलन प्रस्तुत करते हुए शनिवार को कहा कि पिछली आलोचनाओं का कठोर लहजे का उद्देश्य ट्रांस-अटलांटिक संबंधों में नई शुरुआत को प्रोत्साहित करना था। रुबियो म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

शुक्रवार को जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस वर्ष के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अमेरिका और यूरोप से ट्रांस-अटलांटिक विश्वास को एक साथ पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। मर्ज ने कहा कि एक ऐसी दुनिया में जहां पुरानी व्यवस्था कमजोर पड़ चुकी है, वहां अमेरिका भी अकेले आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली नहीं है।

रुबियो ने तर्क दिया कि शीत युद्ध में पश्चिम की विजय के उत्साह ने एक खतरनाक भ्रम को जन्म दिया कि हम संघर्षपूर्ण इतिहास को पीछे छोड़ चुके हैं और अब हर राष्ट्र एक उदार लोकतंत्र होगा। वेंस के रुख की तुलना में कम टकराव वाला दृष्टिकोण अपनाते हुए, उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन ने अपने रुख को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह उनसे पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका में भारत का छात्र लापता तेज की गई तलाश

बेंगलुरु। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कर्नाटक निवासी 22 वर्षीय विद्यार्थी साकेत श्रीनिवासैया के लापता होने पर गहरी चिंता जताई है। दूतावास ने कहा है कि वह स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले भारतीय विद्यार्थी के परिवार के साथ संपर्क में है और उसे ढूंढने में अमेरिका के अधिकारियों की मदद कर रहा है। श्रीनिवासैया आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र है और अमेरिका बर्कले में रासायनिक एवं जैवआणविक इंजीनियरिंग से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। वह मंगलवार से लापता हैं। आखिरी बार उन्हें बर्कले में ड्वाइट वे के 1700 ब्लॉक के पास देखा गया था। बर्कले पुलिस ने उसके गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश में नई कैबिनेट कल करेगी शपथ ग्रहण

● प्रधानमंत्री मोदी और शहबाज शरीफ को मिल सकता है न्योता

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में नवनिर्वाचित सांसद और नई कैबिनेट सोमवार (16 फरवरी) को शपथ लेगी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार की सुबह मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नवनिर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे। इसी दिन दोपहर को ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन बंगभवन में नए कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। सूत्रों के अनुसार अंतरिम सरकार की ओर से एक विशेष मुख्य समारोह 17 फरवरी को आयोजित किया जा सकता है।

निर्वाचन आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने शनिवार को बताया कि गत 12 फरवरी को संपन्न हुए चुनावों के बाद सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। गौरतलब है कि देश की कुल 299 सीटों पर हुए मतदान में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 209 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। इस बीच पार्टी के संयुक्त महासचिव हुमायूं कबीर ने संकेत दिया कि सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हैं, के साथ मध्य पूर्व के देशों के नेताओं को भी समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है।

अमेरिका में विमान हादसे में चार लोगों की चली गई जान

वांशिंगटन। अमेरिका में कोलोराडो के एमराल्ड पहाड़ी के एक दूर-दराज के इलाके के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में राउट काउंटी शेरिफ डग शेरार के हवाले से कहा गया कि यह हादसा गुरुवार रात को हुआ। मरने वालों के शव उसी रात बरामद कर लिए गए और अब उनकी पहचान की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त विमान एपिक विमान ई1000 था और यह हादसा आधी रात के करीब हुआ। इसके उड़ान सारणी का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान स्टीमबोट स्प्रिंग्स शहर में बॉब एडम्स हवाई अड्डा के पास उड़ रहा था और एमराल्ड पहाड़ी की चोटी के दक्षिण की ओर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 15 फरवरी, रविवार 2026 संवत–2082, शक संवत 1947 मास–फाल्गुन, पक्ष–कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 17 .04 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

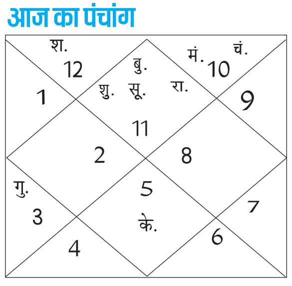

दिशाशूल– पश्चिम, **ऋतु**– शिशिर।
चन्द्रबल– मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल– भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र– उत्तराषाढ़ा 19 .48 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष – आज वरिष्ठ सदस्यों की सलाह पर अमल अवश्य करें। संतजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप अपने व्यवहार में काफी बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं। आपके मन में नए व्यवसाय को लेकर उत्साह रहेगा।

वृष – आज मेहनत के बल पर काम में सफलता मिलेगी। बच्चों की सफलता से गर्व की अनुभूति होगी। आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपके सिद्धांतों की प्रशंसा होगी। विवादित मुद्दों को हल करने के लिए उत्तम समय है।

मिथुन – आज ऐसे लोगों से सावधान रहें, जो आपको गलत सलाह देते हैं। राजनीतिक मुद्दों पर बहसबाजी से दूरी बनाकर रखें। आपको अनुमान से अधिक काम करना पड़ सकता है। संतुलित आहार रखने से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क – आज शुभ कार्यों में आपको धन खर्च करना चाहिए। समाज में आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। पैतृक व्यवसाय में विस्तार करने के योग बन रहे हैं।

सिंह – आज जीवनसाथी और परिजनों की सलाह आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली है। देवस्थल की यात्रा हो सकती है। गृहस्थ जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अध्ययन में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

कन्या – आज यात्राओं का भरपूर आनंद लेंगे। दोस्तों के साथ प्रसन्नता के पलों का आनंद उठाएंगे। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है।

तुला – आज आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेकर काम करना उचित होगा। महिलाओं को गृहकार्यों में कुछ परेशानी महसूस होगी। पुरानी बातों के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है।

वृश्चिक – आज सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल है। व्यवसाय में अपने कौशल का परिचय देंगे। संतान के व्यवहार से आनंदित रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी पदोन्नति का विचार बना सकते हैं। घर में सुख और शांति का वातावरण रहेगा।

धनु – आज भूमि–संपत्ति को लेकर कोई निर्णय न लें। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ संबंध मधुर रखें। अपने व्यवहार को निखारने का प्रयास करें। आप कुछ विशेष कार्यों को पूरा करने के प्रयास में लगे रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण एलर्जी हो सकती है।

मकर – आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह का लाभ उठाएंगे। पति–पत्नी के आपसी संबंध मधुर होंगे। विदेश जाने की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। छात्रों को मेहनत का बेहतरीन परिणाम मिलेगा।

कुंभ – आज तनावपूर्ण स्थिति से अपने आपको दूर रखें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थोड़ी परेशानी होगी। छात्रों को पढ़ाई में अवरोध का सामना करना पड़ेगा। गृह उद्योगों में कार्यरत लोगों की आय बढ़ सकती है। आयात–निर्यात के व्यवसाय में उत्तम लाभ मिलेंगे।

मीन – आज बड़े भाइयों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। आपके भीतर आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार होगा। प्रेम संबंधों का आनंद उठाएंगे। नई परियोजनाओं में आप धन का निवेश कर सकते हैं। परिवार में आपके विचारों के अनुसार वातावरण रहेगा।

सुडोकू -62

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			4					5
			9		3		1	
	8					6		9
		6			7			1
		3				7		
5			1				6	
6		1			8		3	
	2		3		9			6
4					5			7

सुडोकू - 61 का हल

1	2	8	9	5	4	3	6	7
6	5	3	2	1	7	9	8	4
4	7	9	3	6	8	2	5	1
9	4	2	5	7	3	8	1	6
8	6	5	1	4	2	7	9	3
3	1	7	8	9	6	5	4	2
2	9	1	6	3	5	4	7	8
5	3	4	7	8	1	6	2	9
7	8	6	4	2	9	1	3	5

पाकिस्तान के उस्मान तारिक एक साधारण ऑफ-स्पिनर ही हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय बल्लेबाज टी20 विश्व कप मैच में उन्हें अच्छी तरह से खेल लेंगे।
–सौरव गांगुली

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 15 फरवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
वेस्टइंडीज-नेपाल	पूर्वाह्न 11 बजे
अमेरिका-नामीबिया	दोपहर 3 बजे
भारत-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें दिग्गजों को हराने पर

कोलकाता। पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959 . 60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेला जायेगा जिसमें उत्तराखंड का सामना आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक से होगा। उत्तराखंड ने जमशेदपुर में झारखंड को एक पारी और छह रन से हराया जबकि कर्नाटक ने रिकॉर्ड 42 बार की विजेता मुंबई को मात दी।

ग्रुप में शीर्ष पर बने रहने के इरादे से उतरेगा वेस्टइंडीज

मुंबई, एजेंसी : आत्मविश्वास से लबरेज वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मुकाबले में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर नेपाल से भिड़ेगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय बरकरार रखकर शीर्ष पर अपना स्थान पुख्ता रखने का होगा। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक दोनों मैच जीते हैं और नेट रनरेट (1.625) के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है। एक और जीत से शीर्ष पर उसका स्थान और पक्का हो जायेगा। इसके बाद वेस्टइंडीज को कोलकाता में इटली से खेलना है और इन दोनों मैचों में जीत से ग्रुप में शीर्ष पर उसका रहना तय हो जायेगा लेकिन उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा।

टी-20 विश्व कप : सियासी रुकावट के बाद आज टकराएंगी दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें, उस्मान तारिक के बालिंग एक्शन पर रहेंगी नजरें

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौशल का नहीं, दबाव झेलने का

कोलंबो, एजेंसी

क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध 'अस्थायी' तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी। पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर यू टर्न लेकर प्रेमदासा स्टेडियम पर यह मैच खेलने का फैसला लिया।

इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, बांग्लादेश और श्रीलंका क्रिकेट के बीच हफ्तों तक लंबी बातचीत हुई। व्यवहारिक तौर पर पूरा दक्षिण एशिया इस मैच को कराने के प्रयासों में जुटा हुआ था चूंकि प्रसारकों, प्रायोजकों से लेकर दर्शकों तक के लिये यह मैच सबसे अहम रहता है। विवाद की शुरुआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द करने से हुई। बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखाते हुए पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार का फैसला ले लिया था। वहीं दोनों टीमों के क्रिकेटरों ने इसे आम मैच बताकर हाइप कम करने की पूरी कोशिश की । लेकिन दोनों टीमों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा। हारने पर अपने प्रशंसकों का कोपभाजन बनना दोनों में से किसी टीम को मंजूर नहीं होगा और वह भी तब जबकि विश्व कप के अहम मुकाबले अभी आने बाकी हैं। भारत के सामने समस्या अभिषेक शर्मा को लेकर है जो पेट के संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहे और नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल सके थे। उनके नहीं खेलने पर या तो संजू सैमसन को ही उतारा जाये या ईशान किशन के साथ पारी की शुरूआत के लिये वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाये जो फिट हो गए हैं। सुंदर प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिच पर अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। पिच को देखते हुए बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है । ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा। विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है । अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे जबकि नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गई। दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पंड्या ने संकटमोचक की भूमिका निभाई। लेकिन बड़े टूर्नामेंट में एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। पिछले साल हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनने के बाद पाकिस्तान टीम के मैच कोलंबो में हो रहे हैं जिससे उसे हालात और पिच की बेहतर जानकारी है ।

अभ्यास सत्र के दौरान पाकिस्तानी क्रिकेटर।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मो नवाज, मो सलमान मिर्जा, नसीम शाह, फरहान, सईम अयूब, शाहीन अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

मैच देखने पहुंचेंगे नकवी

कराची । पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी रविवार को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच देखेंगे और आईसीसी अधिकारियों से बात भी कर सकते हैं। एक सूत्र ने बताया कि नकवी के साथ पाकिस्तान सुपर लीग के सीईओ सलमान नसीर और मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद समेत पीसीबी के सीनियर अधिकारी भी श्रीलंका जाएंगे। सूत्र ने कहा श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने दूसरे बोर्ड के अधिकारियों को न्योता दिया है।

मैच में बारिश की संभावना

कोलंबो । भारत-पाकिस्तान के मैच में एकबार फिर खलल पड़ा सकता है। नॉर्थ-ईस्ट-मॉनसून के देर से आने के कारण कोलंबो में बारिश होने का अनुमान है। इससे क्रिकेट प्रेमियों की निराशा बढ़ेगी। इस बड़े मैच के लिए 16,000 भारतीय फैंस के आने की उम्मीद है, साथ ही 28,000 क्षमता वाले आर . प्रेमदासा स्टेडियम में आने वाले पाकिस्तानी और लोकल फैंस के लिए भी उम्मीद है – क्रिकेट की दुनिया भर से लाखों लोग इसे देख रहे हैं।

भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव

मारक्रम की आतिशी बल्लेबाजी, दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराया

दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ में अपनी जगह की पक्की

अहमदाबाद, एजेंसी।

मार्को यानसन (40 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान एडेन मारक्रम की आक्रामक बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अहम मुकाबले में न्यूजीलैंड को 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने महज 17.1 ओवर में तीन विकेट गवांकर लक्ष्य हासिल कर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

मारक्रम ने 44 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने क्विंटन डिकॉक (नौ) के साथ 28 गेंद में 62 और रेयान रिकल्टन के साथ 18 गेंद में 40 रन की साझेदारी कर शुरुआती आठ ओवर के अंदर टीम के रनों का शतक पूरा कर मैच पर पूरी तरह से दबदबा कायम कर दिया था। मार्क चैपमैन (48) और डेरिल मिचेल (32) के बीच पांचवें विकेट के लिए 44 गेंद में 74 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका के लिए यानसन के अलावा लुंगी एनगिडी, केशव महाराजइऔर कोर्बिन बोश भी विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे। इन तीनों को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए मारक्रम ने शुरुआती ओवर में ही मैट हेनरी के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाकर आक्रामक तेवर दिखाये।

फर्ग्यूसन ने अपने दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक की नौ रन की पारी पर विराम लगाई लेकिन रेयान रिकल्टन ने क्रीज पर आते ही लगातार गेंदों पर डफी के खिलाफ दो चौके और 103 मीटर लंबा छक्का लगाया। बाद में मारक्रम और क्रीज पर आये अनुभवी डेविड मिलर (नाबाद 24) ने इसके बाद ज्यादा जोखिम लिए बिना टीम को आसान जीत दिला दी। भारत से इतर मुकाबला होने के बावजूद करीब 30,000 दर्शकों की मौजूदगी में मैच ने उम्मीदों के अनुरूप रोमांच पैदा किया। दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अजेय थीं।

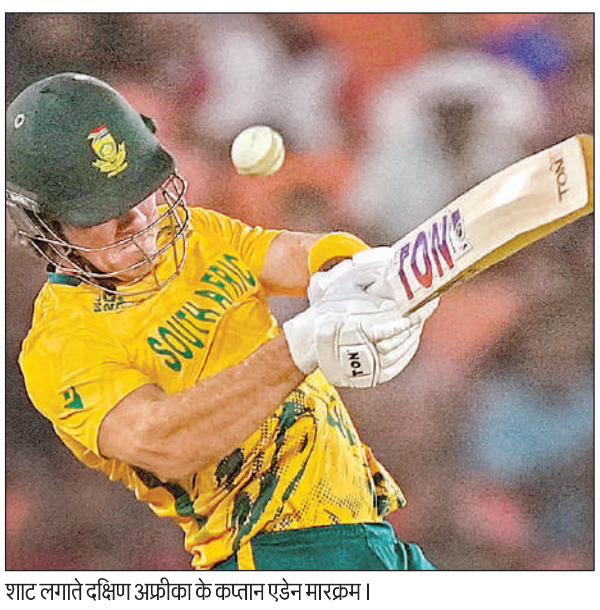

शाट लगाते दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम।

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

- कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया । पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने पांच विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए। आयरलैंड ने इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई । आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए । आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो दो विकेट मिले । इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं । इससे पहले आयरलैंड के कप्तान टकर के 51 गेंद में 94 रन की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाये ।

तारिक है हमारा ट्रंपकार्ड : सलमान

- आईसीसी पहले ही उसके एक्शन को ठहरा चुका है दो बार सही

कोलंबो, एजेंसी

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने असामान्य एक्शन वाले स्पिनर उस्मान तारिक का बचाव करते हुए भारत के खिलाफ रविवार को यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम पर खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के मैच के लिए उन्हें अपनी टीम का 'तुरुप का पत्ता' करार दिया। तारिक ने हाल ही में अमेरिका के खिलाफ पास के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर तीन विकेट झटककर अपनी क्षमता दिखाई थी। उनकी गेंदबाजी यहां स्पिनरों की मददगार आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर और घातक साबित हो सकती है।

आगा ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को यहां कहा उस्मान हमारे 15 खिलाड़ियों में से एक हैं, हम उन्हें उसी नजर से देखते हैं। आप (मीडिया) ने उन्हें बड़ा बना दिया। वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। आगा हालांकि तारिक से जुड़े सवालों को टालने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन से जुड़े सवाल लगातार उठते रहे। आगा ने स्वीकार किया कि 27 साल का यह ऑफ स्पिनर बड़े शॉट खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों के सामने उनकी टीम का मुख्य हथियार है। आगा ने कहावह पिछले कुछ महीनों से बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने लीग क्रिकेट (पाकिस्तान सुपर लीग) में भी शानदार प्रदर्शन किया था। और हां, आप कह सकते हैं कि वह हमारे लिए 'ट्रंप कार्ड' हैं। तारिक की असामान्य 'पॉज एंड स्लिंग' एक्शन पर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन आगा ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा, उसे इन बातों की कोई परवाह नहीं है। जब से उसने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, लोग उसके बारे में बातें करते रहे हैं। वह समझदार और परिपक्व है, इसलिए इन चीजों से प्रभावित नहीं होता। उसे आईसीसी द्वारा दो बार मंजूरी भी मिल चुकी है और उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी के लिए जो भी आवश्यक था किया है। आगा ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण केवल तारिक तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा यह संभव है कि स्पिनर यहां दबदबा बनाए, लेकिन तेज गेंदबाजों की भी भूमिका होगी। तेज गेंदबाजी ऐसी कला है जिसे किसी भी जगह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कप्तान का मानना है कि शाहीन शाह अफरीदी अपनी विविधताओं के कारण बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा उनकी भूमिका हमेशा अहम रहेगी। हमारे पास कई स्पिनर हैं, लेकिन तेज गेंदबाज भी हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्पिनर उस्मान तारिक।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 10 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से हराया

इंग्लैंड के टॉम बैंटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार

कोलकाता, एजेंसी

आदिल राशिद (तीन विकेट), जोफ्रा आर्चर और लियम डॉसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टॉम बैंटन (नाबाद 63) और जेकब बेथेल (32) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने शनिवार टी-20 विश्वकप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 10 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। टॉम बैंटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने पहले दो ओवरों में 13 रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। फिल सॉल्ट (दो) और जॉस बटलर तीन रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद जेकब बेथेल और टॉम बैंटन की जोड़ी ने पारी को संभाल और तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। 10वें ओवर में ऑलिवर डेविडसन ने जेकब बेथेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। जेकब बेथेल ने 28 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 32 रन बनाये। कप्तान हैरी ब्रूक चार रन बनाकर आउट हुये।

सैम करन ने एक चौका और दो छक्के लगाते हुए 28 रन बनाये। इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम किया। टॉम बैंटन ने 41 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 63 रनों की मैच विजयी पारी खेली। विल जैक्स 10 गेंदों में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। स्कॉटलैंड के लिए चार गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया।

शाट लगाते इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन।

टी20 विश्व कप

पहली गेंद से ही बड़े शॉट मारने की क्षमता की तारीफ की

अभिषेक शर्मा की काबिलियत के कायल हुए कपिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने टी-20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की पहली गेंद से ही बड़े शॉट मारने की काबिलियत की तारीफ की है।

कपिल ने शुक्रवार शाम को कुतुब गोल्फ कोर्स में डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 में पत्रकारों से बातचीत में कहा अगर आप पहली गेंद पर छक्का मार सकते हैं, तो क्यों नहीं इसके लिए आपको बहुत काबिलियत चाहिए। अगर वह दो साल, तीन साल तक ऐसा कर सकता है, तो हम कहेंगे कि वह कितना बढ़िया खिलाड़ी है। हालांकि उन्होंने अभिषेक को सावधान किया कि उसे लगातार बेहतर होते रहना होगा ताकि वह गेंदबाजों से एक कदम आगे रहे।

उन्होंने कहा पहले साल वह प्रतिभा के साथ सामने आ सकता है। शायद दो साल। लेकिन गेंदबाज भी हर समय बल्लेबाजों के लिए योजना बनाते रहते हैं। तीसरा साल सबसे जरूरी होगा कि वह स्वयं को कैसे व्यवस्थित करता है।" अभिषेक शर्मा ने 2024 में भारत के लिए पर्दापण किया था। भारत के लिए 39 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 36 की औसत से 1,297 रन बनाए हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 136 का है। इन 39 मैचों में उन्होंने 123 चौके और 88 छक्के लगाए हैं। शौकीन गोल्फर और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि वह देश में क्रिकेट के विकास से बहुत खुश हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि दूसरे खेलों को भी पूरा सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने कहा क्रिकेट अच्छा कर रहा है- यह अच्छी बात है। बुरी बात यह है कि क्रिकेट अकेला स्पोर्ट नहीं है। हमें सभी खेलों का ध्यान रखना चाहिए। क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है। फिर भी, मैं चाहता हूं कि हमें दूसरे खेलों को भी प्रमोट करना चाहिए। हमें हर चीज के लिए सरकार पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और इस बात की जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि हम क्या योगदान कर सकते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर फैसला कल : सलमान अली आगा

कोलंबो । पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच के टॉस या मुकाबले से बाद भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि खेल उसी भावना से खेला जाना चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता है। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने पिछले साल दुबई में आयोजित एशिया कप के समय से एक-दूसरे से हाथ मिलाना बंद कर दिया है। यह टूर्नामेंट पहलगाम हमले और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में खेला गया था। हाथ मिलाने की परंपरा को लेकर पूछे गए सवाल पर आगा ने शनिवार को यहां कहा इस बारे में हम कल देखेंगे। आगा ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में 'खेल भावना' को बनाए रखा जाना चाहिए। क्रिकेट (सही) भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी व्यक्तिगत राय शायद मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरीके से खेला जाना चाहिए, जिस तरह से इसे हमेशा खेला जाना चाहिए था। क्या करना है, यह तय करना उन पर निर्भर है। इस बीच यह भी पता चला है कि प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय खेमे का माहौल भी आक्रामक के बजाय अधिक संयमित है। टीम ने इस मामले में अंतिम निर्णय उच्च अधिकारियों पर छोड़ दिया है। भारतीय टीम के अंदर हालांकि सोशल मीडिया पर सार्वजनिक भावनाओं को लेकर सतर्कता भी है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद भावनाएं अब भी काफी संवेदनशील बनी हुई है और प्रतिक्रियाएं तीखी हो सकती हैं।